वर्ष-31, अंक- 225, पृष्ठ-12 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 07, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
सोमवार
02 जून 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

एक नजर

चलती कार में लगी आग बाल-बाल बचे सवार युवक

महुआडांड़। महुआडांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत कुरूंद घाटी में एक चलती अज्ञात कार में अचानक आग लग गई। आग लगते ही कार में सवार युवक कूदकर बाहर निकले और अपनी जान बचाई। इसके बाद वे मौके से फरार हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने बताया कि कार में तीन युवक सवार थे, जो नशे की हालत में प्रतीत हो रहे थे। आग लगने के बाद उन्होंने कार के डैशबोर्ड में रखी शराब की बोतल निकाली और जब राहगीरों ने बातचीत करने की कोशिश की तो वे भाग खड़े हुए। इस घटना के कारण घाटी में लगभग आधे घंटे तक जाम जैसी स्थिति बनी रही। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मनोज कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जेसीबी की सहायता से जलती कार को सड़क से किनारे हटवाया। फिलहाल कार किसकी थी, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है, क्योंकि कार की नंबर प्लेट पूरी तरह जल चुकी थी।

रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य बने प्रफुल सिंह

- रेल मंत्री ने मनोनयन की जानकारी सांसद विष्णु दयाल राम को पत्र भेजकर दी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत पिपरा निवासी प्रफुल कुमार सिंह को रेल मंत्रालय (भारत सरकार) के अंतर्गत पूर्व मध्य रेलवे की ज़ोनल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा किया गया है, जिसे रेलवे बोर्ड द्वारा जारी पत्र के माध्यम से औपचारिक रूप से अधिसूचित किया गया।

इस नियुक्ति को प्रफुल कुमार सिंह के लंबे सामाजिक, शैक्षणिक और पत्रकारिता जीवन में एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है। प्रफुल सिंह एक अनुभवी सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, पत्रकार और राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में वर्षों से सक्रिय हैं। वे दिल्ली में संपादक के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं और घरेलू राजनीति व अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर स्तंभ लेखन करते रहे हैं।

रेल मंत्री ने उनकी नियुक्ति की जानकारी पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम को भी पत्र भेजकर दी। सांसद ने प्रफुल सिंह को बधाई देते हुए आशा जताई कि

वे पलामू संसदीय क्षेत्र के हित में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस नियुक्ति पर पिपरा, हरिहरगंज, हुसैनाबाद, हैदरनगर, मोहम्मदगंज सहित पलामू और गढ़वा जिले के लोगों ने हर्ष जताया है।

प्रफुल सिंह ने बताया कि उनका लक्ष्य रेलवे और आम यात्रियों के बीच सेतु बनकर काम करना है। वे रेलवे मंडल की बैठकों में यात्रियों की समस्याएं प्रमुखता से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका ध्यान खासतौर पर स्टेशनों पर शुद्ध पेयजल, स्वच्छता, यात्री शेड और महिला यात्रियों के लिए सैनिटरी पैड जैसी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर रहेगा।

प्रफुल सिंह वर्तमान में भूमि विकास बैंक (बिहार-झारखंड) और बिहार स्टेट हाउसिंग को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड में निदेशक पद पर कार्यरत हैं। साथ ही वे झारखंड को-ऑपरेटिव बैंक और बिस्कोमान (पलामू) से भी जुड़े हुए हैं। सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र में उनकी भूमिका लंबे समय से उल्लेखनीय रही है। वे पूर्व में छात्र राजनीति में भी सक्रिय रहे हैं।

ज़ोनल रेलवे यूज़र कंसल्टेटिव कमिटी, रेल मंत्रालय की एक अहम सलाहकार इकाई है, जो क्षेत्रीय स्तर पर रेलवे संचालन, यात्री सुविधाओं, नीति निर्माण और सुधारों में सलाह देने का कार्य करती है। इसका उद्देश्य रेलवे सेवाओं को अधिक सुगम, सुरक्षित और जनोपयोगी बनाना है।

प्रफुल सिंह ने अपनी नियुक्ति पर सांसद विष्णु दयाल राम और भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि वे जनहित में ईमानदारी और प्रतिबद्धता से कार्य करेंगे।

देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में हो रही बढ़ोतरी, एहतियात जरूरी

स्वास्थ्य विभाग तैयार, उठाए जा रहे सभी आवश्यक कदम

- उपायुक्तों और सिविल सर्जनों को स्थिति पर निगरानी रखने का आदेश
- कोविड से मिलते-जुलते लक्षण वाले मरीजों की मॉनीटरिंग करने का निर्देश
- लोगों से कहा गया, सांस लेने में तकलीफ हो तो निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में रिपोर्ट करें

नवीन मेल डेस्क

रांची। कोविड-19 के नए वैरिएंट्स के कारण देश भर में संक्रमितों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। कोरोना संक्रमण की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए झारखंड में भी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य के अस्पतालों में मॉक ड्रिल कराने की भी तैयारी है। राज्य में फिलहाल पैनिक जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन सतर्क और सावधानी रहने की आवश्यकता है। राज्य में अब तक कोरोना वायरस के संक्रमण के छह मामले सामने आए हैं। इसे ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों के उपायुक्तों और सिविल सर्जनों को स्थिति पर निगरानी रखने आदेश दिया है। कोरोना संक्रमण से मिलते-जुलते लक्षणों वाले मरीजों की जांच एवं मॉनीटरिंग करने का भी निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की ओर से जिलों को भेजे गए निर्देश में कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में कोविड के मामलों में वृद्धि हुई है, जिसे देखते हुए सभी को सतर्क रहने की आवश्यकता है। श्वसन रोग जनक एच-1एन-1 (स्वाइन फ्लू), एच-3एन-2 (इंफ्लूएंजा) आदि वायरस की निरंतर बदलती प्रकृति और कोविड के नए वैरिएंट के विकास पर भी निगरानी रखने को कहा गया है। निर्देश में कहा गया है कि अस्पतालों के ओपीडी और आईपीडी में कोरोना संक्रमण से संबंधित आने वाले मरीजों की सतत निगरानी और रिपोर्टिंग हो। इसके साथ ही, इसे सर्विलांस विभाग के पोर्टल पर अपलोड करें।

शेष पेज 11 पर...

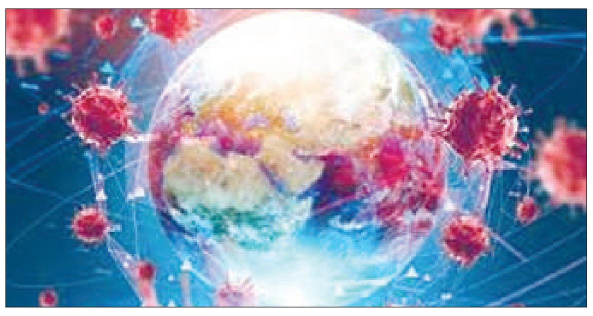

भारत में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामले 3758 हुए

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। देश में रविवार की सुबह तक सक्रिय कोविड 19 मामलों की संख्या 3758 हो गई थी। पिछले 24 घंटे में 363 नए संक्रमित मरीज सामने आए, जबकि 1818 मरीजों को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। कोरोना संक्रमण से पिछले 24 घंटे के दौरान दो मरीजों की मौत हुई है। कर्नाटक में 63 वर्षीय बुजुर्ग मरीज शेष पेज 11 पर...

सीएम सोरेन ने हॉकी कोच प्रतिमा बरवा के निधन पर जताया शोक

नवीन मेल डेस्क

रांची। प्रसिद्ध हॉकी कोच प्रतिमा बरवा के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक जताया है। सीएम ने रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा है कि झारखंड सहित देश को कई प्रतिभाशाली अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी देने वाली हॉकी कोच प्रतिमा बरवा का असामयिक निधन अत्यंत दुखदायक है। जीवन के संघर्ष में आज वह सभी को छोड़कर चली गईं। झारखंड की मेहनतकश बेटियों की आदर्श थीं प्रतिमा जी। उनका निधन झारखंड ही नहीं, देश के हॉकी जगत के लिए भी अपूरणीय क्षति है। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की इस घड़ी में सहन करने की शक्ति दें।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 24 रुपए सस्ता हुआ

नई दिल्ली (आईएएनएस)। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से रविवार को एलपीजी गैस सिलेंडर के नए रेट जारी कर दिए गए हैं। कंपनियों द्वारा 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 24 रुपए की कटौती की गई है, जबकि घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

आज / कल

सभी जवानों को अशेष बधाई

भारतीय सैन्य बलों के असीम बलिदान को कोटि-कोटि नमन

मनीष सिंह 'वंदन'

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता ने भारतीय सेना के भव्य आभा मंडल पर विजय का एक और प्रगाढ़ तिलक लगा दिया। इनकी इस विजयगाथा ने हम भारतीयों का सीना चौड़ा कर दिया। समूचे विश्व में इन्होंने अपनी एकजुटता, बुलंद हौसले, प्रतिबद्धता, ताकत और राष्ट्रवाद का परचम एक बार पुनः बड़ी आन-बान और शान से लहराया। भारतीय सैन्य बलों के अदम्य साहस, अप्रतिम शौर्य, अद्वितीय पराक्रम, अनुपम देशभक्ति, अदम्य जीवटता और असीम बलिदान को कोटि-कोटि नमन है। राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता, संप्रभुता और मातृभूमि की अस्मिता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने को सदैव तत्पर रहने वाले ऐसे रणबांकुरों के सम्मान में सिर हमेशा झुका रहेगा। मां भारती के सभी जवानों को अशेष बधाई एवं आकाश भर शुभकामनाएं सहर्ष निवेदित करता हूं। आप पर सौ-सौ सैल्यूट कुर्बान हैं। आप हैं तो हम सुरक्षित है, निश्चिंत हैं। जय हिंद, जय हिंद की सेना!

आदिवासी संगठनों का 4 को झारखंड बंद

- पेसा कानून, धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और रैयती जमीन की लूट पर रोक है प्रमुख मांग

नवीन मेल डेस्क

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)। राज्य के आदिवासी संगठनों ने आगामी 4 जून को झारखंड बंद का आह्वान किया है। पेसा कानून लागू करने, आदिवासी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और रैयती जमीन की लूट पर रोक लगाने जैसी मांगों को लेकर यह बंद बुलाया गया है। इस बंद को भारत आदिवासी पार्टी समेत कई संगठनों ने समर्थन दिया है। रविवार को बारीडीह स्थित एक सभागार में भारत आदिवासी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रेम शाही मुंडा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि आदिवासियों की अस्मिता, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए यह आंदोलन आवश्यक है। उन्होंने बताया कि रांची के केंद्रीय सरना स्थल सिरम टोली के पास प्रस्तावित रैंप निर्माण को धार्मिक स्थल पर अतिक्रमण मानते हुए आंदोलनकारी संगठन लंबे समय से विरोध कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया।बैठक में आदिवासी बचाओ मोर्चा, मरंगबुरू संघर्ष समिति और अन्य संगठनों ने मरंगबुरू, लुगु बुरु, मूढ़हार पहाड़, देवड़ी दिरी तमाड़ जैसे धार्मिक स्थलों की सुरक्षा, पेसा कानून की नियमावली बनाकर झारखंड में तत्काल लागू करने, स्थानीय नीति निर्धारण और रैयती जमीन की लूट पर रोक लगाने की मांग दोहराई। भारत आदिवासी पार्टी के नेताओं ने रविवार को ही प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार ने अगर आदिवासियों की मांगों पर शीघ्र संज्ञान नहीं लिया, तो आंदोलन और व्यापक रूप लेगा।

गुमला के भरनो में युवक की हुई धारदार हथियार से हत्या

- मृत युवक की मां बोली, किसी से कोई विवाद या दुश्मनी नहीं थी

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। भरनो थाना क्षेत्र के कुसुम्बाहा गांव में रविवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब ग्रामीणों ने सड़क किनारे एक युवक का रक्तरंजित शव देखा। मृतक की पहचान 25 वर्षीय सोनू उरांव के रूप में हुई है, जिसकी बेरहमी से धारदार हथियार से हत्या कर शव को गांव के सेमरदोन मोड़ के पास फेंक दिया गया था।

घटना की सूचना पर भरनो थाना प्रभारी कंचन प्रजापति, सब इंस्पेक्टर मंटू चौधरी और अर्जुन यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस फिलहाल हत्याकांड के कारणों की जांच हर एंगल से कर रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। जानकारी के अनुसार, मृत युवक की मां हीरा उरांइन ने पुलिस को बताया कि सोनू उरांव शनिवार रात लगभग 10:00 बजे एक शादी समारोह से घर आया और थोड़ी देर बाद फिर बाहर चला गया। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा और सुबह उसकी हत्या की खबर मिली। मां का कहना है कि सोनू का किसी से कोई विवाद या दुश्मनी नहीं थी। सोनू मूल रूप से खूंटी जिले के डोड़मा गांव का निवासी था, लेकिन बचपन से ही अपनी मां और बहन के साथ मामा के घर कुसुम्बाहा गांव में रह रहा था।

शेष पेज 11 पर...

इंडिया

शौकिया या मजबूरी में डंकी रूट से पलायन रुके तो कैसे

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

हम अक्सर अवैध बांग्लादेशियों , पाकिस्तानियों को भारत से निकालते रहते हैं और येन केन प्रकारेण उनके भारत में प्रवेश का लंबा इतिहास है जो उनके देश की बदहाली और आतंक से जुड़ा है। हमारे पड़ोसी देशों की गलत नीतियों बहुत हद तक अलोकतांत्रिक सरकारों की कुव्यवस्था से वहां भुखमरी और कुपोषण के शिकार लोग कभी कसाब जैसे आतंकी तो कभी रोहिंग्या जैसे वोट बैंक के रूप में भारत में कैसे घुसते रहे हैं हमें उन कारणों और रास्तों को बंद करने के साथ उन्हें भारतीय पहचान पत्र मुहैया कराने से लेकर राजनीतिक संरक्षण देने वालों को कानून और बहिष्कार के माध्यम से जवाब देना पड़ेगा ताकि पूरी कौम को कटघरे में खड़े करने की प्रवृत्ति पर रोक लग सके । वैसे पलायन मानव स्वभाव है जो मजबूरी के अलावा अन्य कारणों से होता है। झारखंड से सैकड़ों वर्षों से स्थायी और मौसमी पलायन का इतिहास है जिसके मूल में गरीबी के अलावा अच्छी जीवन शैली में जीने की ललक है। इसी प्रकार झारखंड, बिहार,बंगाल और यूपी जैसे राज्यों की जातीय, बाहुबली संस्कृति और भ्रष्टाचार के कारण उच्च शिक्षित युवा लगातार पलायन कर रहे हैं जिनकी संख्या लाखों में है और राज्य सरकारों की क्षेत्रीय राजनीति की प्राथमिकता आइटी,प्रबंधन, बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करने की नहीं है जबकि पुणे,बैंगलुरु, गुरुग्राम, नोएडा, चेन्नई की वैश्विक पहचान और समृद्धि सामने है । इन शहरों में तेजी से अन्य लोगों को रोजगार मिल रहा है जो कैब चलाने से सत्कार उद्योग तक फैलता जा रहा है। इन शहरों में विदेशों जैसा अलग माहौल बन रहा है जाति धर्म वर्ग से ऊपर कार्यक्षमता सर्वोपरि वाले सिद्धांत से । हम अमेरिका द्वारा अपमानजनक निर्वासन से उद्वेलित तो हुए पर हमें जानना चाहिए क्यों हमारी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं विदेशों में बस रही हैं? जॉन होपकिंस यूनिवर्सिटी की स्कॉलर एबी बुडिमैन और देवेश कपूर द्वारा फरवरी 2025 में पेश किए गए शोध पत्र में उल्लेख किया गया कि 'ट्रंप प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि उनके दूसरे कार्यकाल में नए लोगों के लिए अमेरिका के दरवाजे बंद रहेंगे। फिर भी, केवल दबाव-केंद्रित रणनीति समस्या का समाधान नहीं कर सकती, इसलिए अमेरिका और भारत को प्रतिबंधों और निर्वासन की घटनाओं से परे जाकर व्यापक समाधान के लिए सहयोग करना चाहिए। अमेरिकी विदेश विभाग ने हाल ही में भारत आधारित ट्रैवल एजेंसियों के मालिकों, कार्यकारी और वरिष्ठ अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंधों की घोषणा की, जिन पर जान-बूझकर अमेरिका में अनधिकृत प्रवासन कराने के आरोप हैं। फिलहाल इस बात की अब तक कोई विस्तृत जानकारी नहीं है कि इस कदम का कितने लोगों और कितनी ट्रैवल एजेंसियों पर असर पड़ेगा। साफ है, यह कदम ट्रंप प्रशासन की अवैध आप्रवासन पर कड़ी कार्रवाई का हिस्सा है, जिसमें निर्वासन में वृद्धि व कठोर सीमा नियंत्रण शामिल है। ये एजेंसियां, विशेषकर पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों में ज्यादा सक्रिय हैं, जहां इच्छुक प्रवासियों को कानूनी तरीके से जाने का प्रलोभन देकर खतरनाक और अनधिकृत रास्तों के जरिये ले जाती हैं, जिसका परिणाम दुखद निर्वासन के रूप में आता है। इस साल की शुरुआत में, संभवतः उसके इतिहास में पहली बार, अमेरिका ने सैन्य विमानों से 300 से ज्यादा भारतीयों को निर्वासित कर भेजा और अन्य पचास से ज्यादा को पनामा पहुंचाया गया। इससे यही स्पष्ट संकेत मिलता है कि अवैध आप्रवासन को रोकने के लिए वाशिंगटन कोई ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है। भारत सरकार ने सार्वजनिक रूप से अवैध आप्रवासन का विरोध किया है। अमेरिका में कितने भारतीय पर्याप्त दस्तावेजों के बिना रह रहे हैं, इसका ठोस डाटा न होना सबसे बड़ी चुनौती है। प्यू रिसर्च सेंटर का अनुमान है कि वर्ष 2022 तक अमेरिका में सात लाख से ज्यादा भारतीय बिना पुख्ता दस्तावेजों के रह रहे थे, जो उन्हें मेक्सिको और अल सल्वाडोर वासियों के बाद तीसरा सबसे बड़ा समूह बनाता है। भारत और अमेरिका पहले ही ऐसे करीब 18 हजार भारतीय नागरिकों की पहचान कर चुके हैं, जो अमेरिका में बिना कानूनी मान्यता के रह रहे हैं। इस वर्ष फरवरी में पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में 1,200 से ज्यादा 'आप्रवासी फर्मों' पर छापा मारा था। इसके बावजूद लोगों की किसी भी तरह से 'अमरीका' जाने की चाहत बनी हुई है। पंजाब और गुजरात जैसे समृद्ध राज्यों से अवैध आप्रवासन के मामले इतनी प्रमुखता से क्यों आते हैं? इसका जवाब प्रवास को प्रेरित करने वाली सामाजिक-आर्थिक गतिशीलता में निहित है। इन राज्यों से अवैध आप्रवासन के मूल में गरीबी नहीं, बल्कि 'सापेक्ष वंचन' है यानी विदेश, विशेषकर अमेरिका में पहले से ही बस चुके रिश्तेदारों या समुदाय के सदस्यों की सफलता का अनुकरण करने की भावना का होना है। पंजाबी सिख और गुजराती पटेल प्रवासियों ने वहां मोटल और रेस्तरां जैसे समृद्ध जातीय व्यवसाय स्थापित किए हैं, जिससे महत्वाकांक्षी प्रवासियों के लिए एक शक्तिशाली आकर्षण पैदा हुआ है। विदेश में परिवार का होना एक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया है, जो परिवारों को इन जोखिम भरे उपक्रमों में अक्सर प्रति व्यक्ति 25 से 70 लाख रुपये तक के भारी निवेश के लिए प्रोत्साहित करता है। इतनी भारी लागत में गरीब शामिल नहीं हैं, इसी वजह से भारत के गरीब राज्यों से सामान्यतः कम अवैध प्रवास होता है। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब की भगवंत मान सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि डंकी रूट से अमेरिका पलायन रोकने के लिए हर जिले में इमिग्रेशन चेक पोस्ट लगाए और नकली ट्रैवल एजेंसी पर कार्रवाई करे।

पुरबिया पुल निर्माण में लगे मुंशी का अपहरण, जांच व बरामदगी में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर थाना क्षेत्र के दुवारी पंचायत अंतर्गत पुरबिया-खैरा रोड पर नदी पर निर्माणाधीन पुल में कार्यरत मुंशी का अपहरण नकाबपोश अपराधियों द्वारा कर लिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार की आधी रात को जय मां अम्बे इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्माण कार्य में नियुक्त मुंशी धर्मेंद्र गुप्ता को हथियारबंद नकाबपोश अपराधियों ने जबरन उठा लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो बाइक पर सवार होकर पांच नकाबपोश अपराधी निर्माण स्थल पर पहुंचे। उन्होंने हथियार के बल पर मुंशी का अपहरण किया और साथ ही निर्माण साइट पर लगे सीसीटीवी कैमरे, 14 मोबाइल फोन, 2 हेलमेट, 1 बाइक का कागजात समेत अन्य सामान भी साथ ले गए।

घटना की जानकारी मिलने पर रविवार को पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने मजदूरों से पूछताछ की और मुंशी की बरामदगी के लिए छानबीन शुरू कर दी है।

इधर, घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। साथ ही, पुल निर्माण कार्य भी फिलहाल ठप हो गया है।

सड़क कार्य में अनियमित बर्दाश्त नहीं : संदीप

छतरपुर (पलामू)। कचनपुर में रामविलास पासवान के घर से लेकर करूपा तक लगभग 3.32 किलोमीटर कालीकरण सड़क निर्माण कार्य में अनियमित संबंधित ग्रामीणों की शिकायत पर युवा नेता सह पूर्व विधायक प्रत्याशी छतरपुर पाटन संदीप सरकार ने भ्रमण कर जायजा लिए। उन्होंने बताया कि सड़क का निर्माण बिलकुल घटिया तरीके से कराई जा रही है। सड़क की चौड़ाई 24 फीट करनी है, जिसमें 12 फीट कालीकरण व 6-6 फीट दोनों बगल से होनी चाहिए, जबकि नियम का उल्लंघन करते हुए सड़क की चौड़ाई कहीं 10 तो कहीं 9 व 11 फीट अपने तरीके से की जा रही है। मौके पर नन्हक यादव डॉ. अजय कुमार, मलिकचंद राम, नीतीश कुमार यादव, राजेंद्र यादव, डोमन ठाकुर सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे है।

पुलिस ने अवैध खैर की लकड़ी के साथ तस्कर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नवीन मेल संवाददाता

ऊंटारी रोड़। थाना क्षेत्र से प्रतिबंधित खैर की लकड़ी ले जाते ट्रक ड्राइवर और मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस इंस्पेक्टर रामाशीष पासवान और थाना प्रभारी प्रदीप कुमार दुबे ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रविवार को पुलिस अधीक्षक पलामू को गुप्त सुचना प्राप्त हुआ कि ग्राम डेवडर बिन्दुआ जंगल से अवैध खैर की लकड़ी को लेकर उंटारी रोड होते हुए गढ़वा जाने वाली हैं। इस संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विश्रामपुर, पुलिस निरीक्षक पांडु अंचल कैंप रेहला को सूचित करते हुए उनसे प्राप्त निर्देश के बाद गुप्त सूचना के सत्यापन व आवश्यक कार्रवाई कर डेवडर विन्दुआ बांकी नदी के पास चेकिंग लगाया गया। पौने छह बजे सुबह में ट्रक चालक व उस पर बैठे गाड़ी मालिक पुलिस को देख कर गाड़ी छोड़ कर भागने लगा। दोनों को सशस्त्र बल के सहयोग से पकड़ा गया। तलाशी लेने के बाद 12 चक्का वाली उक्त ट्रक पर अवैध खैर का लकड़ी भरा बोटा बरामद हुआ, जिसे जब्त कर लिया गया। संजय कुमार 41 वर्ष पिता स्व. रामराज ग्राम बालीपुर मकराहा जगदीशपुर पोस्ट दोस्तपुर थाना कादीपुर जिला सुलतानपुर उत्तर प्रदेश (चालक), राकेश कुमार तिवारी 42 वर्ष करीब पिता रामबदन तिवारी ग्राम नसीरपुर कैथी पोस्ट तारापुर थाना मालीपुर जिला अंबेदकरनगर, यूपी, को विधिवत गिरफ्तार किया गया। थाना में मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

जीसीपीए इंटर कॉलेज के साइंस टॉपर बनी याशिका

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। अनुमंडल स्थित गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल इंटर कॉलेज के इंटरमीडिएट साइंस की छात्रा याशिका कुमारी ने कॉलेज टॉप कर अपने माता पिता व कॉलेज का मान बढ़ाया। याशिका शुरू से ही मेडेटोरियस स्टूडेंट रही है, 10 वीं तक की पढ़ाई सीबीएससी से पूरी की। उसके बाद इसने 12वीं की पढ़ाई गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल इंटर कॉलेज से की और साइंस स्ट्रिम मे कॉलेज टॉपर रही। याशिका की इस उपलब्धि से महाविद्यालय की प्राचार्या स्वस्ति कुमारी ने भी हर्ष जताया और याशिका को उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रो. राजकिशोर लाल ने याशिका को मुंह मीठा कराया और आगे भी खूब तरक्की करने की शुभकामनाएं प्रेषित किया। साथ ही बताया कि याशिका आगे डॉक्टर बनना चाहती है और समाज और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहती है।

अपराधियों के पुनर्वास को लेकर न्यायिक मानव अधिकार परिषद की पहल

हुसैनाबाद। न्यायिक मानव अधिकार परिषद झारखंड प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार पासवान ने गहरी चिंता व्यक्त की है कि आज के युवा एवं नागरिक छोटी-छोटी गलतियों अथवा तात्कालिक लोभ में फंसकर अपराध के रास्ते पर चल पड़ते हैं, जिससे उनका और उनके परिवार का जीवन अंधकारमय हो जाता है। उन्होंने कहा कि अपराध से किसी को स्थायी समाधान नहीं मिलता, बल्कि यह जीवन को बर्बादी की ओर ले जाता है। इसी भावना से प्रेरित होकर उन्होंने झारखंड के ऐसे सभी लोगों से अपील की है, जो किसी कारणवश अपराध की ओर मुड़े हैं वह अपराध का रास्ता छोड़कर एक सम्मानजनक पारिवारिक जीवन अपनाएं। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि यदि कोई अपराधी आत्मसमर्पण कर एक शपथ-पत्र के माध्यम से न्यायालय में यह वचन देता है कि वह अब अपराध नहीं करेगा, तो वह स्वयं राज्य के मुख्यमंत्री, राज्यपाल तथा पुलिस महानिदेशक से अनुरोध कर ऐसे लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया को न्यायसंगत रूप से आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

युवती के साथ छेड़खानी का मामला, एक समुदाय को गाली गालौज करने पर प्रतिष्ठानें कर दी बंद

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। चौक बाजार हैदरनगर में शनिवार की शाम एक समुदाय के युवक ने युवती के साथ छेड़खानी करने व विरोध करने पर उसके भाईयों की पिटाई किये जाने से दोनों समुदाय के बीच आतंरिक तनाव की स्थिति बनी है। पीड़िता व उसके परिजनों ने इस घटना की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दे दी है। बताया गया कि परिजनों के साथ अनुसूचित जाति की युवती हेमजा गांव से हैदरनगर बाजार कुछ सामान लेने आई थी। सामान लेने के दौरान उक्त युवती के साथ दूसरे समुदाय के युवक पर छेड़खानी करने व विरोध करने उसके भाईयों की पिटाई करने का आरोप लगाया गया है। इस घटना से उत्तेजित हेमजा गांव के कतिपय युवकों का समूह दूसरे दिन रविवार की सुबह बाजार क्षेत्र के तीन चौराहों पर पहुंच कर छेड़खानी के आरोपियों को ढूंढकर जमकर पिटाई कर फरार हो गये। इस पिटाई से आहत कथित आरोपियों व उसके अन्य सहयोगियों ने विशेष समुदाय व व्यवसायियों के दरवाजे तक जाकर गाली गलौज देना पूरे बाजार में लाठी डंडे के साथ शुरू कर दी। जिससे बाजार क्षेत्र के आंशिक आक्रोशित व्यवसायियों ने अपनी प्रतिष्ठानें स्वतः बंद कर दी। इसकी सूचना मिलते ही बाजार क्षेत्र में विशेष पुलिस बल की तैनाती कर गश्ती अभियान तेज कर दी गई है। दलबल के साथ थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने आक्रोशित व्यवसायियों को दोपहर तक काफी समझाने व समुचित कार्रवाई करने के आश्वासन पर इन प्रतिष्ठानों को खुलवाने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त पुलिस को मिली है। दोनों ओर से प्राथमिकी दर्ज दोषी आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई व गिरफ्तारी सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने समस्त व्यवसायियों को कामकाज निर्भिकता के साथ जारी रखने का संदेश देते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा के लिये पुलिस सक्षम व गंभीर है।

फाइलेरिया रोग खोज अभियान : 300 के लक्ष्य के विरूद्ध 215 रात्रि रक्त पट का हुआ संग्रह

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। स्थानीय पंचायत अंतर्गत विभिन्न क्षेत्र से 300 के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 215 रात्रि रक्त पट का संग्रह कर लिया गया है। इस संबंध में जानकरी देते हुए बीपीएम विभूति कुमार गुप्ता ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हुसैनाबाद के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनेश कुमार के मार्गदर्शन में स्थानीय पंचायत मुख्यालय में फाइलेरिया रोग खोज अभियान (माइक्रो फाइलेरिया सर्वे) शुक्रवार की रात से शुरू कर दिया गया है। इस पंचायत मुख्यालय में पहला कैंप मुखिया कमला देवी के शिलापर गांव स्थित आवास पर लगाया गया था। मुखिया सहित 20 साल से अधिक उम्र के 128 (महिला-पुरुष) का रक्त पट संग्रह किया गया है। दूसरा कैंप बिचलाडीह में संगीता देवी स्वास्थ्य सहिया और तीसरा बस्ती चौक पर ललन सिंह के आवास पर लगाया गया था। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया रोग की खोज के लिए अपराह्न 8 से 12 बजे तक रक्त पट संग्रह किया जा रहा है। अब किशुनडीह में मुन्ना मेहता के घर और राजनडीह स्वास्थ्य उपकेंद्र, नीम गाछ नदीपर और दैनिक बाजार में बजरंग बली मंदिर के पास कैंप लगाए जाएंगे। पर्यवेक्षण और रात्रि रक्त पट संग्रह को लेकर गठित टीम में विजय कुमार सिंह, शकील अहमद एलटी, धीरेंद्र कुमार एमटीएस, जयप्रकाश नारायण, विमलेश कुमार सिन्हा, दिलीप उरांव एमपीडब्ल्यू और आनन्द सिंह एंबुलेंस चालक शामिल किए गए हैं। इस जांच के लिए रक्त पट संग्रह को लेकर ग्रामीणों का रूख सकारात्मक है।

झारखंड एकेडमिक काउंसिल के इंटर रिजल्ट पर विशेष ऑनलाइन क्लास में छात्रों का किया मार्गदर्शन

कमजोर हालातों में भी मेहनत से हासिल करें सफलता : एसडीएम

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। पलामू जिले के सतबरवा प्रखंड के राजकीय कृत सर्वोदय प्लस टू स्कूल में झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने इंटर साइंस और कॉमर्स के परिणाम जारी करने के बाद एक खास ऑनलाइन क्लास रखी गई। इस क्लास में जूम ऐप के जरिए लातेहार जिले के महुआडांड़ के एसडीएम विपिन कुमार दुबे और भौतिक विज्ञान के शिक्षक अभिषेक कुमार तिवारी शामिल हुए। एसडीएम विपिन कुमार दुबे ने कहा कि गरीब या मुश्किल पारिवारिक हालात पढ़ाई में बाधा नहीं बन सकते। उन्होंने उन छात्रों को बधाई दी जिन्होंने अच्छे अंक प्राप्त किए। साथ ही जिन छात्रों के नंबर कम आए, उन्हें हिम्मत देते हुए कहा कि अगली बार ज्यादा मेहनत करें और बेहतर करें। उन्होंने बताया कि नंबर देखकर कभी हार मत मानो, नंबर आपकी पूरी क्षमता नहीं दिखाते। शिक्षक अभिषेक कुमार तिवारी ने कहा कि जीवन में सफलता और असफलता बस एक पड़ाव है। उन्होंने छात्रों से पूछा कि वे आगे क्या करना चाहते हैं और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत करने को कहा। उन्होंने समझाया कि अगर मैट्रिक में कम नंबर आए तो इंटर में बेहतर करना है, और अगर इंटर में कम अंक आए तो स्नातक या प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छे अंक लाकर दिखाना है। अभिषेक कुमार तिवारी ने खासतौर पर छात्रा विद्या कुमारी को शुभकामनाएं दी, जो स्कूल में सबसे ज्यादा नंबर पाने वाली छात्रा हैं। विद्या बैंकिंग में करियर बनाना चाहती हैं। दोनों ने सभी छात्रों से कहा कि नंबर कम होने पर कभी निराश मत होइए। जो छात्र थोड़े असफल हो जाते हैं, वे गलत रास्ता न चुनें। पढ़ाई में पूरी लगन से जुट जाएं। इस दौरान विद्यार्थी अनुराग कुमार, शक्ति राज पाठक, अंकित गुप्ता, सिंपल कुमारी, सोनाली यादव और आशिया बानो ने अपने सवाल पूछे, जिनके जवाब अतिथियों ने अच्छे से दिए। कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य प्रफुल्लित लकड़ा, शिक्षक सत्य प्रकाश शर्मा, मुकेश तिवारी, दिलीप प्रसाद, रवि रंजन कुमार, राहुल जायसवाल, सुबोध कुमार, नरेन्द्र राम, मेघा कुमारी और अन्य शिक्षक भी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्म विद्यालय के प्रभारी सतीश दुबे ने किया।

बिजली की आंखमिचौनी से परेशान उपभोक्ताओं ने कनेक्शन छोड़ने की चेतावनी दी

हरिहरगंज। प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों नियमित बिजली नहीं मिलने से शहर व ग्रामवासी परेशान हैं। इस भीषण गर्मी में भी लोगों को नियमित बिजली नहीं मिल रही है। शहरवासी व ग्रामीण जाग कर रात बिताने को विवश हैं। ऐसे में सरकार का 23 घंटे बिजली देने का दावा पूरी तरह फेल साबित हो रहा है। प्रखंड क्षेत्र में कभी-कभी 12 घंटे से अधिक बिजली की आपूर्ति बंद रहती है। बिजली विभाग के अधिकारी से जब इस विषय पर पूछा जाता है तो वह बताते हैं कि काम हो रहा है। जब इसकी शिकायत विभाग से की जाती है तो अधिकारी मेंटेनेंस कार्य होने का हवाला देते हुए पिंड छुड़ा लेते हैं। विभगीय पदाधिकारी व कर्मचारी की लापरवाही से सरकार के दावे फेल हो रहे हैं। यह समस्या जब शहर में है तो ग्रामीण क्षेत्र की बात करना ही बेमानी है। हल्की आंधी-बारिश होते ही बिजली व्यवस्था की पोल खुल जाती है।

जिप सदस्य के नेतृत्व में चला सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। प्रखंड क्षेत्र में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए पांकी मध्य जिला परिषद सदस्य खुशबू कुमारी के नेतृत्व में रविवार की दोपहर प्रखंड के कर्पूरी ठाकुर चौक के समीप घंटो सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान चालकों व अन्य लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों को गुलाब देकर यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित भी किया गया, लोगों को बताया गया कि वाहन से संबंधित सभी कागजात एवं लाइसेंस अपने साथ रखें तथा दो पहिया वाहन चालक हेलमेट लगाकर एवं चार पहिया वाहन के चालक सीट बेल्ट का उपयोग करने के साथ नियंत्रित गति से वाहन चलाएं। साथ ही सड़क दुर्घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित की मदद भी करें। जिला परिषद सदस्य खुशबू कुमारी ने कहा कि पिछले कुछ महीने से प्रखंड क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है, जिसमें कई लोगों की जान चली गई है। यदि सतर्कता बरती जाती तो शायद उनकी जान बच सकती थी। लोगों को जागरूक करने व सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम को लेकर आज उनके द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है, ताकि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति ना हो। मौके पर पांकी थाना के पुलिस कर्मी समेत आइसा जिला अध्यक्ष गुडडू भुइयां, मुकेश यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पांडू कल्याण हाई स्कूल का छात्र तौकीर बना पलामू टॉपर

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। पलामू जिले के पांडू कल्याण उच्च विद्यालय के छात्र तौकीर अंसारी ने आईकॉम की परीक्षा में पलामू टॉप किया है। तौकीर 443 अंक लाकर जिले में पहला स्थान हासिल किया है। उसकी इस सफलता पर घर परिवार के लोग काफी खुश है। उसने जिले में अधिकतम अंक लाकर प्रखंड व जिले का नाम रौशन किया है। तौकीर अंसारी, अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों व माता पिता को दिया है। उसने बताया कि बेहतर करने के लिए उसके माता- पिता हमेशा उसे प्रेरित करते रहते थे। उसके पिता शब्बीर अंसारी, पांडू बाजार में टेलरिंग का काम करते हैं। तौकीर अपने माता पिता का एकलौता संतान हैं। उसने बताया कि वह आगे को पढ़ाई कर सीए बनना चाहता है। तौकीर की बहन शबाना आजमी भी आईएससी की परीक्षा दी थी उसने 65 फीसदी अंक लाई है। घर में आई दोहरे खुशी पर परिवार के सदस्य एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियों का इजहार कर रहे हैं। पांडू हाई स्कूल के हेडमास्टर देवेश पाल ने तौकीर की सफलता पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए उसके बेहतर भविष्य की कामना की है।

शिकारियों के कारण जंगली जानवरों के जान पर आफत

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। उत्तरी वन प्रमंडल अंतर्गत मोहम्मदगंज नामित वन क्षेत्र में हाल के वर्षो में खासकर, कोविड-18 काल में ग्रामीणों की सजगता से उजड़े जंगल हरे-भरे हो गए हैं। बताया जाता है कि कोविड जैसी वैश्विक महामारी की वजह खासकर, आक्सीजन की कमी होना पता चलने के साथ ही ग्रामीणों ने जंगलों में कटाई और दोहन पर पाबंदी भर लगाई है। कोई पौधा नहीं लगाया है। इतने भर से जंगलों में हरियाली लौट आई है। इसके साथ ही हिरण और सूकर सहित अन्य कई प्रकार के जीव-जंतुओं की संख्या बढ़ गई है। बताया जाता है कि कादल गांव के आसपास के वनों में पेड़-पौधों में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि और विकास हुआ है। नतीजतन इस क्षेत्र से पलायित हिरण का झुंड वापिस पहुंच कर आश्रय ले चुका है। इन्हीं हिरणों में से काफी पहले हिरण के मांस के साथ तीन शिकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। शनिवार को जंगलों भटककर मैदानी क्षेत्र में पहुंचे हिरण की कुत्तों के हमले में मौत हो गई है। हालांकि ग्रामीणों ने उसे कुत्तों का निवाला बनने से पहले बचा लिया था। पानी भी पिलाया मगर, उसकी जान बच नहीं पाई। इस घटना की सूचना पर वन रक्षक मिथुन कुमार टीम के साथ पहुंचे और उन्होंने पोस्टमार्टम की औपचारिकता पूरी कर शव को सुरक्षित स्थान पर दफना दिया।

कुत्तों के हमले से हिरण की मौत

हिरण घायल हों तो आंख पर पट्टी बांध दें

उन्होंने इस दौरान इस तरह से घायल होने पर हिरण की आंखों पर पट्टी बांध देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से हिरण को जब कुछ नहीं दिखाई देगा, तो वह डरेगा और घबराएगा नहीं। उन्होंने कहा कि हिरण भागने में सबसे तेज भले ही होता है। मगर काफी कमजोर और संवेदनशील होता है। डर और उत्तेजना में ही उसकी जान को खतरा पहुंचता है। इसलिए आंख पर पट्टी बांध देने से शांत रहता है। जान जाने का खतरा भी कम होता है।

शिकारियों की घेराबंदी व धमाचौकड़ी से जान पर आफत आई

वन विभाग इस बात से भले ही इत्तेफाक न रखता हो,लेकिन ग्रामीणों की मानें, तो पुश्तैनी और पेशेवर शिकारी अब भी हरकतों से बाज नहीं आए हैं। शूकर का शिकार करना आम घटनाक्रम बन गई है। इस दौरान उनकी धमाचौकड़ी, हरकत, हमले और घेराबंदी की वजह से ही हिरण जैसा मासूम जानवर झुंड से बिछुड़ कर मैदानी क्षेत्र में उतर आते हैं। ऐसे ही स्थिति में हाल के महीने में एक और हिरण की कुत्तों के हमले में मौत के बाद सिंचाई विभाग परिसर में दफनाए जाने की बात कही गई है। इससे पहले कादल में ही रेल लाइन किनारे से कीचड़ में फंसे हिरण को बरामद कर इलाज के लिए ले जाया गया था। मगर उसे बचाया नहीं जा सका था। वहीं एक हिरण को रेस्क्यू कर दूसरे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया था। इस प्रकार झुंड और जंगल से बिछुड़े हिरणों के मैदानी क्षेत्र में जान गंवाने के बढ़ते घटना क्रम जांच का विषय बन गए हैं।

इंटर साइंस का पलामू जिला टॉपर ऋषभ बनना चाहता है न्यूरो सर्जन

नवीन मेल संवाददाता

पंडवा। जैक संचालित इंटर साइंस 2025 का परीक्षा परिणाम शनिवार को जारी हो गया। इसमें प्रखंड क्षेत्र के कुंअर बांध स्थित बीएस इंटर कॉलेज का छात्र ऋषभ कुमार मेहता 93.6 प्रतिशत अंक लाकर राज्य में नौवें और जिला में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसे 500 में 468 अंक प्राप्त हुआ है। ऋषभ पंडवा का रहने वाला है, उसके पिता राकेश कुमार मेहता किसान और मां सुनिता देवी गृहणी है। ऋषभ शुरू से ही पढ़ाई में अव्वल रहा है। ऋषभ जैक संचालित माध्यमिक परीक्षा 2023 में भी 96.2% अंक लाकर झारखंड में दसवां स्थान और पलामू जिला में प्रथम स्थान लाया। ऋषभ बताया कि वह न्यूरो सर्जन बन कर असहायों की सेवा करना चाहता है। ऋषभ ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कालेज के निर्देशक निखिल गुप्ता, शिक्षक और अपने माता-पिता को दिया है। बीएस इंटर कॉलेज के पांच छात्रों ने जिन्होंने पलामू जिला के टॉप टेन में अपनी जगह बनाई है। सभी छात्र पंडवा प्रखंड के है। पिछड़े क्षेत्र के बच्चों ने अपनी कठिन परिश्रम के बल पर सफलता अर्जित की है। इसमें ऋषभ कुमार ने 93.6% अंक लाकर में जिले में प्रथम व झारखंड में 9वां स्थान हासिल किया है। प्लस टू उच्च विद्यालय लोहड़ा के शशिकांत मेहता 93% अंक के साथ तीसरा जो इंजीनियर बनकर देश सेवा करना चाहता है। संयुक्त रूप से जिले में पांचवा स्थान प्राप्त करने वाली छेछौरी निवासी नीतू कुमारी 92.4 प्रतिशत अंक लाई है। वह शिक्षक बनना चाहती है। संयुक्त रूप से छठा स्थान प्राप्त करने वाला भुसरा निवासी सहायक अध्यापक कन्हाई मेहता का पुत्र निखिल पटनायक 92% अंक लाया है जो एनडीए में जाना चाहता है। संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहने वाले छेछौरी निवासी सहायक अध्यापक सतीश कुमार मेहता का पुत्र नितिन कुमार ने 91.8% अंक लाया है, जो आगे चलकर अभियंता बन देश के विकास में अपना सहयोग करना चाहता है।

बिशुनपुर गांव के समीप लोहे का बिजली पोल दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है

हुसैनाबाद। प्रखंड के अन्तर्गत दरूआबेनी पंचायत के बिशुनपुर गांव के बाहर नहर किनारे से 11हजार वोल्ट तार की स्थिति जर्जर हैं, वहीं दस फीट पर झुका हुआ बिजली का पोल दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। कभी भी बड़ी घटना घट सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में विभाग को कई बार मौखिक रूप से अवगत कराया गया, लेकिन कोई पहल नहीं की गयी। बिजली बिल बकाया होने पर विभाग द्वारा बिना सूचना के ही उसके ऊपर मुकदमा दर्ज कर दिया जाता है, लेकिन खराब व्यवस्था की स्थिति खराब होने के बाद भी इसकी सुधि लेने विभाग कभी भी नहीं आता है। बताया जाता है कि यह एक साल से लोहे का बिजली पोल झुका हुआ है। लेकिन विद्युत विभाग द्वारा केवल ग्रामीणों को आश्वासन ही दिया जा रहा है। इस मामले में दर्जनों ग्रामीणों द्वारा सहायक विद्युत अभियंता को इस समस्या का समाधान कराने का आग्रह किया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के अलावा दर्जनों गांवों के लोगों का उक्त रास्ते से आना जाना है।

न्यूज | बॉक्स

संड़ेया में जल सहिया महिलाओं को दिलाई चुप्पी तोड़ो- स्वस्थ रहो का शपथ

हैदरनगर। चुप्पी तोड़ो अभियान के अंतर्गत हैदरनगर प्रखंड के संड़ेया पंचायत में महिला और किशोरियों के बीच रविवार को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता कार्यक्रम चलाया गया। प्रखंड वॉश समन्वयक हरसु कुमार दयानिधि ने बताया कि इस अभियान में संबधित पंचायत की जल सहिया की सक्रियता से माहवारी स्वच्छता व महिला समाज में व्याप्त कुरितियों को दूर भगाने का काम जारी है। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को रेड डॉट्स (लाल बिंदू) प्रतीकात्मक चिन्ह के माध्यम माहवारी स्वच्छता रखने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। जिसमें सक्रिय महिलाओं को शपथ के बाद भी महिला समाज में व्यापक प्रसार फैलाने की जरुरत है। उपस्थित महिलाओं ने कहा कि विभागीय स्तर पर उन्हें सक्रिय करने में प्रखंड वॉश समन्वयक का योगदान बहुमूल्य है। जल सहिया सीमा विश्वकर्मा ने कही कि इस अभियान में संबधित पंचायत के मुखिया अन्य पंचायत प्रतिनिधियों को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की जरुरत है। इससे इस अभियान को मुकाम तक ले जाना आसान होगा। जिसमें पंचायत के सभी कर्मियों, सामुदायिक कार्यकर्ताओं, जल सहिया, आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका पंचायत प्रतिनिधि और समाज सेवियों को भागीदारी सुनिश्चित की जाये। मौके पर बिंदिया हेमंत, माया देवता, अंजू, दुर्गा, इंदू, मालती, सूर्यमणि, सरस्वती, मीरा, बिमला, बेली सहित ई अन्य महिला शामिल हैं।

पंचायतों में पहुंचा चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो अभियान

मोहम्मदगंज। प्रखंड मुख्यालय में माहवारी स्वच्छता अभियान को लेकर शपथ ग्रहण करने के बाद अब गांवों में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम शुरू कर दिया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए ब्लॉक वाश कॉर्डिनेटर प्रेमतोष पांडेय ने बताया कि बीडीओ रणवीर कुमार के इसे लेकर जारी पत्र के अनुसार शनिवार को पूर्वाह्न 10.30 बजे मोहम्मदगंज और अपराह्न एक बजे से कादलकुर्मी पंचायत मुख्यालय में ग्राम सभा आयोजित कर जागरूकता अभियान चलाया गया। तरह 2 जून को पंसा और रामबांध 3 को कोल्हुआ-सोनबरसा, भजनियां जबकि 4 जून को लटपौरी व गोड़ाडीह पंचायत मुख्यालय में इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाने को लेकर तय कार्यक्रम के अनुसार मुखिया ग्राम स्तर पर जागरूकता बढाने का काम करेंगे। इसके तहत सभी महिलाओं और किशोरियों को आवश्यक सेवा सुविधा व स्वच्छता व्यवहार से जोड़ने का काम करेंगे। सार्वजनिक स्थल के अलावा जहां विद्यालय में 11 साल से उपर की किशोरी पढतीं हो और पंचायत सचिवालय पर भष्मक स्थापित करना सुनिश्चित करेंगे। मुखिया के साथ ही सभी जलसहिया, स्वयं सहायता समूह की सखी दीदी, आंगनबाड़ी सेविका, एएनएम और स्वास्थ्य सहिया की भी सहभागिता सुनिश्चित कर दी गई है। रामबांध पंचायत के मुखिया अबूनसर सिद्दीकी ने इस अभियान को गंभीरता से लिया है। इसे सफल बनाने को लेकर उन्होंने पंचायत के सभी जनप्रतिनिधि विशेष कर महिला जन प्रतिनिधि और ग्रामीण, आंगनबाड़ी सेविका,जल सहिया, स्वास्थ्य सहिया, जन वितरण प्रणाली के सभी डीलर को प्रखंड विकास पदाधिकारी के आदेशानुसार सोमवार को 1 बजे स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस बार के अभियान का थीम स्वस्थ समतापूर्ण सुरक्षित माहवारी को प्रोत्साहित करते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर अनुकूल वातावरण का निर्माण करना है।

मनातू में मैट्रिक परीक्षा 2025 के टॉपर छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

मनातू। 01 जून 2025 को मनातू थाना परिसर में आयोजित समारोह में प्रखंड के तीन प्रमुख विद्यालयों के मैट्रिक परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों के साथ सम्मानित किया गया। 10+2 उच्च विद्यालय चक, कस्तूरबा गांधी बालिका उच्च विद्यालय, मनातू और कार्तिक उरांव उच्च विद्यालय के टॉपर छात्रों को उपहार व प्रतीक चिन्ह देकर प्रोत्साहित किया गया। सम्मानित छात्रों में अमित कुमार (92%), संजना कुमारी (91%), चांदनी कुमारी (90.6%), रोहन कुमार यादव (86%), प्रेमानंद ठाकुर (85.6%), खुशबू कुमारी (83.4%), चंचला कुमारी (78.2%) और रानी कुमारी (76.5%) शामिल हैं। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, पुलिस अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सभी ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और अभिभावकों को बधाई दी। इस आयोजन का उद्देश्य शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सकारात्मक माहौल को बढ़ावा देना था।

लंगरकोट गांव में शिव चर्चा का आयोजन

सुखी जीवन के लिए भगवान शिव को गुरु बना व उनका अराधना करें : कलावती

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड क्षेत्र के लंगरकोट गांव में कलावती कुंवर के आवास परिसर में रविवार को देवों के देव महादेव विश्व जगत गुरु के सानिध्य में रहने वाले शिवभक्तों द्वारा शिव चर्चा का आयोजन किया गया। इस अलौकिक,अध्यात्मिक दर्शन ज्ञान की बहती गंगा में गांव के समस्त शिव गुरु भक्त व गण्यमान सहित काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित होकर शिव गुरु के तस्वीर के समक्ष मोक्ष प्राप्ति के लिए पहले दया याचिका किया गया। कार्यक्रम के दौरान भजन- कीर्तन प्रस्तुत किया गया। मौके पर कलावती कुंवर ने कहा कि सुखी जीवन के लिए शिव को गुरु बनाएं,और घर परिवार में शांति सुख और समृद्धि प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि शिव गुरु की चर्चा का महत्व शास्त्र व वेदों में यह वर्णित है कि भगवान शिव की उपासना करने से साधकों के सभी दुःख व पीड़ाएं दूर हो जाती है। जिन साधकों पर भगवान शिव की कृपा बनी रहती है, उन्हें जीवन में नकारात्मक विचार कभी नहीं आते है। साथ ही साधक को ज्ञान की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव आज भी आदी गुरु शक्ति है। मौके पर कलावती कुंवर, सुनिता देवी, सविता देवी, शुशीला देवी, अनिता कुमारी, अंजलि कुमारी, विमली देवी, मोहरमनिया देवी, प्रमिला देवी, उमीर्ला देवी, मालती कुंवर, सरस्वती देवी,कविता देवी, देवती देवी, अरुना कुंवर , जसमतिया देवी, याचना देवी, शिला देवी, आरती देवी, कौशल्या देवी, मनोरमा देवी, शकुंतला देवी, पार्वती देवी, सुनैना देवी, लखवा कुंवर, वसुंधरा देवी, सुरज कुमार, अंगद कुमार, रामप्रवेश पासवान, विक्रमा पासवान सहित अन्य शिव गुरु भक्त मौजूद थे।

प्रखंड नीलांबर-पीतांबरपुर में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का भव्य आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पांकी विधानसभा क्षेत्र के प्रखंड नीलांबर-पीतांबरपुर के ग्राम हरसंघरा व चनैगिर में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का विराट आयोजन संपन्न हुआ। यज्ञ समिति के सदस्यों और ग्रामवासियों ने श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत किया।

यह धार्मिक अनुष्ठान सनातन परंपरा की गौरवशाली झलक के साथ-साथ क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द, आस्था और समृद्धि का प्रतीक भी है। इस अवसर पर हरसंघरा, चनैगिर, किरतो, गेठा, बांसदोहर, पिपरा, पहाड़ी सहित आसपास के ग्रामों से भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

यज्ञ समिति अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, संयोजक मयंक कुमार मेहता, उप सचिव नीलम मेहता, जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, प्रोफेसर बच्चन ठाकुर, पूर्व मुखिया पुष्पा देवी, वीरेंद्र पासवान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। समारोह में सभी ने क्षेत्र की खुशहाली, शांति और समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। यज्ञ आयोजन ने सामाजिक सौहार्द और आस्था को और मजबूत करने का कार्य किया।

पाटन थाना क्षेत्र में चोरी हुई पिकअप बरामद, तीन वाहन चोर गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पाटन थाना क्षेत्र के केल्हार गांव से चोरी हुई बोलेरो पिकअप वाहन को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बरामद कर लिया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

जानकारी के अनुसार, 26 मई 2025 की रात्रि में राजेन्द्र कुमार सिंह, निवासी केल्हार, पाटन की पिकअप (रजिस्ट्रेशन नंबर JH03Q-9974) अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर के समीप से चोरी कर ली गई थी। शिकायत के आधार पर 29 मई को पाटन थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच पुलिस अधीनस्थ अधिकारी मिथुन कुमार रवि को सौंपी गई।

जांच के दौरान पता चला कि चोरी की रात तीन व्यक्ति दो वाहनों से एक कार एवं एक पिकअप से पड़वा पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने आए थे। पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज और फोन-पे भुगतान रिकॉर्ड के आधार पर पुलिस ने आरोपितों की पहचान कर छापेमारी की।

पुलिस ने मुकेश प्रसाद उर्फ मुकेश जसवाल (पंचशील नगर, रांची), रंजीत प्रसाद (छतरपुर, पलामू) एवं विजय मुंडा (रामदगा, रांची) को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी में प्रयुक्त बोलेरो पिकअप और एक लाल रंग की केयूवी कार बरामद हुई। दोनों वाहनों की संख्या-पट्टियाँ फर्जी पाई गईं।

इसके साथ ही एक बैंगनी रंग का सैमसंग स्मार्टफोन भी जब्त किया गया। चोरी की पिकअप जिला सिमडेगा के कोलेबिरा से बरामद की गई है।

पुलिस ने आरोपितों को न्यायालय में प्रस्तुत कर हिरासत में भेज दिया है। इस कार्रवाई के लिए पाटन पुलिस की सराहना की जा रही है, जिससे वाहन चोरी का यह मामला जल्द ही सुलझ गया।

लीलावती अस्पताल में परिंदों के लिए भी पानी की व्यवस्था

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भीषण गर्मी में जहां इंसानों के लिए पानी की व्यवस्था एक चुनौती बनती जा रही है, वहीं लीलावती अस्पताल ने इंसानों के साथ-साथ परिंदों के लिए भी पानी की व्यवस्था कर एक मिसाल पेश की है। इस सराहनीय पहल की शुरुआत अस्पताल के प्रोपराइटर डॉ. राजीव कुमार ने की।

शनिवार को अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पनशाला का उद्घाटन संत मरियम स्कूल के चेयरमैन व झामुमो युवा नेता अविनाश देव ने किया। उन्होंने फीता काटकर सेवा कार्य की शुरुआत की और पारंपरिक रूप से गुड़ व चना खाकर शुभारंभ किया।

अविनाश देव ने कहा कि डॉ. राजीव कुमार ने पेड़ों पर परिंदों के लिए पानी के बर्तन लगवाकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह पहल अन्य लोगों को भी प्रेरित करेगी। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे माटी कला कार्यालय से निःशुल्क घड़ा प्राप्त कर राहगीरों व पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें।

कार्यक्रम में अस्पताल के सभी स्टाफ, समिति के सदस्य और आसपास के लोग उपस्थित थे। अंत में, डॉ. राजीव कुमार ने सभी का आभार जताया।

12वीं बोर्ड परीक्षा में द एकेडमी गुरु के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। कोचिंग संस्थान 'द एकेडमी गुरु' के विद्यार्थियों ने जैक की 12वीं बोर्ड परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। संस्थान के संचालक डॉ. एस.पी. दुबे ने बताया कि सत्र 2024-25 में लगभग 1000 विद्यार्थियों ने अध्ययन किया, जिनमें से 85 छात्रों ने 80% से अधिक, 400 ने 70% से अधिक और अधिकांश छात्रों ने 60% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

संस्थान के तीन केंद्र — पांकी रोड, बारालोटा और अबादगंज में संचालित हैं, जहाँ अनुभवी शिक्षकों की टीम छात्रों को मार्गदर्शन देती है। मुख्य शिक्षकों में डॉ. एस.पी. दुबे (रसायन शास्त्र), धीरज कुमार उपाध्याय (गणित), संजीव तिवारी (भौतिकी), देवल सरकार (अंग्रेज़ी), नागेंद्र कुमार व सिद्धार्थ गौतम (जीवविज्ञान) शामिल हैं।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रमुख छात्रों में रोहित कुमार (90%), दिवाकर कुमार चौधरी (88%), सुरेंद्र यादव (87%), पंकज यादव, राहुल कुमार, प्रशांत कुमार (86%), काजल कुमारी, रंजन चौधरी, राजू कुमार (85%) समेत कई अन्य छात्रों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

डॉ. दुबे ने बताया कि संस्थान में आधुनिक व वैज्ञानिक पद्धति से शिक्षा दी जाती है, जिससे हर छात्र बेहतर प्रदर्शन करता है। शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शाहपुर पुल पर मोटरसाइकिल दुर्घटना, एक किशोर की मौत, दूसरा घायल

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत शाहपुर पुल पर शनिवार की रात मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक किशोर की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा रात करीब 9 बजे उस समय हुआ जब दो किशोर मोटरसाइकिल से शाहपुर स्थित अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में मोटरसाइकिल असंतुलित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गई, जिससे दोनों सवार लक्की कुमार (15 वर्ष) और अशरफ अंसारी (14 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने ट्रैफिक प्रभारी को दी, जिसके बाद दोनों घायलों को मेदिनीनगर एमएमसीएच भेजा गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने लक्की कुमार को मृत घोषित कर दिया, जबकि अशरफ अंसारी का इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, दोनों किशोर नाबालिग थे और मोटरसाइकिल चला रहे युवक ने हेलमेट नहीं पहना था। इधर, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

काशीसोत डैम प्रभावितों ने वित्त मंत्री से मिलकर हक-हक़ूक़त दिलाने की लगाई मांग

- **भूमि रैयतों ने डैम के बिचौलियों द्वारा हक छिनने का आरोप लगाकर सीबीआई जांच की मांग की, मंत्री ने राहत देने का दिया भरोसा**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। काशीसोत डैम मोहम्मदगंज के सैकड़ों भूमि रैयत महिला-पुरुष माननीय वित्त, संसदीय कार्य और योजना मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर के नई मुहल्ला स्थित आवास पर पहुंचकर अपने हक और अधिकार दिलाने की गुहार लगाई।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय संयोजक सतीश कुमार ने कहा कि जिला मत्स्य पदाधिकारी असरद ने पूरी साजिश के तहत गरीबों की जमीन पर बने काशीसोत डैम को तमाम नियम-कानून की अवहेलना करते हुए बिचौलियों और माफियाओं से मिलकर प्रभावित जनता को हक न देकर बाहरी लोगों को बंदोबस्त कर दिया है। उन्होंने इस काले कारनामे को उजागर करने और अवैध कमाई की जांच सीबीआई से कराने की मांग राज्य सरकार से की। इस दौरान मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने प्रभावितों की बातें ध्यान से सुनीं और उनके हक-हक़ूक़त दिलाने का आश्वासन दिया।

मंत्री से मिलने वाले ग्रामीणों में भगमनिया, कुवर मालती देवी, ललिता कुवर, पार्वती देवी, संगीता देवी, लखनदेव रजवार, तपसी पाल, चंद्रमा चौहान, बैजनाथ साव, समसाद अहमद, अब्दुल हसन, शैफ आलम, स्किल खान, सुनिल रजवार, जमिल अख्तर, सहिया खातुन, सलाहों बीबी, जरिना खातुन, वजीदा खातुन, अब्दुल हसन, अरविंद पाल, लालदीप राम, एजाज खान समेत सैकड़ों लोग शामिल थे। उन्होंने मंत्री से न्याय और जल्दी समाधान की उम्मीद जताई ताकि उनकी जमीन और हक-हक़ूक़त सुरक्षित हो सके। यह बैठक प्रभावितों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिसमें वे अपने हक की लड़ाई में राजनीतिक समर्थन प्राप्त कर सकेंगे।

समृद्धि की रोटी जरूरतमंदों तक पहुंचाने का मिशन समृद्धि का अभूतपूर्व अभियान

- **निष्ठा और सेवा भाव से होता है भोजन का वितरण**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मिशन समृद्धि संस्था द्वारा संचालित "समृद्धि की रोटी" अभियान लगातार अपनी सेवा के जज़्बे के चलते कभी थमता नहीं। यह अभियान न केवल भोजन इकट्ठा करने का काम करता है, बल्कि इसे जरूरतमंदों तक पहुंचाने में भी पूरी निष्ठा और समर्पण दिखाता है। इस कार्य में "नर में होता नारायण का वास" जैसा भाव स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है।

अम्बेडकर पार्क के सामने, जहाँ दाना-पानी, पत्तल और दातून बेचने वाले लोग नियमित रूप से आते हैं, वहाँ रोटी और सब्जी का वितरण किया गया। इसके साथ ही आसपास के विकलांग और वृद्धजनों के बीच भी भोजन पहुँचाया गया। पिछले नौ वर्षों से निरंतर जारी इस सेवा कार्य को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह ईश्वर के प्रति सच्ची भक्ति का रूप है। मिशन समृद्धि की टीम इस कठिन कार्य को पूरी मेहनत और लगन के साथ संचालित करती है। भोजन वितरण की प्रक्रिया को वे सरल और सुचारु बनाते हैं, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक सहायता पहुंच सके। इस अभियान में बैजन्ती गुप्ता, वीणा राज, आशा शर्मा, शिल्पी गोस्वामी, रंजीता, ममता और अन्य सदस्यों का योगदान अविस्मरणीय है।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष ने हृदयानंद मिश्र को किया सम्मानित

- **मेरे सुझावों को कांग्रेस नेतृत्व ने अमल में लाने का दिया भरोसा: हृदयानंद मिश्र**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप बलमुचू ने आज सुबह हृदयानंद मिश्र के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस अवसर पर कांग्रेस की मजबूती और संगठन को लेकर गहन चर्चा हुई।

हृदयानंद मिश्र ने बताया कि सामाजिक समरसता और समानता के प्रतीक केशव महतो कमलेश तथा सहजता, शालीनता और सौम्यता के प्रतीक डॉ. प्रदीप बलमुचू ने उनके द्वारा दिए गए सुझावों को सभी के सामने अमली जामा पहनाने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर हृदयानंद मिश्र ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप बलमुचू, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद एवं प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता शांतनु मिश्र को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

मुलाकात में झारखंड सरकार अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य डॉ. एम. तौशीफ, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव रामाशीष पांडे, लक्ष्मी तिवारी, पलामू जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिट्टू पाठक, शैलेश चंद्रवंशी, गिरिजा राम सहित कई अन्य नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

हृदयानंद मिश्र ने कहा कि यह सम्मान और बातचीत उनके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है और वे कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने में अपनी पूरी मेहनत लगाएंगे।

इग्नू में अभिप्रेरणा बैठक का आयोजन

विद्यार्थियों को नामांकन, असाइनमेंट और परीक्षा प्रक्रिया की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गणेश लाल अग्रवाला महाविद्यालय के वर्चुअल क्लासरूम में रविवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की अभिप्रेरणा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता इग्नू अध्ययन केंद्र, जीएलए कॉलेज के समन्वयक डॉ. आरके झा ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन सहायक समन्वयक डॉ. राजेंद्र सिंह ने किया।

बैठक में मुख्य रूप से इग्नू के विद्यार्थियों को नामांकन, असाइनमेंट, प्रोजेक्ट पुनः पंजीकरण और परीक्षा फार्म भरने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को सही प्रक्रिया अपनाने और समय से अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया गया। इग्नू के वरिष्ठ काउंसलर डॉ. अरुण कुमार तिवारी ने भी इस अभिप्रेरणा बैठक को संबोधित किया और विद्यार्थियों को उनकी पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने तथा किसी भी समस्या पर समन्वय केंद्र से मदद लेने का सुझाव दिया।

इस कार्यक्रम में गणेश लाल अग्रवाला महाविद्यालय के कई शिक्षक जैसे डॉ. नरेश कुमार, डॉ. संजीव मिश्रा, डॉ. बासुदेव प्रसाद यादव, डॉ. नेहा कुमारी, डॉ. अनुभा बारला के साथ-साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके शैक्षिक कार्यों के प्रति जागरूक करना और पढ़ाई के प्रति उनका मनोबल बढ़ाना था। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अपने सवाल पूछे, जिनका समुचित जवाब देकर उनकी शंकाएं दूर की गईं।

सड़क के ऊपर झूल रहा नंगा तार, हादसे की आशंका

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या सात अंतर्गत कृष्णापुरी रोड नंबर एक में बिजली का नंगा तार सड़क के ऊपर झूल रहा है, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्षों पूर्व इस मोहल्ले के अधिकांश इलाकों में पुराने नंगे तारों को हटाकर कवर तार बिछाए गए थे, लेकिन इस गली में अब तक नंगा तार ही लटका हुआ है। यह तार सड़क पर इतनी नीचे लटकता है कि कोई भी व्यक्ति हाथ से इसे आसानी से छू सकता है। मुहल्ले वासियों के अनुसार यह स्थिति दशकों से बनी हुई है। कई बार शिकायत करने के बावजूद तार को बदला नहीं गया है। तार के दोनों ओर घर पास में होने के कारण यह और भी खतरनाक हो गया है। स्थानीय लोगों ने अस्थायी उपाय के तौर पर तार को बगल के घर से रस्सी के सहारे बांध दिया है, ताकि कोई हादसा न हो। हालांकि बरसात के मौसम में इससे गंभीर दुर्घटना की आशंका और बढ़ गई है। बताया गया है कि इस नंगे तार के ऊपर से 11,000 वोल्ट का करंट प्रवाहित होता है, जो कभी भी जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। इस संबंध में डाल्टनगंज अनुमंडल के अधीक्षण अभियंता संतोष कुमार ने बताया कि पूरे शहर में ऐसे खतरनाक स्थानों की पहचान की जा रही है। संबंधित शिकायत प्राप्त हुई है और इस पर शीघ्र कार्रवाई करते हुए तार को बदला जाएगा।

वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की तीसरी वर्षगांठ पर भोजन वितरण

- **2 जून को स्टेशन परिसर में 101 पैकेट भोजन जरूरतमंदों को दिया जाएगा**

मेदिनीनगर। वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट अपनी तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर 2 जून को एक खास आयोजन कर रहा है। इस मौके पर स्टेशन परिसर के पार्किंग एरिया में जरूरतमंदों के बीच 101 पैकेट भोजन का वितरण किया जाएगा। यह आयोजन ट्रस्ट की सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भाव को दर्शाता है। वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने पिछले वर्षों में भी समाज के कमजोर वर्गों की मदद के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इस वर्षगांठ पर भोजन वितरण के माध्यम से जरूरतमंदों को राहत देने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्यों के साथ स्थानीय लोग भी हिस्सा लेकर इसे सफल बनाने में योगदान देंगे।

संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर कसा शिकंजा

- **प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- संविधान आत्मा है, छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं; वित्त मंत्री ने उठाए हरिजन-आदिवासी विकास के मुद्दे**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रविवार को टाउन हॉल सभागार में पलामू जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से आयोजित जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली में भारी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने की, जबकि संचालन उपाध्यक्ष विनोद तिवारी ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. आंबेडकर पार्क स्थित प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई, जिसके बाद पैदल मार्च कर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी माला चढ़ाई गई। मंचासीन अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर रैली का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान भारत की आत्मा है और इसमें किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वह केवल हिंदू-मुस्लिम जैसे मुद्दों पर ध्यान देकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने में लगी है। जरूरत पड़ने पर संसद से लेकर सड़कों तक आंदोलन किया जाएगा। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि देश केवल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से ही चल सकता है, न कि गोडसे जैसे लोगों के आदर्शों से। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह संविधान में कटौती कर हरिजन, आदिवासी और पिछड़ों के शिक्षा व विकास के अधिकारों को खत्म कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस सरकार ने पेंशन कटौती नहीं की है, बल्कि केंद्र सरकार द्वारा पेंशन न दिए जाने से वृद्धों को समस्या का सामना करना पड़ा है।

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि राजनीति में सुचिता बेहद जरूरी है। उन्होंने भाजपा पर हरिजन और आदिवासियों के विकास को रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि 'हिंदूवाद' केवल वोट पाने के लिए एक नारा है, असली सत्ता का फायदा कुछ बड़े उद्योगपति उठा रहे हैं। पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप बालमुचू ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी लगातार संविधान बचाने के लिए जागरूकता अभियान चला रहे हैं और झारखंड में भी इसी दिशा में रैलियां आयोजित की जा रही हैं। पलामू प्रभारी विनय सिंह उर्फ दीपू ने मोदी सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की और कहा कि उनका संगठन हमेशा संविधान और सरकारी संस्थाओं के संरक्षण के लिए संघर्ष करता रहेगा। जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक ने कहा कि देश का संविधान खतरे में है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे लागू करने के नाम पर समाज के विभिन्न वर्गों के अधिकारों का हनन कर रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा के 400 सीटों के नारे की हवा निकल गई है।

कार्यक्रम में सोमेश्वर प्रसाद, विजय चौबे, रामाशीष पांडे, विमला कुमारी, पूर्णिमा पांडे, चंद्रशेखर शुक्ला, लक्ष्मी तिवारी, ईश्वरी सिंह, शमीम अहमद रायन सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्याम नारायण सिंह ने किया।

जोड़ पंचायत के खनवा में वन नेशन वन इलेक्शन पर संगोष्ठी, भाजपा नेताओं ने बताई आवश्यकता

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जोड़ पंचायत अंतर्गत खनवा गांव में शनिवार को 'वन नेशन वन इलेक्शन' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत की मुखिया प्रभा देवी ने की।

मुख्य अतिथि पलामू भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि देश में एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू करना अब समय की मांग है। इससे न केवल संसाधनों की बचत होगी, बल्कि खर्च में भी कमी आएगी, जिससे विकास व जनकल्याण कार्यों पर अधिक ध्यान दिया जा सकेगा।

पूर्व उपमहापौर मंगल सिंह ने कहा कि दुनिया के कई देशों में एक साथ चुनाव होते हैं, भारत में भी यह व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष विजय कुमार कुशवाहा ने कहा कि विकसित भारत की दिशा में वन नेशन वन इलेक्शन एक अहम कदम हो सकता है। जिला प्रभारी रवि प्रकाश दुबे, प्रदेश समन्वयक जितेंद्र तिवारी व अन्य वक्ताओं ने भी इस व्यवस्था को समय और संसाधनों की बचत के लिए जरूरी बताया। कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र कुमार तिवारी ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भागीदारी रही। प्रमुख रूप से नरेंद्र कुमार मेहता, अभय कुमार सिंह, बिंदेश्वर मेहता, सूरज देव पांडे, रविंद्र चंद्रवंशी, चंद यादव, रीना देवी, उमा देवी, रेणु देवी, सरस्वती देवी, कुलवंती देवी, चंद्रदीप महतो, विजय मेहता, अनिल मेहता, दशरथ महतो, अजय कुमार सिंह, संतोष महतो समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

घर में आग लगने से 30 हजार की संपत्ति जलकर खाक

कांडी। थाना क्षेत्र के पतीला पंचायत अंतर्गत मरहटिया गांव निवासी सलमान मियां के घर में लगे बिजली के मीटर में शॉर्ट शर्किट के वजह से घर में आग लग जाने से घर का सारा सामन जलकर खाक हो गया। इस अग लगी की घटना में सलमान मियां की पत्नी भी झुलस गई है। साथ ही घर में रखा गेहूं,चना, सरसों, घर का बिस्तर व सारा सामन जलकर खाक हो गया। इस अगलगी की घटना में 30 हजार की संपत्ति जलकर खाक होने की अनुमान है। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य रामलाला दुबे ने पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

नवीन मेल संवाददाता

कांडी। थाना क्षेत्र के सोनपुरा गांव निवासी राम गहन पासवान का 35 वर्षीय पुत्र संजय पासवान की मौत एक सड़क दुर्घटना में हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त युवक अपने गांव के पास सड़क के किनारे खड़ा था। उस दौरान एक मोटरसाइकिल सवार, जिस पर तीन लोग सवार थे। अचानक धक्का लगने से संजय पासवान गंभीर रूप से घायल हो गया। दो मोटरसाइकिल सवार भागने में सफल रहे। एक सवार घायल युवक के साथ सदर अस्पताल गढ़वा गया। वहां पर इलाज के क्रम में घायल संजय की मौत हो गयी। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को घर सोनपुरा लाया गया। वहां पर अंतिम संस्कार सोन नदी के तट पर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर क्षेत्रीय विधायक नरेश प्रसाद सिंह व प्रखण्ड प्रमुख नारायण यादव ने मृतक के घर पहुंच कर परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दिया। विधायक ने कहा कि परिजनों को हर सम्भव मदद की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में तीन घायल

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र में दो अलग अलग हुए दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में चमेली देवी पति विनोद पासवान, सोनू पासवान पिता शिवकुमार पासवान सिहपुर निवासी, फतूना बीबी बरवाडीह निवासी का नाम शामिल हैं। पहली दुर्घटना भगवान घाटी के पास घाटी जिसमे चमेली देवी और सोनू पासवान सिहपुर से भवनाथपुर आ रहे थे कि भगवान घाटी के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार गाड़ी को देख कर अनियंत्रित हो कर गिर गया। जिससे दोनों घायल हो गए। घायलों को राहगीरों द्वारा भवनाथपुर सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। दूसरी दुर्घटना में फातिमा बीवी मुस्कैनी पहाड़ के समीप रोड पार कर रही थी। इस दौरान भवनाथपुर से केतार के तरफ जा रहा बाइक धक्का मार दिया, जिस से वह घायल हो गई। घयला अवस्था में बाइक चालक ने भवनाथपुर सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तीनो घायल को डॉक्टर सुबक सिंह द्वारा इलाज किया गया। फातिमा बीबी का स्थिति को गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया।

मारपीट के दो आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। गढ़वा जिले के मझिआंव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोदरा में सुदामा पासवान के लिखित आवेदन पर मारपीट के आरोप की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ का मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की पहचान सोनू पासवान व सुनील पासवान के रूप में हुई है, जो मुनेश्वर पासवान के पुत्र हैं। पीड़िता सुदामा पासवान के आवेदन पर मझिआंव थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की जांच कर रहे पुलिस पदाधिकारी नसीम अंसारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की गई ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनी रहे और पीड़ित को न्याय मिल सके। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

मृतक के परिजनों से मिले क्षेत्रीय विधायक

नवीन मेल संवाददाता

रमना। सिलीदाग पंचायत के मंगरा मौजा टोला बिवाटीकर निवासी अजय उरांव की 25 वर्षीय पत्नी को फनिकवा सांप के काटने से मौत की सूचना पाकर क्षेत्रीय विधायक अनंत प्रताप देव ने शोकाकुल परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया व आर्थिक सहयोग किया। जेठ में हो रही वर्षा से उमस भरी गर्मी से जहरीले जीव जंन्तु अपने बिल से बाहर निकलते हैं व शीतल जगह ढूंढ़ते हैं। संभवतः इसी कारण उक्त सांप घर में घुस गया और किसी की नजर नहीं पड़ी और यह हादसा हो गया। मौके पर विधायक ने सिविल सर्जन को फोन कर सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो में एंटीवेनम सुनिचित करने व साथ ही पीड़ित परिवार को जल्द मुवाअजा दिलाने का सक्षम पदाधिकारी को निर्देश दिया। उन्होंने लोगो से अपील की की यदि कोई भी इस प्रकार का घटना घट जाये तो तत्काल चिकित्सक के पास जाए। झाड फूंक में समय न दें। मौके पर थाना प्रभारी आकाश कुमार, मुखिया अनीता देवी,जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर मेहता, लाला सिंह, मुन्ना पासवान, रामचंद्र राम,अनुज कुमार, इत्यादि मौजूद थे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 86 मरीजों का किया गया इलाज

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। स्वास्थ्य शिविर में सुबह से ही लोगों की भीड़ देखी गई। मरीजों ने पंजीकरण कराने के बाद डॉक्टरों से निःशुल्क परामर्श लिया और उन्हें आवश्यकतानुसार दवाएं भी दी गईं। शिविर में आए कई मरीजों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से उन्हें समय पर इलाज मिल जाता है और आर्थिक बोझ भी नहीं बढ़ता। लायंस क्लब ऑफ गढ़वा ऑसम के सदस्यों ने बताया कि उनका उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। हर माह की पहली तारीख को यह शिविर नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है और

भविष्य में इसे और व्यापक रूप देने की योजना है। क्लब के अध्यक्ष डॉ असजद अंसारी ने कहा कि जरूरतमंदों के लिए यह सेवा एक सामाजिक जिम्मेदारी है जिसे वे पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं।डॉक्टरों की अनुभवी टीम और क्लब सदस्यों की सेवा भावना ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। यह शिविर न केवल बीमारों के लिए राहत का माध्यम बना, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी प्रबल करता है। इस शिविर में कुल 86 मरीजों का इलाज किया गया। इस शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ महजबीं, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ शमशेर सिंह, जनरल फिजिशियन सह क्लब के अध्यक्ष डॉ असजद अंसारी के द्वारा मरीजों का इलाज किया गया। इस मौके पर क्लब के सचिव उपेंद्र ठाकुर, सह सचिव देवेंद्र गुप्ता जीएनएम सेजल केशरी,यूसुफ अंसारी, राहुल मुण्डवाल और कई लोगों ने शिविर में हिस्सा लिया।

भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी का 13वां सम्मेलन संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

रमना। भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी रमना अंचल कमेटी का 13 वां सम्मेलन सुनील मुखर्जी नगर कोरगा में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उदघाटन जिला सचिव रामेश्वर प्रसाद अकेला ने पार्टी का ध्वज फहराकर किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कि जनविरोधी नीतियों के कारण देश में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है,सच बोलने की आजादी पर संकट बढ़ता जा रहा है। समस्या उठाने वालो को देश द्रोही घोषित किया जा रहा है। किसानों के उपज का उचित दाम और मजदूरों को उनका हक नही मिल पा रहा है। साथ ही उन्होंने त्रुटिपूर्ण हाल सर्वे खतियान को रद्द करते हुए रजिस्टर टू से लगान वसूली की मांग राज्य सरकार से की है। उन्होंने कहा कि मालिक गैरमजरुआ भूमि को बकास्त बनाकर गरीब,किसानो के कब्जे वाली जमीन को हड़पने की साजिश हो रही है।ऐसे में कम्युनिस्ट पार्टी को मजबूत बनाकर ही हक की लड़ाई को तेज करने की आवश्यकता है। सम्मेलन के अंत में 11सदस्यीय अंचल कमेटी का गठन किया गया।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने पीएचसी का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। पीएचसी का निरीक्षण करने पहुंचे प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. असजद अंसारी ने रजिस्टर से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं तक की ली जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. असजद अंसारी ने चिनिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उनके निरीक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा सेवाओं की स्थिति, उपस्थिति रजिस्टर तथा स्टॉफ की सक्रियता की समीक्षा करना था। निरीक्षण के दौरान डॉ. अंसारी ने रजिस्टरों की जांच की और यह सुनिश्चित किया कि सभी कर्मचारियों की उपस्थिति समयानुसार दर्ज हो रही है या नहीं। उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध दवा, टीकाकरण सामग्री और साफ-सफाई व्यवस्था की भी समीक्षा की। डॉ. अंसारी ने मौके पर

उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और मरीजों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन रेखा की तरह हैं। यहां की व्यवस्था ठीक रखना हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर एएनएम संजू कुमारी, एमपीडब्ल्यू लाल मोहम्मद अंसारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे। सभी ने केंद्र की दैनिक गतिविधियों और जनसेवा कार्यों की जानकारी दी। निरीक्षण शांति पूर्ण रहा और प्रभारी चिकित्सक ने स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर संतोष भी व्यक्त किया, साथ ही आवश्यक सुधारों के लिए सुझाव भी दिए।

सोशल मीडिया पोस्ट देखकर 50 किमी दूर दिव्यांग के घर पहुंचे एसडीएम

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार रविवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट पर संज्ञान लेकर एक दिव्यांग व्यक्ति के घर पहुंचे। वहां जाकर उन्होंने उस व्यक्ति से समस्यायें जानी और निराकरण के लिए आवश्यक पहल करने का भरोसा दिया। इसके अलावा वहां के दर्जनों स्थानीय नागरिकों से भी गांव की समस्याओं को जाना। दर असल रविवार को संजय कुमार ने सोशल साइट ट्विटर (एक्स) पर कांडी प्रखंड के डुमरसोता गांव निवासी 35 वर्षीय दिव्यांग छोटन पासवान की समस्या के बारे में पढ़ा तो, अपने अनुमंडल क्षेत्र का मामला होने के चलते उन्होंने इस पर त्वरित संज्ञान लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से संबंधित युवक का संपर्क सूत्र प्राप्त किया। पता पूछते हुए वह रविवारीय अवकाश होने के बावजूद मुख्यालय से 50 किमी दूर डुमरसोता गांव में छोटन के घर पहुंच गए। दोपहर में जब वह वहां पहुंचे तो उन्हें वास्तव में दिव्यांग छोटन पासवान की दयनीय स्थिति देखने को मिली। छोटन ने बताया कि वे अपनी दिव्यांगता को आड़े नहीं आने देते हैं। इसलिए वह मेहनत करते हुए पंक्चर की दुकान चला कर अपना जीवकोपार्जन कर रहे हैं। किंतु फिर भी उन्हें जीवन यापन करने में कई व्यवहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आवास, राशन कार्ड, बैटरी चालित ट्राई साइकिल, हैंड पंप आदि की मांग की। उन्होंने बताया कि उनके पास वोटर कार्ड तथा आधार कार्ड है।

ग्रामीणों ने की कब्रिस्तान के सामने स्थित शराब दुकान हटाने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

कांडी। मुख्य सड़क पर स्थित अंग्रेजी शराब दुकान को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। यह दुकान गांव के कब्रिस्तान के ठीक सामने स्थित है, जिसे हटाकर किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने गढ़वा उपायुक्त को एक सामूहिक आवेदन सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि शराब दुकान के कारण क्षेत्र में अशांति और अराजकता का माहौल बना रहता है। उन्होंने बताया कि दुकान के आस-पास रोजाना लड़ाई-झगड़े की घटनाएं होती रहती हैं। इसके अलावा, शराब दुकान के चारों ओर 8 से 10 ठेले लगते हैं, जिन पर मांस और मछली की बिक्री की जाती है। शराबी लोग शराब सेवन से पहले वहीं मांस-मछली का सेवन करते हैं, जिससे इलाके की सफाई व्यवस्था बिगड़ गई है। सुबह के समय इलाके में शराब की बोतलें, पॉलिथीन, और मांस-मछली की हड्डियां बिखरी पड़ी रहती हैं। इससे बदबू फैलती है और स्थानीय लोग खासकर कब्रिस्तान में फतेहा और नमाज के दौरान बेहद परेशान होते हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि शराबी अक्सर कब्रिस्तान की चारदीवारी पर पेशाब कर देते हैं, जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि शाम होते ही गाली-गलौज और झगड़े की घटनाएं आम हो जाती हैं, जिससे घरों में रहने वाले लोग भय और असहजता महसूस करते हैं। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि दो वर्ष पूर्व तत्कालीन विधायक को भी इस समस्या से अवगत कराया गया था, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि जनभावनाओं और शांति व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए शराब दुकान को वर्तमान स्थान से हटाकर किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए।

एसडीएम ने कांडी में अल्ट्रासाउंड सेंटर को किया सील

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार ने रविवार को क्षेत्र भ्रमण के क्रम में कांडी बस स्टैंड के पास अवस्थित केयर अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील कर दिया। दरअसल डुमरसोता जाने के क्रम में जब वे इस अल्ट्रासाउंड सेंटर के सामने से गुजरे तो उन्हें जांच केंद्र का बोर्ड देखकर संदेह हुआ। उन्होंने केंद्र की जांच की तो पाया कि जांच करने वाला कर्मी 12वीं पास है तथा बीए की पढ़ाई कर रहा है, उसके पास किसी भी प्रकार का मेडीकल जांच संबंधी डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट नहीं है। उसने बताया कि वह बिहार का रहने वाला है। मझिआंव के किसी रजनीकांत वर्मा का यह जांच केंद्र है। इसमें वह 30 हजार मासिक वेतन पर काम करता है। संचालक

को जांच केंद्र आने के लिए फोन कराया गया, तो उसने कहा कि वह आने में असमर्थ है। जब एसडीएम अल्ट्रासाउंड जांच करने वाले टेक्नीशियन से पूछताछ कर ही रहे थे कि इस बीच में एक महिला अपने पति के साथ अल्ट्रासाउंड कराने आयी। इस दौरान कुछ देर के लिए एसडीएम जांच कक्ष से बाहर बैठे इंतजार करते रहे। यह देखने के लिए कि महिला अल्ट्रासाउंड कराकर बाहर आती है या बिना कराये। जब महिला बाहर आई तो उस महिला ने बताया कि उनका अल्ट्रासाउंड इसी टेक्नीशियन ने किया है। बताया कि वह गर्भवती है और वह बिना किसी डॉक्टर की सलाह पर जांच करवाने स्वयं यहां पहुंची थी। जांच केंद्र से बाहर आने के बाद जब संबंधित टेक्नीशियन से पूछा गया कि इस अल्ट्रासाउंड केंद्र से जो डॉक्टर टैग हैं उनकी अनुपस्थिति में आप जांच क्यों कर रहे हैं। इस पर टेक्नीशियन ने बताया कि हमेशा वही जांच करता है। डॉक्टर यहां नहीं आती है। एसडीएम द्वारा इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी फोन पर ही सिविल सर्जन को दी गयी। सिविल सर्जन की सलाह पर एसडीम में अल्ट्रासाउंड केंद्र को मौके पर ही सील कर दिया। सील करने के दौरान कांडी थाना की महिला सब इंस्पेक्टर जूली टुडू तथा पुलिस बल के जवान मौजूद थे। संजय कुमार ने बताया कि इस संदिग्ध अल्ट्रासाउंड केंद्र पर नियमानुसार अग्रेत्तर कार्रवाई करने हेतु सिविल सर्जन को रिपोर्ट और अनुशंसा के साथ लिखा जा रहा है। उन्होंने अनुमंडल क्षेत्र के अन्य अल्ट्रासाउंड संचालकों को भी हिदायत दी है कि वे नियमानुसार मानक पूरा करने के उपरांत ही

इस सप्ताह कॉफी विद एसडीएम में मेहमान होंगे कोचिंग संस्थाओं के संचालक

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार द्वारा चलाए जा रहे सप्ताहिक संवाद कार्यक्रम कॉफी विद एसडीएम में इस बार गढ़वा अनुमंडल अंतर्गत संचालित विभिन्न कोटि के कोचिंग संस्थानों के संचालकों, प्रबंधकों व शिक्षकों को सादर आमंत्रित किया गया है। संजय कुमार ने कहा कि कोचिंग संचालक व इन कोचिंग संस्थानों में अध्यापन करने वाले शिक्षक छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी माहौल देने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। गढ़वा क्षेत्र में एकेडमिक दृष्टिकोण से ही नहीं बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर भी अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। यहां अखिल भारतीय स्तर की सेवाओं के साथ-साथ आईआईटी एवं नीट जैसी प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं में भी यहां के बच्चे परचम लहरा रहे हैं। ऐसे में यहां के कोचिंग संस्थानों को एक अच्छा माहौल देकर तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए अभिप्रेरित कर यहां और भी अधिक आशावादी परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं। शिक्षण कार्य से जुड़े लोग समाज के प्रबुद्ध वर्ग से आते हैं। इसलिए अनुमंडल क्षेत्र की विभिन्न सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों एवं शिक्षण व्यवस्था से जुड़े मामलों में इस वर्ग के विचार, इनके सुझाव एवं फीडबैक लेना अत्यंत जरूरी है। इस एक घंटे के आत्मीय संवाद के क्रम में उनके निजी मामलों, सामूहिक हित के मुद्दों पर चर्चा होगी साथ ही गढ़वा की बेहतरी के लिए उनसे सुझाव भी लिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि सदर एसडीएम संजय कुमार द्वारा हर सप्ताह समाज के विभिन्न वर्गों को अपने यहां कॉफी पर आमंत्रित कर उनकी समस्याओं को सुना जाता है। साथ ही उनसे रचनात्मक सुझाव भी लिये जाते हैं। अभी तक अधिवक्ताओं, होटल संचालकों, व्यापारियों, स्वच्छता कर्मियों, किसानों, मजदूरों, साहित्यकारों, किन्नरों, दिव्यांगों, टैक्सी ड्राइवरों, फुटपाथ विक्रेताओं आदि जैसे समाज के अलग अलग वर्गों को बुलाया जा चुका है। उसी क्रम में उनके इस कार्यक्रम का यह 26 वां सप्ताह है।

पुण्यतिथि पर महिला मजदूरों के बीच साड़ी वितरण

गढ़वा। जायंट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा के तत्वावधान में ग्रुप के उपाध्यक्ष राकेश बाबू सर्राफ और उनके भाई शिव बाबू सर्राफ के सौजन्य से उनकी माता स्वर्गीय रामसखी देवी की पुण्यतिथि पर रविवार को दिहाड़ी महिला मजदूरों के बीच साड़ी का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपाध्यक्ष अवधेश कुशवाहा ने की। मौके पर जायंट्स के पदाधिकारियों ने कहा कि पुण्यतिथि के अवसर पर जरूरतमंदों के बीच साडी का वितरण करना पूण्य का काम है। उक्त अवसर पर नंद कुमार गुप्ता, फेडरेशन के पूर्व उपाध्यक्ष मनोज केशरी(रूपा गंजी), प्रशासनिक निदेशक मोजीबुद्दीन खान, सहित अन्य उपस्थित थे।

टीएसफोर के प्रदीप गुप्ता बने जिला अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। तेली साहू समाज संघर्ष समिति की एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ समाजसेवी सुरेन्द्र गुप्ता ने किया। गोष्ठी में टीएसफोर के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील साहू मुख्य अतिथि के रूप में तथा प्रदेश अध्यक्ष संजय स्नेही विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सर्वसम्मति से प्रदीप गुप्ता को गढ़वा जिला इकाई का जिला इकाई के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील साहू ने कहा कि राजनीतिक चेतना और सामाजिक एकजुटता के अभाव के कारण समाज निरंतर पिछड़ता जा रहा है। इससे मुक्ति का मार्ग केवल सामाजिक न्याय की मजबूत लड़ाई से ही निकल सकता है। समाज को संगठित कर इस दिशा में ठोस प्रयास करना होगा।प्रदेश अध्यक्ष संजय स्नेही ने कहा कि जब तक समाज किसी भी प्रकार के शोषण और दोहन के विरुद्ध संगठित होकर आवाज नहीं उठाएगा, तब तक हमारी पहचान और अहमियत को कोई नहीं समझेगा। हमें अपनी सामाजिक शक्ति का एहसास कराना होगा। गोष्ठी में सुरेन्द्र गुप्ता, प्रदीप गुप्ता के अलावा राम भजन गुप्ता, दिनदयाल साहू, सुदेश्वर साहू, बजरंगी साहू, बबन साव, पूर्व मुखिया बैजू साव, मनोरंजन गुप्ता, प्रेमलाल गुप्ता, जीवधन साहू, उज्जवल साहू, राजेश गुप्ता, अनिल गुप्ता, विजय गुप्ता, नेमचंद साह, वागेश्वर गुप्ता, रामप्रसाद गुप्ता, कामेश्वर साह, रमेश साह, रामनाथ साह, जयप्रकाश गुप्ता, मणिकांत गुप्ता, राम लखन गुप्ता, धर्मेन्द्र गुप्ता, अखिलेश साह, लालु प्रसाद गुप्ता, नंदु साव, धर्मदेव साह, विरेन्द्र गुप्ता, दुधेश्वर साह, बिरबल साह, पारसनाथ साह सहित सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

विधायक ने 49.72 लाख की लागत से ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन का किया शिलान्यास

भ्रष्ट कर्मचारियों पर कार्रवाई निश्चित रूप से की जाएगी: विधायक

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी (गढ़वा)। प्रखंड कार्यालय के समीप रविवार को क्षेत्रीय विधायक अनंत प्रताप देव ने ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन का विधिवत शिलान्यास नारियल फोड़कर और पूजा-अर्चना के साथ किया। यह भवन 49.72 लाख रुपये की लागत से बनाया जाएगा। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सुजीत पाठक ने पूजा-पाठ संपन्न कराया। शिलान्यास कार्यक्रम के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष अभिजीत किशोर पासवान की अध्यक्षता में जनसभा का आयोजन किया गया। विधायक अनंत प्रताप देव ने कहा कि ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के निर्माण से खरौंधी प्रखंड के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 2024 के चुनाव में जो वादे किए थे, उन्हें पूरी निष्ठा से

पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली बार प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण के दौरान 60 प्रतिशत कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए थे, जिसकी जानकारी उन्होंने उपायुक्त व मुख्यमंत्री को दी है। भ्रष्ट कर्मचारियों पर कार्रवाई निश्चित रूप से की जाएगी। उन्होंने चिकित्सा मंत्री से मिलकर प्रखंड अस्पताल में चिकित्सकों की बहाली के लिए पहल का आश्वासन दिया। सभा को जिला परिषद सदस्य सह झामुमो नेता धर्मराज पासवान ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विधायक अनंत प्रताप देव लगातार विधानसभा में जनता की आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने डोमनी बराज निर्माण कार्य को पुनः शुरू करने और अस्पताल में चिकित्सकों की तैनाती की मांग की। सभा को मुक्तेश्वर पाण्डेय, उपप्रमुख देवदत्त प्रसाद, संवेदक नित्यानंद पाठक, हिफाजत अंसारी, देववंश गुप्ता, राजेंद्र यादव, दीनानाथ बैठा, अजित दूबे, रामवृक्ष पाल, शशि पासवान, बसंत यादव, श्याम सुंदर राम, रामचरितर मेहता, कृष्णा प्रसाद, रियासत अंसारी, आलीम अंसारी, छठू प्रजापति, मनोहर प्रजापति सहित कई लोगों ने संबोधित किया।कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष अभिजीत किशोर, झामुमो नेता बिनोद यादव, , अशोक ठाकुर, महिला मोर्चा की प्रखंड अध्यक्ष संगीता देवी, प्रभावती देवी, मुनी देवी, रुदा देवी, परीखा राम, नंदू मेहता, अजीत दुबे (लिटिल दुबे), अवधेश प्रजापति, नंदू गुप्ता, मनोज पासवान, सुधीर प्रसाद, सियाराम जी, दीपक वर्मा जी, श्यामलाल चौधरी सहित हजारों की संख्या में ग्रामीण, झामुमो कार्यकर्ता, पदाधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। संयुक्त किसान मोर्चा गढ़वा जिला समन्वय समिति की बैठक शनिवार को अनिकेत पैलेस में जयप्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मजदूर विरोधी 4 श्रम कोड को वापस कराने,किसानों के उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी कराने, स्मार्ट मीटर तथा बिजली बिल 2022 को रद्द कराने सहित अन्य जनहित के सवालों को लेकर आगामी 9 जुलाई को आयोजित राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने की रणनीति तय किया की गयी। आगामी 9 जुलाई को आयोजित राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल की सफलता के लिये आगामी 26 जून को पलामू प्रमंडल मुख्यालय मेदिनीनगर में किसानों व खेत मजदूरों का सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। 16 मई को गठित जिला संयोजन समिति का विस्तार भी किया गया। बैठक में अखिल भारतीय किसान महासभा

के प्रदेश अध्यक्ष बीएन सिंह, अखिल भारतीय किसान महासभा के राज्य कमेटी सदस्य कालीचरण मेहता, अखिल भारतीय किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कामरेड विमल दास, क्रांतिकारी किसान मजदूर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कामरेड अशोक पाल,राजेश कुमार,अजय सिंह कुशवाहा, विनय विश्वकर्मा, इन्द्रदेव चौधरी,लालमुनी गुप्ता, रामकुमार गुप्ता,राजू विश्वकर्मा, काशीनाथ सिंह, अरुण सिंह, अशोक पाल, महेन्द्र बैठा सहित गढ़वा, मझिआंव, मेराल, रमना, डंडा, भवनाथपुर, सगमा, विशुनपुरा, केतार, खरौंधी, धुरकी, नगर उंटारी प्रखंड के किसान प्रतिनिधि उपस्थित थे बैठक का संचालन कामेश्वर विश्वकर्मा ने किया।

बरवाटोली के बेतर में नये ओपी का उद्घाटन

ओपी खुलने से अपराध पर लगेगा अंकुश ग्रामीणों को मिलेगी सहूलियत : डीआईजी

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। थाना क्षेत्र के अति सुदूरवर्ती उग्रवाद प्रभावित पंचायत बरवाटोली के बेतर ग्राम में रविवार को कानून व्यवस्था के सफल संचालन के लिए बड़े धूमधाम से नये ओपी का उद्घाटन किया गया। बताते चलें कि बेतर ग्राम चंदवा थाना के अंतर्गत आता है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति के कारण कानून व्यवस्था के संचालन में काफी कठिनाई होती थी। यह इलाका रांची जिले से सटा है। चंदवा थाना से इसकी दूरी लगभग 45 किलोमीटर हो जाती है। जिसके कारण कानून व्यवस्था बनाए रखने में कठिनाई होती थी। लम्बे समय से यहां पर ओपी निर्माण की मांग ग्रामीणों द्वारा की जा रही थी। सरकार द्वारा ओपी खोलने का निर्णय लिया गया। रविवार को पलामू पुलिस उप महानिरीक्षक नौशाद आलम, लातेहार उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के उपस्थिती में बेतर ओपी का शुभारम्भ किया गया। इससे पूर्व अतिथियों के यहां पहुंचने पर पारंपरिक रीति रिवाज से उनका स्वागत किया गया। इसके बाद उन्हें गार्ड आफ ऑनर दिया गया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने फीता काटकर व द्वीप प्रज्जवलित कर ओपी का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि सरकार की स्वीकृति के बाद क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए इस पंचायत के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को तत्काल पुलिस सेवा प्राप्त हो सके और आसामाजिक तत्वों को दूर रखना ही इस ओपी का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि यह इलाका काफी उग्रवाद प्रभावित रहा है। सरकार की उग्रवाद नियंत्रण नीति से प्रभावित हो कर लोग अब उग्रवाद का रास्ता छोड़कर समाज के मुख्य धारा में जुड़ भी रहे हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि यहां के लोगों को शीघ्र न्याय मिलेगा। ओपी अपने उद्देश्यों में पूरी तरह जनता के आकांक्षाओं में खरा उतरेगी। यहां ओपी के खुलने से ग्रामीणों को सहूलियत होगी। कहा कि बेतर ओपी प्रभारी के रूप में किशोर मुंडा को पदस्थापित किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि यहां के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। शीघ्र यहां पर भवन निर्माण कार्य भी आरंभ होंगे। प्रशासनिक रूप से भी कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह ओपी मिल का पत्थर साबित होगा। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने कहा कि चंदवा थाना क्षेत्र का एरिया बहुत बड़ा है। अब ओपी खुलने से यहां के लोगों को काफी सहूलियत होगी। उम्मीद करता हूं कि यहां के लोग इसे सही रूप में उपयोग करेंगे। ओपी जन आकांक्षाओं पर खड़ा उतरेगी ऐसा मेरा विश्वास है। मौके पर एसडीपीओ बालूमाथ विनोद रवानी,एसडीपीओ लातेहार अरविंद कुमार,पुलिस निरीक्षक रणधीर कुमार सिंह,प्रखंड प्रमुख मनीषा उंराव,चंदवा प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद, अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक,विधायक प्रतिनिधि (आइटीडीए) राजु उंराव,बरवाटोली मुखिया शकुंतला देवी,सअनि सरोज सिंह,भीम सिंह,सअनि अजीत कुमार,राकेश महतो,रविंद्र कुमार सिंह समेत पुलिसकर्मी व जनप्रतिनिधि के अलावे बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। बकरीद पर्व को देखते हुए शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर थाना परिसर मे शांति समिति की बैठक की गई। बैठक मे जिप सदस्य रमेश राम ने क्षेत्रवासियों से शांति व्यवस्था के साथ बकरीद पर्व मनाने की अपील की। अंचलाधिकारी नन्द कुमार राम ने सरकार की गाइडलाइन को पालन करते हुए त्यौहार मनाने की बात कही। साथ ही कहा कि किसी भी हाल से प्रतिबंधित मांस की खबर मिले तो उसका सूचना प्रशासन को दें। अफवाह में कानून को अपने हाथों मे नहीं लें। वहीं कुर्बानी के बाद मांस इधर भेजते हैं उसे नहीं भेजने की सलाह दी गई। दुर्घटना से बचने के लिए अभिभावक त्यौहार मे नाबालिग को बाइक नहीं दें। बालूमाथ अंचल पुलिस निरीक्षक प्रमानन्द गिरवा ने कहा यह त्यौहार भाईचारे का मिशाल पेश करने वाला है। भाईचारगी से बेहतर समन्वय बनाकर क्षेत्र में शांति का मिशाल पेश करें। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने उपस्थित लोगों को कहा कि सोशल मीडिया मे किसी तरह का दो चार साल पुरना दूसरे राज्य का मैसेज फारवर्ड कर अफवाह नहीं फैलाएं। अफवाह से बचने की लोगों से अपील की गई। किसी भी तरह के मामला हो प्रशासन को सूचित करें। साथ ही समय पर नमाज पढ़कर शांति व्यवस्था के साथ बकरीद पर्व मनाने की बात कही। समाजसेवी मो. कयूम व देवनंदन प्रसाद ने भी बैठक मे अपना बात रखी। मौके पर जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र गंझू,मुखिया केदार गंझू, समाज सेवी नंदू उरांव, लाल आशीषनाथ शाहदेव, मुना खान, अकरम मियां, किशोर प्रसाद, सकीन्दर राम, अकरम मियां, तबरेज आलम, एसआई जीतेन्द्र कुमार,निर्मल कुमार मंडल, छोटू पंडा, मिथलेश कुमार सिंह, द्वारिका नाथ पांडेय, संतोष कुमार पाठक, सुशील तिवारी सहित क्षेत्र के काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

राजद प्रखंड अध्यक्ष का चुनाव संपन्न प्रीतलाल यादव तीसरी बार बने अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। राष्ट्रीय जनता दल प्रखंड कार्यालय बालूमाथ में रविवार को प्रीतलाल यादव के अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि सह प्रखंड अध्यक्ष चुनाव प्रभारी भोला सिंह के अलावा सुरेश राम व दीपक यादव उपस्थित थे। कार्यकर्ताओं ने फूलमाला पहनाकर व बुके देकर स्वागत किया। मौके पर चुनाव प्रभारी भोला सिंह द्वारा प्रदेश नेतृत्व के आदेशानुसार नियम संगत चुनाव कराया गया।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रखंड अध्यक्ष प्रीतलाल यादव को ही इस बार भी प्रखंड का नेतृत्व के लिए सर्व सम्मति से निर्विरोध चुन लिया गया। मौके पर कार्यकर्ताओं ने दो डेलीगेट टीम राजेश कुमार रजक, हरिहर यादव का चयन किया। चुनाव प्रभारी भोला सिंह ने नव चयनित प्रखंड अध्यक्ष को मनोनयम पत्र दिया गया। प्रीतलाल यादव ने मौके पर मौजूद राजद कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि मैं पार्टी के नीति एवं सिद्धांत को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करूंगा।

पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं के मान सम्मान एकजुट बनाए रखने के साथ पार्टी को शिखर तक पहुंचाने का अथक प्रयास करूंगा। मौके पर मौजूद राजद कार्यकर्ताओं ने नव चयनित प्रखंड अध्यक्ष प्रीतलाल यादव को फूलमाला पहनाकर एवं बुके देकर बधाई दी। इस दौरान उपरोक्त लोगों के अलावा निर्मल गंझू,दशरथ यादव ,मो. अजमल हुसैन,मुकेश पासवान, अरविंद यादव , मो.जहूर, विजय यादव, अजय कुमार गुप्ता, चंद्रदेव रवि, जगदेव उरांव, उमेश यादव, भुनेश्वर यादव, जगत नारायण यादव, निरंजन यादव, किशुन देव गंझू,मंटू गंझू, दयाल यादव, मनोज यादव, पंकज यादव, राजन कुमार यादव,कमलेश यादव, आलोक यादव, जगदीश यादव सहित सैकड़ो राजद कार्यकर्ता मौजूद थे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत योजनाओं की जानकारी दी गई

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत चेताग पंचायत में चेताग पकरी व ओलेहेपथ में अभियान के तहत किसानों को कृषि से संबंधित जानकारियां दी गई। इसके साथ किसानों को सरकार की योजनाएं जैसे कुसुम योजना, किसान समृद्धि योजना, आदि के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख ममता देवी, चेताग पंचायत के मुखिया नरेश उरांव,प्रखंड कृषि पदाधिकारी रघु रंजन प्रसाद तकनीकी प्रबंधक समीम तथा कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान एवं वारीय वैज्ञानिक महेश चंद जराई ने किसानों को विस्तृत जानकारी दी।

अभियान 12 तारीख तक चलाया जा रहा है। जिसमें लातेहार प्रखंड के लातेहार जिले के तीन टीमों के द्वारा प्रत्येक दिन 9 गांव में अभियान कर सरकार की योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है। इस इस अभियान में संतोष लाल, ईश्वरी पासवान, अमित कुमार, रेझान्ति देवी आदि ने भाग लिया।

12 विद्यार्थियों ने 12वीं विज्ञान संकाय में हासिल किया 70 % अंक

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। जैक द्वारा जारी किए गए 12वीं विज्ञान संकाय के परीक्षा परिणाम में मां सरस्वती कोचिंग सेंटर संस्थान के विद्यार्थियों ने एक बार फिर से परचम लहराया है। संस्थान के 12 विद्यार्थियों ने विज्ञान संकाय में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया है। जिसमें सुरभि कुमारी 85 अंक प्राप्त कर प्रखंड में दूसरे स्थान पर रही, इसके अलावे किरण कुमारी 80 प्रतिशत,जसिया मोहसिन 78.4, रिशु कुमार 77.4, रोशनी कुमारी 77.2, अम्बासा मोहसिन 76.4, नवनीत कुमार 75.4,गायत्री कुमारी 75, सुलेखा कुमारी 74.4,शोभा कुमारी 74.4, अंशिका कुमारी 73.6, प्रीति कुमारी 73.4 अंक प्राप्त की है। रविवार को सफल हुए सभी विद्यार्थी संस्थान के व्यवस्थापक शशिकांत मिश्रा एवं शिक्षकों ने मिलकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान शिक्षक ने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर सफलता पर बधाई दी। संस्थान केशशिकांत मिश्रा ने बताया कि इस बार उनके संस्थान से विज्ञान संकाय में कुल 24 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया था, जिसमें सभी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। मौके पर विद्यार्थी,अभिभावक समेत अन्य लोग मौजूद थे।

रसीद खान बने राजद के प्रखंड अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। राष्ट्रीय जनता दल की बैठक इंदिरा गांधी चौक स्थित पथ निर्माण विश्रामागार में रविवार को प्रखंड अध्यक्ष अजीत कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बतौर पर्यवेक्षक सुरेश राम व सह पर्यवेक्षक दीपक यादव मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए पर्यवेक्षकों ने कहा कि राजद दबे-कुचले एवं अल्पसंख्यकों को सहारा देनेवाली पार्टी है। संगठन को सशक्त एव मजबूत बनाने में सहभागिता निभाने की बात कही गई। जिला कमेटी के निर्देश पर प्रखंड अध्यक्ष का चुनाव कराया गया।

सर्वसम्मति से रसीद खान को चंदवा प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया। मौके पर बबलू गिरि,हारुण रसीद, नासरिन बानो, शोमा देवी, लखन राम, धनराज यादव, शमीम आलम, हबीनुला, रामनरेश यादव समेत कई अन्य मौजूद थे।

सामजिक आंकेक्षण का जन सुनवाई आज

बारियातू। प्रखंड के सभी नौ पंचायतो्र में मनरेगा योजना की सामाजिक अंकेक्षण किया गया है, जिसका जन सुनवाई 2 जून सोमवार को सिबला, टोटी, बारियातू, बालूभांग, साल्वे, फूलसु, डाढ़ा, अमरवाडीह, गोनिया सभी पंचायत सचिवालय मे किया जायेगा। जन सुनवाई कार्यक्रम में लोगों को भाग लेने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों मे वाहन से प्रचार किया जा रहा है। उक्त जन सुनवाई कार्यक्रम मे बीडीओ अमित कुमार पासवान ने अधिक से अधिक लोगों को भाग लेने की अपील की है।

शांति समिति की बैठक आज

लातेहार। आगामी 7 जून को होने वाला ईद-उल-जुहा (बकरीद) पर्व में शांति व्यवस्था बनाए रखने और विधि व्यवस्था संधारत को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सोमवार को समाहरणालय सभागार में 11बजे आयोजित की गई हैं।

जलता हाई स्कूल की स्नेहा बनी स्कूल टॉपर

लातेहार। जैक द्वारा 12वीं विज्ञान व कला संकाय का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। इसमें उत्कमृत उच्च विद्यालय जलता लातेहार का शानदार प्रदर्शन रहा। विज्ञान संकाय में 387 अंक लातेहर स्नेहा पांडेय स्कूल टॉपर रही। दूसरे स्थान पर अर्चना कुमार और तीसरे स्थान पर उज्जवल कुमार रहें। इस विद्यालय से 12वीं विज्ञान संकाय की परीक्षा में कुल 18 बच्चे शामिल हुए थे, जिसमें 17 बच्चों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम अच्छा आने पर विद्यालय के प्राचार्य आशीष कुमार ने सभी बच्चों को बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कहा कि ऐसे ही बच्चे कठिन मेहनत करें ताकि भविष्य में स्कूल, अपने अभिभावक और जिले का नाम रौशन कर सकें।

कुटमू चौक के पास एम्बीशन कंप्यूटर सेंटर का हुआ उद्घाटन

बेतला (लातेहार)। बेतला नेशनल पार्क के पास कुटमू चौक (हड़पड़वा) स्थित एम्बीशन कंप्यूटर सेंटर का उद्घाटन सेंटर डायरेक्टर चंदन कुमार द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना और फीता काट कर किया गया।इस अवसर पर चंदन कुमार ने बताया कि यह सेंटर मैट्रिक और इंटर पास छात्र-छात्राओं के लिए तकनीकी शिक्षा का अच्छा माध्यम बनेगा। सेंटर में एडीसीए, डीसीए, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, डीटीपी, वीडियो मिक्सिंग जैसे कोर्स संचालित किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थी अपने कौशल को निखारकर बेहतर भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज के समय में कंप्यूटर ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। इसको ध्यान में रखते हुए 10 जून तक निःशुल्क नामांकन की सुविधा दी गई है। संस्थान में केवल 48 सीटें ही निर्धारित हैं, इसलिए इच्छुक अभ्यर्थी समय रहते प्रवेश ले सकते हैं। चंदन कुमार ने बताया कि बेतला, पोखरी कला, केचकी और आसपास के गांवों के छात्र-छात्राओं को अब कंप्यूटर शिक्षा के लिए मेदिनीनगर या अन्य शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना ही इस संस्थान की प्राथमिकता है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। उद्घाटन के मौके पर शिक्षक सुमित कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

रोजगार सेवक व जेई को बचाने की रक्षा कवच बन गया है सोशल ऑडिट : अयुब खान

चंदवा। प्रखंड के कामता पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने एक बयान जारी कर कहा है कि ग्रामीण विकास विभाग झारखण्ड सोशल ऑडिट सोसायटी के निर्देश पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत मनरेगा की सोशल ऑडिट टीम पंचायतों में 27 मई से योजनाओं की जांच कर रही है। 2 जून को पूरे प्रखंड के सभी पंचायतों में एक साथ पंचायत स्तरीय जन सुनवाई का आयोजन किया जायेगा। इस जनसुनवाई में सोशल ऑडिट टीम वित्तीय वर्ष 2023-24 व 2024-25, 2025-26 की मनरेगा से संचालित पूर्ण,अपूर्ण,चालू योजनाओं की कार्य स्थल पर जाकर जांच करती है। प्रखंड कार्यालय से मिले रेकड़ अभिलेख का मिलान भी टीम द्वारा किया जाता है। अभिलेख में कोई तकनीकी खामी रह गई हो उसकी मुआयना करती है। मनरेगा सोशल ऑडिट की टीम जांच कर बिचौलियों से भयादोहन कर मामले को रफा दफा कर लेती है। मनरेगा योजना की घपला करने वाले बिचौलियों को व इसमें शामिल रोजगार सेवक और जेई को बचाने की रक्षा कवच बनकर रह गया है।

सरकारी भूमि को चिह्नित करने का कार्य प्रारंभ

लातेहार। जिला के सरकारी भूमि पर अतिक्रमण रोकने के उद्देश्य से उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर जिले में स्थित सरकारी भूमि में अंचला अधिकारियों के द्वारा चिन्हित कर साइनबोर्ड लगाने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। इस क्रम में अंचल अधिकारी हेरहंज, चंदवा की मौजूदगी में अंचल क्षेत्र स्थित सरकारी भूमि में साइनबोर्ड लगाया गया। सरकारी भूमि में साइनबोर्ड स्थापित करने की प्रक्रिया से ग्रामीण उत्साहित हैं कि अब सरकारी भूमि का अवैध कब्जा भू-माफिया नहीं कर पाएंगे। साइन बोर्ड में सरकारी भूमि स्थित मौजा का नाम, सरकारी भूमि का रकवा, सरकारी भूमि का प्रकार आदि विवरणी में अंकित है। साइनबोर्ड में यह भी अंकित है कि यह भूमि सरकारी है और इसका क्रय-विक्रय का प्रावधान नहीं है। किसी व्यक्ति के द्वारा भूमि का क्रय-विक्रय करने का प्रयास किए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

दवा दुकानदारों के साथ एसडीपीओ ने की बैठक, दिए कई निर्देश

चतरा। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार रविवार को सदर थाना परिसर में दवा दुकानदारों के साथ बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता सदर एसडीपीओ संदीप सुमन ने की। एसडीपीओ ने नशे के लिए सेवन होने वाले दवाओं पर चर्चा करते हुए एविल एवं अन्य दवाईयां जिन्हें नशे के रूप में प्रयोग किया जाता है, उसके दुरुपयोग को रोकने के संबंध में जागरूक करते हुए बिक्री को लेकर दुकानदारों को आवश्यक दिशा निर्देष दिए। कहा कि डॉक्टर द्वारा दिए गए पर्ची पर ही ऐसी दवाओं को लोगों को दें। बैठक में सदर थाना प्रभारी, व दवा दुकानदारों के साथ अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

नगर में वार्षिक सरना पूजा सह झंडा बदली कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। प्रखंड के चकला पंचायत अंतर्गत नगर ग्राम स्थित झाखरा टांड़ सरना स्थल में रविवार को वार्षिक सरना पूजा सह झंडा बदली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में नगर ग्राम के पड़हा समाज के लोगों ने सरना स्थल पर ग्राम प्रधान भुनेश्वर गंझू,पाहन सधन गंझू,पुजेर सुरेश उरांव,ओहदार जय नंदन उरांव व महतो सुरेंद्र उरांव की अगुवाई में नगाड़ा व मांदर की थाप पर विधि विधान के साथ वार्षिक सरना पूजन किया। सरना स्थान पर झंडा बदली की। इस दौरान सरना भूमि को हर हाल में बचाने को लेकर संकल्प लिया व सरना जागरण उल गुलान करने की भी बात कही। प्रधान भुनेश्वर गंझू ने कहा कि 1.42 एकड़ भूमि पर सरना स्थल है। वहां पर पूर्वज काल से हम आदिवासी पड़हा समाज के लोग अपनी धार्मिक क्रिया कलाप करते आ रहे हैं, लेकिन सरना की जमीन की बंदोबस्ती गलत तरीके से कर दिया गया है।

उक्त समस्या को लेकर वह कई बार अधिकारी, सरकार को पत्राचार के चुके हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। मौके पर मुख्य रैयत दशरथ उरांव, बुधराम भगत ,सामवीर उरांव, सुरेश भोगता, रामा भोगता, लक्ष्मण भोगता, नरेश उरांव, कलावती उरांव, रूपा उरांव, करमी उरांव, सितमणि उरांव, महराज उरांव, रवींद्र उरांव,जग मोहन उरांव, नागेश्वर उरांव समेत सैकड़ों पड़हा समाज के लोग मौजूद थे।

सड़क, पानी व बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं केचकी पंचायत के ग्रामीण

- सरईडीह का आंगनबाड़ी भवन 20 साल से अधूरा, अब जर्जर स्थिति में

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड अंतर्गत केचकी पंचायत के ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं। सड़क, पानी, बिजली, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी समस्याएं आज भी यहां के लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बनी हुई हैं। लगभग पांच हजार की आबादी वाले इस पंचायत में विकास कार्यों की रफ्तार बेहद धीमी है।

पंचायत के केचकी, कंचनपुर, सरईडीह, हड़पड़वा सहित कई गांवों7 में सड़क नहीं होने से लोगों को आवाजाही में कठिनाई होती है। ग्रामीणों ने बताया कि सरईडीह के भुइयां टोला, केचकी पेट्रोल पंप से महुरामटोला तक, रेलवे स्टेशन मार्ग, त्रिवेणी चौक से कंचनपुर और सरईडीह मस्जिद तक की सड़क वर्षों से अधूरी या खराब हालत में है। सरईडीह निवासी सदीक अंसारी ने कहा कि मस्जिद तक सड़क नहीं होने से नमाजियों को परेशानी होती है, खासकर बरसात में पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

सिंचाई की सुविधा का भी घोर अभाव है। कंचनपुर निवासी जिबोध सिंह ने कहा कि अगर सरकार पानी की व्यवस्था करे तो यह क्षेत्र कृषि के लिए बेहतर बन सकता है। इसी गांव के मनोज ठाकुर ने बताया कि पंचायत में एक बड़ा जलस्त्रोत 'दनदहा' मौजूद है, जिसमें सालभर पानी रहता है, लेकिन रखरखाव के अभाव में वह जर्जर हो चुका है।

सरईडीह गांव में 20 वर्षों से अधूरा आंगनबाड़ी भवन अब जर्जर हो चुका है। सेविका के घर से ही बच्चों को संचालित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है।

पंचायत के मुखिया बुद्धेश्वर सिंह ने कहा कि पूरे क्षेत्र में सड़क और सिंचाई सबसे बड़ी समस्याएं हैं। अगर खेतों तक पानी पहुंच जाए और आवागमन की सुविधा सुधरे, तो यह पंचायत आत्मनिर्भर बन सकती है।

स्थानीय निवासी प्रमोद सिंह ने कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए आज भी मेदनीनगर जाना पड़ता है, जबकि शिक्षा की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। वहीं सरईडीह के संजय कुमार संजू ने रोजगार को अहम बताते हुए कहा कि काम की कमी से लोग पलायन कर रहे हैं। यदि रोजगार की व्यवस्था स्थानीय स्तर पर हो, तो गांव की आर्थिक स्थिति सुधर सकती है। औरंगा और कोयल नदी के संगम पर स्थित यह पंचायत राज्य के पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थल है, लेकिन बुनियादी जरूरतों के अभाव में यहां के ग्रामीण आज भी उपेक्षित हैं।

चार दिवसीय शूटिंग कैंप-सह-टैलेंट हंट का उपायुक्त ने किया उद्घाटन, बोले

राइफल शूटिंग में राज्य स्तर पर लोहरदगा जिला की बनेगी पहचान

- उपायुक्त ने खिलाड़ियों को "एटॉमिक हैबिट्स" नामक पुस्तक पढ़ने व उससे सीखने की सलाह दी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। बीएस कॉलेज लोहरदगा स्थित शूटिंग रेंज में लोहरदगा जिला राइफल एसोसिएशन की ओर से आयोजित चार दिवसीय शूटिंग समर कैम्प-सह-टैलेंट हंट का उद्घाटन उपायुक्त कुमार ताराचंद, पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत व अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त ने कहा कि बीएस कॉलेज के शूटिंग रेंज में चार दिवसीय शूटिंग समर कैंप-सह-टैलेंट का शुभारंभ किया जा रहा है। इसके लिए लोहरदगा जिला राइफल एसोसिएशन धन्यवाद के पात्र हैं। इस समर कैंप में आयोजन से पता चलता है कि राज्य सही दिशा में प्रगति की ओर जा रहा है। यह जो शूटिंग रेंज बना है उसमें लोहरदगा जिला राइफल एसोसिएशन क्लब के लोगों का महत्वपूर्ण योगदान है। पूरी टीम बधाई की हकदार हैं। काफी अथक प्रयास के बाद यह शूटिंग रेंज तैयार हो चुका है जिसमें राज्य स्तर का पहला कार्यक्रम है। इस आयोजन की सफलता को सभी मिलकर देश के पटल पर ले जा सकते हैं। खेल एक ऐसा पक्ष है जो आपको अवसाद से निकलने में मदद करता है। खेल तनाव को दूर करता है। शारीरिक रूप से तंदरुस्त बनाता है। मधुमेह, ब्लडप्रेशर, मोटापा समेत कई बीमारियों को दूर करता है। कॅरियर के रूप में आज खेल भी अपनी जगह बना चुका है। खेल में जिन्होंने उंचाईयां हासिल की है उन्होंने बहुत मेहनत से अपनी मंजिल हासिल की है। सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, जिन्होंने खेल को अपनाया है और पूरे तन-मन से मेहनत की है वे बहुत उंचाईयों तक गये हैं।

पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने कहा कि पुलिस विभाग की ओर से शूटिंग रेंज को जिस किसी चीज की जरूरत होगी तो उपलब्ध कराया जाएगा। इस समर कैंप फायरिंग प्रैक्टिस के जरूर आउंगा। कार्यक्रम में उपायुक्त व अन्य अतिथियों ने समर कैंप-सह-टैलेंट हंट में आए प्रतिभागियों से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी, आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा, विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, राइफल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अमर सिन्हा, शूटिंग कोच रंजन कुमार, जनप्रतिनिधिगण, लोहरदगा जिला राइफल एसोशिएशन के सदस्य, शूटिंग के प्रतिभागी व बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद थे।

प्रतिभागी घबराये नहीं, नियमित रूप से अभ्यास व तकनीक में करें सुधार

उपायुक्त ने कहा कि खेल में भारतीय टीम में झारखण्ड का अलग ही स्थान रहा है। तीरंदाजी में दीपिका कुमारी, क्रिकेट में महेंद्र सिंह धोनी, हॉकी में वर्तमान भारतीय टीम में 6 से 9 खिलाड़ी झारखण्ड से हैं। महिला और पुरुष दोनों टीम में। इसी तरह तक लोहरदगा के बच्चों में खेल के प्रति अलग ही प्रतिभा हैं। झारखण्ड में लोहरदगा के बच्चे खेल के क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकते हैं। आज तक शूटिंग के क्षेत्र में लोहरदगा विशेष रूप से नहीं जाना जाता था लेकिन आज जो पहल हुई है। उससे इस जिला से नई-नई प्रतिभा राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान जरूर बनाएंगी। शूटिंग समर कैंप-सह-टैलेंट हंट में जो सीख कर जाएं उसके बाद नियमित अभ्यास करते रहें। धैर्य रखना सबसे जरूरी है। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए समय देना होता है। अपनी तकनीक में नियमित रूप सुधार करना होता है। आपको मनु भाकर बनना है तो नियमित रूप से अनुशासन, अभ्यास, तकनीकी रूप से बेहतर होना ही आपको सफलता की उंचाईयों तक ले जा सकता है। उपायुक्त ने खिलाड़ियों को "एटॉमिक हैबिट्स" नामक पुस्तक पढ़ने व उससे सीखने की सलाह दी।

कुडू के बढ़मारा व चडरा में जंगली हाथियों का उत्पात

आधा दर्जन ग्रामीणों का घर ध्वस्त, अनाज चट

नवीन मेल संवाददाता

कुडू। कुडू प्रखंड के बढ़मारा घाटीटोला और चडरा में 14 जंगली हाथियों के समूह ने शनिवार रात लगभग छह घंटे तक जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान हाथियों ने बढ़मारा घाटीटोली निवासी बहादुर उरांव, चडरा निवासी सोमारी उरांव, धनियां उरांव, अर्जुन उरांव, गोवर्धन उरांव, बलराम भगत का पूरा घर ध्वस्त कर घर में रखे खाने का सामान, चावल, धान , गेहूं आदि खाकर चट कर गए। वहीं घर का बासन-बर्तन व अन्य सामान बर्बाद कर डाला। बरसात मौसम के शुरुआत में जहां लोग सर छुपाने के लिए परेशान रहते है, वही इन गरीबों का हाथियों ने पूरा आशियाना उजाड़ डाला। जिससे बरसता के मौसम में इनके परिवार के समक्ष काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। भुक्तभोगियों ने बताया कि हाथियों का समूह शनिवार को शाम होते ही गांव में प्रवेश कर घरों को ढाहना और उत्पात मचाना शुरू कर दिया। कई ग्रामीण और बच्चे किसी तरह से घरों से भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। हाथियों इन गांवों में लगभग छह घंटे तक लगातार उत्पात मचाया। रात्रि लगभग दो बजे वन विभाग का टीम गांव पहुंचकर हाथियों को चंदवा जंगल की ओर खदेड़ने में सफलता पाई।

विक्षित युवक ने किया आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा। बरही टंगरा टोली में युवक ने देर रात फांसी का फंदा बना पेड़ से झूल कर आत्महत्या कर लिया। विदित हो कि सेन्हा थाना क्षेत्र के बरही टंगरा टोली निवासी सुकरा उराँव का 42 वर्षीय पुत्र अनिल उराँव ने अपने ही गांव में एक रोली पेड़ में रस्सी के सहारे फांसी का फंदा बना कर जीवन लीला समाप्त कर लिया। गौरतलब हो कि घटना के समय घर के सभी सदस्य अपने अपने कमरे में सो रहे थे।वही अनिल उराँव आत्महत्या घटना को कब आजम दिया इसकी जानकारी परिजनों को नही चल पाया। वही घटना के पश्चात सुबह में जब गांव की एक महिला कुएं में पानी भरने गई थी। तभी अनिल उरांव को पेड़ से झूलता देख इसकी सूचना परिजनों को दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों के बीच शोक का लहर दौड़ पड़ा।वही परिजनों द्वारा बताया जाता है।अनिल का मानशिक स्थिति करीब तीन वर्ष पूर्व से मानसिक स्थिति ठीक नही था। अनिल का इलाज मानसिक आरोग्यशाला रांची से चल रहा था। वही सेन्हा पुलिस के एएसआई जमशेद खान दलबल के साथ घटना स्थल पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल लोहरदगा भेज कर पुलिस अग्रतर कारवाई में जुट गई है। फिलहाल आत्महत्या घटना को अंजाम देने का मुख्य कारण मानशिक स्थिति खराब होने की बात कही जा रही है। जबकि स्थानीय पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

शिव प्राण प्रतिष्ठा ज्ञान यज्ञ को लेकर निकली भव्य कलश यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

कुडू। कुडू के इंदिरा गांधी चौक स्थित नवनिर्मित बिड़ला शिव मंदिर में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा के साथ ज्ञान महायज्ञ को लेकर शनिवार एक जुन को बैंड-बाजे के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। इसमे सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष भक्तगण शामिल हुए। 151 कलश लिए महिलाएं और बच्चियों ने पीले वस्त्रों और चुनरी धारण कर कलश सर पर रख यज्ञ स्थल बिड़ला शिव मंदिर से निकलकर टीको नदी तट पर पहुंची। वहां से कलश में जल भरकर बस स्टैंड, बाईपास रोड, मस्जिद मोड होते हुए पुनः शिव मंदिर परिसर में बनी यज्ञशाला का परिक्रमा की। ततपश्चात वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच यज्ञ मंडप में कलश स्थापित किया गया। कलश यात्रा के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने में गंगा प्रसाद, धीरज प्रसाद, नवीन कुमार टिंकू, ज्योति कुमार, बीरेंद्र प्रसाद, ओम प्रकाश साहु, प्रभात कुमार, राजेश कुमार, संजय चौधरी, विशाल आनंद, सतीश चौधरी, विनय चौधरी, अमित कुमार बंटू आदि सक्रिय रहे। ज्ञान यज्ञ के पहले दिन बिहार के बक्सर सिद्धाश्रम धाम से आये हुए प्रशिद्ध आचार्य पौराणिक जी के प्रवचन का सैंकड़ों की संख्या में महिलाएं और पुरुष ने श्रवण किया। गौर तलब है कि प्रशिद्ध व्यवसायी कुडू निवासी रामजी प्रसाद और राजीव रंजन प्रसाद के द्वारा बिड़ला शिव मंदिर का सुंदरीकरण कराया गया है। यहां लगातार पांच दिनों तक संध्या 7 बजे से प्रवचन एवं आज पूजन हवन एवं अन्नाधीवास, तीन जून को मूर्ति का नगर भ्रमण एवं शय्याधीवास, चार जून को देव पुजन स्नपण पूजा एवं पांच जून को देव प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति, ब्राह्मण प्रसाद, ग्रहण महा भंडारा के साथ समापन होगा।

पेशा के नाम पर आदिवासियों को कई गुटों में बांट रहे सरकार : अरविंद उरांव

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। केन्द्रीय सरना पूजा स्थल सीरम टोली रांची का अतिक्रमण रोकने, पेशा कानून लागू करने, जमीन लूट रोकने एवं सीएनटी थाना क्षेत्र की बाध्यता समाप्त करने आदि को लेकर रविवार को आदिवासी समन्वय समिति लोहरदगा ने देशवली कला सांस्कृतिक केंद्र लोहरदगा में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। प्रेस वार्ता को आदिवासी समन्वय समिति अध्यक्ष अरविंद उरांव, निरंजना हेरेंज टोप्पो, लक्ष्मी नारायण भगत (पड़हा बेल), पवन तिग्गा, मुखिया प्रमेश्वर महली, महिला नेत्री अंजू देवी, जीवन उरांव, उर्मिला भगत, दुर्गा महली ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि केन्द्रीय सरना पूजा स्थल सीरम टोली राँची का अतिक्रमण रोकने, सरना स्थल के सामने से रैम्प हटाने के लिए आदिवासियों ने लगातार संघर्ष कर रहें है, फिर झारखंड की तानाशाही हेमन्त सोरेन सरकार बंदूक की नोक पर पूजा स्थल का अतिक्रमण किया। पूजा स्थल के सामने ही जबरदस्त विरोध के बावजूद रैम्प उतार दिया। कहा कि सरहुल शोभा यात्रा की शुरूआत आदिवासी समाज के प्रख्यात विद्वान पंखराज बाबा कार्तिक उराँव ने अपने सहयोगियों के साथ 1970 के दशक में किए थे। वर्तमान समय में यह सरहुल शोभा यात्रा में लगभग 5 लाख से उपर लोग शामिल होते हैं और यह भारत देश ही नहीं अपितु एशिया महादेश में 5वां स्थान रखता है। यह हमारे आदिवासी समाज और झारखंड राज्य के लिए गर्व और शान की बात है। समस्या यह है कि यह सब जानते हुए भी मुख्यमंत्री आदिवासियों के इस बढ़ते लोकप्रियता पर न जाने क्यों पूजा स्थल पर रैम्प बनवाकर हमारी सांस्कृतिक धरोहर, को खत्म करने पर तुली है। इसके अलावे पारसनाथ पहाड़ी जो संथालियों का मारंगबुरू धर्म स्थल को जैनियों के हाथों सौंपने का काम किया है। देवड़ी दीरी तमाड़ धार्मिक स्थल का भी अतिक्रमण हो रहा है। सुतियाम्बे मुड़हेर पहाड़ सांस्कृतिक धरोहर को खत्म कर कृत्रिम स्वरूप देकर आदिवासियों के हाथ से छिना जा रहा है। उगरू बुरू धार्मिक स्थल को विशेष षडयंत्र के तहत छिना जा रहा है।

विजनेस व्यापार में मोरगेज लोन दिया जाना चाहिए। मुखियाओं को राज्य वित आयोग का पैसा दिया जाए। अरविंद उरांव ने कहा कि इन सभी मामले को लेकर आगामी 3 जून को 2:00 बजे समाहरणालय यूकेलिप्टस मैदान के समय एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। तत्पश्चात शाम 5:00 बजे मशाल जुलूस कचहरी मोड़ से सदर ब्लाक चौक तक निकाला जाएगा और 04 जून को झारखंड बंद किया जाएगा।

सरकार आदिवासियों को जल जंगल से बेदखल कर समूल नष्ट करने में लगी है

अरविंद उरांव ने बताया कि आदिवासियों की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था को लागू करने के लिए सरकार कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही है, पेशा कानून लागू नहीं होने से आदिवासियों का स्वशासन अधिकार खत्म हो जाएगा। कहा कि हेमन्त सोरेन सरकार नई शराब नीति लेकर आई है जिसमें अब ग्राम सभा की अनुमति के बाद गाँव-गाँव में दारू का ठेका खोला जाएगा। आदिवासियों को शराब पिलाकर सारी जमीन लूट ली जाएगी। इससे स्पष्ट है कि आदिवासियों का दम भरने वाले मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आदिवासियों को जल जंगल से बेदखल कर समूल नष्ट करने में लगी है। आदिवासियों के जमीन हर तरीके से लूटी जा रही है। सूत्रों से पता चला है कि मसमानो और बेदाल गाँव की पतरा (जंगल) लगभग सवा सौ एकड़ में फैली है, जिला प्रशासन, वन विभाग आदि मिलकर समूचे जंगल को किसी कम्पनी को बेचने वाली है। जबकी आदिवासियों का पारंपरिक सेंदरा खेलना, छोटी मोटी रोजी-रोजगार समाप्त हो जाएगा। सी0एन0टी0 एक्ट में थाना क्षेत्र की बाध्यता को खत्म कर आदिवासियों को कहीं भी रहने, घर बनाने का छूट मिलना चाहिए।

रविदास विकास मंच ने किया वनभोज का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा/लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के चितरी कोयल नदी तट पर रविदास विकास मंच लोहरदगा के तत्वावधान में वनभोज कार्यक्रम का आयोजन रविदास विकास मंच के अध्यक्ष रामचरण राम की अध्यक्षता में किया गया। जिसमे शिक्षा, रोजगार, सशक्त समाज व सामाजिक संगठन का निर्माण करने पर चर्चा किया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे रामचरण राम ने अपने मन्तब्य मे कहा हैं कि शिक्षा एक ऐसी हथियार है जिससे एक जीवन ही नही बल्कि कई पीढियां सुधर जाती हैं। शिक्षा की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। रविदास विकास मंच अपने समाज के लोगो को शिक्षित करने के लिए निरंतर अभ्यासरत है। लोहरदगा जिला मुख्यालय में एक अनुसूचित जाति आवसीय विद्यालय का निर्माण करना है जिसमे सभी की भागीदारी सुनिश्चित करना है। वही रविदास विकास मंच के संस्थापक सदस्य राजमोहन राम ने कहा की समाज को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा के साथ साथ रोजगार की ओर युवा युवतियों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जो स्कूल कॉलेज से ड्रॉपआउट हो गए हैं उन्हें सिलाई, प्लम्बर, राजमिस्त्री, मैकेनिक जैसे ट्रेड की जानकारी देते हुए स्वरोजगार की ओर बढ़ने की बातें कहीं गई। रविदास विकास मंच के पदाधिकारी समाजसेवी शिक्षक अरुण राम के द्वारा सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दिए व बोले कि समाज के जरूरतमंद व्यक्तियों तक लाभ पहुँचनी चाहिए। इनका लाभ सभी को मिलना चाहिए। सभी कोई समाज को सशक्त बनाने में अपना अपना अहम भूमिका निभाएं। मौक़े पर रविदास विकास मंच के सचिव बुधन राम,कृष्णा राम, गजन राम, शंकर राम, मनोज राम, दुःखहरण राम, इत्यादि समाज के सुभचिंतक शामिल हुए।

टॉपर रौशनी को जिप सदस्य ने किया सम्मानित

- यूपीएससी क्रैक कर आईएएस बनना चाहती हैं रौशनी

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा। झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आयोजित इंटर साइंस परीक्षा में राज्य स्तर पर 9वां स्थान प्राप्त करने वाली रौशनी भगत को रविवार को एक सादे समारोह में जिला परिषद (जिप) सदस्य राधा तिर्की द्वारा सम्मानित किया गया। रौशनी भगत सेन्हा प्रखंड के सुदूरवर्ती गांव तोड़ार पखनटोली निवासी हैं। वे नन्दलाल प्लस टू विद्यालय की छात्रा हैं और इंद्रपाल भगत व शिला भगत की पुत्री हैं। जिप सदस्य ने उन्हें अंग वस्त्र, पुस्तक और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में राधा तिर्की ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की छात्रा द्वारा राज्य में टॉप 10 में स्थान प्राप्त करना गर्व की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि रौशनी की सफलता से पूरा क्षेत्र गौरवान्वित हुआ है और इससे अन्य बच्चों को भी प्रेरणा मिलेगी। रौशनी ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और शिक्षकों को देते हुए कहा कि उनका सपना यूपीएससी परीक्षा पास कर आईएएस बनना है, ताकि वे समाज की सेवा कर सकें। गौरतलब है कि रौशनी ने पूर्व में मैट्रिक परीक्षा में भी जिला में छठा स्थान प्राप्त किया था। इस मौके पर उनके माता-पिता के साथ-साथ शिक्षक गंगा उरांव, अभिराम कच्छप और कई ग्रामीण उपस्थित थे।

वज्रपात में मृत इंदरजीत के परिवार से मिले सांसद प्रतिनिधि

कुडू। स्थानीय सांसद सुखदेव भगत के निर्देशानुसार सांसद प्रतिनिधि विकास शाहदेव ने वज्रपात में मृत कड़ाक गांव निवासी इंद्रजीत उरांव के परिवार से मिलकर शोक प्रकट करते हुए सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि इस दुख के घड़ी में पूरा कांग्रेस परिवार आपके साथ खड़ा है। उल्लेखनिय है कि शुक्रवार की दोपहर वज्रपात की चपेट में आने से इंदरजीत उरांव की मौत हो गयो थी।

छोटानागपुर बॉक्साइट एंड कोल वर्कर्स यूनियन में शामिल हुए पाखर-रिचूघुटा के बॉक्साइट ट्रक ऑनर्स

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के नंदगांव में लोहरदगा जिले के पाखर रिचुघुटा बॉक्साइट ट्रक ओनर की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से ट्रक ऑनर ने छोटानागपुर बॉक्साइट एंड कोल वर्कर्स यूनियन का दामन थामा। मौके पर छोटानागपुर बॉक्साइट एंड कोल वर्कर्स यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष सोहराब अंसारी ने संगठन की सदस्यता दिलाई। वहीं बैठक में पाखर रिचूघुटा बॉक्साइट ट्रक ऑनर्स ने संगठन का गठन भी किया। जिसमें 21 सदस्य कमेटी बनाया गया। मौके पर एकरामूल अंसारी ने कहा कि हम लोगों के अभिभावक और सर्वमान्य नेता पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के संरक्षण में ही हम लोग ट्रांसपोर्टिंग की समस्याओं से लड़ सकते हैं। यही वजह है कि आज हम लोग पाखर रिचू घुटा के सभी ट्रक मालिक बैठक कर सर्व समिति से छोटानागपुर बॉक्साइट एंड कोल वर्कर्स यूनियन मैं शामिल हुए हैं और आगे अपने हर सुख दुख के साथी धीरू बाबू के संरक्षण में कार्य करेंगे। वही सर्वसम्मति से जफर इमाम को अध्यक्ष, हनान अंसारी को सचिव, वीर कुंवर सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया है। जबकि शानिचरवा उरांव,सूर्यकांत प्रसाद को उपाध्यक्ष, रियाजुद्दीन अंसारी, खुदी मांझी को सहसचिव बनाया गया है। नेता एकरामूल अंसारी ने कहा कि लोहरदगा गुमला लातेहार क्षेत्र के सभी बॉक्साइट माइन्स के मजदूर और ट्रक ऑनर आज हमारे संगठन में एक-एक कर शामिल हो रहे हैं निश्चित तौर पर हमारे संगठन के मजबूती से हम हिंडालको प्रबंधन और अन्य बॉक्साइट और कॉल क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी से मजदूर और ट्रक ओनर के लिए कार्य करेंगे। बैठक में नंदू उरांव, मो. मुस्तफा अंसारी, शहबाज अंसारी,रामोतार प्रसाद, सुरेश नगेशिया, बीरेंद्र उरांव, बारी अंसारी आदि ट्रक ओनर शामिल थे।

शोरूम कार्यस्थल से महिंद्रा ट्रैक्टर गायब, चोरी की प्राथमिकी दर्ज

सेन्हा। थाना क्षेत्र के सरेगहातु तोड़ार स्थित महिंद्रा ट्रैक्टर शो रूम कार्य स्थल से अज्ञात चोरों द्वारा ट्रैक्टर चोरी को कर लिया गया है.जिस निमित महिंद्रा शो रूम अधिकृत पार्टनर लोहरदगा निवासी स्व. विनोद खत्री का पुत्र रविन्द्र खत्री ने आवेदन देते हुए बताया है कि 20 मई को जब स्टॉक ट्रैक्टर का मिलान किया जा रहा था तो एक महिंद्रा ट्रैक्टर गायब था। जिसे प्रतीत होता है की मेरा ट्रैक्टर को कार्य स्थल सेरेगहातु तोड़ार से अज्ञात चोरों द्वारा ट्रैक्टर को चोरी कर लिया गया है।

थाना में छोटी बहन की गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया

सेन्हा। थाना क्षेत्र के चन्दकोपा निवासी मदन महली की पुत्री कमला कुमारी ने सेन्हा थाना में छोटी बहन की गुमसुदगी का लिखित आवेदन दे मामला दर्ज कराते हुए पुलिस प्रशासन से न्याय का गुहार लगाई है। गौरतलब हो कि सेन्हा थाना क्षेत्र के चंदकोपा ग्राम निवासी कमला कुमारी ने थाना में आवेदन देते हुए बताई की मेरी छोटी बहन 17 वर्षीय शामला कुमारी 29 मई को सुबह करीब 10:30 बजे नहाने जाने की बात बोल कर घर से निकली और घर के समीप कुएं पर नहाने चली गई। साथ ही बताया कि लगभग 15 मिनट बाद जब हम कुएं के पास देखने गये तो वहां पर मेरी बहन नही थी। तो शामला कुमारी को हम सभी परिवार के लोग खोज बिन करने लगे जिस के बारे में पता चला कि वह गांगुपारा की ओर जा रही थी।

51 कुंडीय वैदिक महायज्ञ संपन्न, एसपी रिजवी रहे मुख्य यजमान

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया भाग, वैदिक मंत्रों से गुंजायमान हुआ परिसर

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। आर्य समाज लोहरदगा के तत्वावधान में रविवार को मधुसूदन लाल अग्रवाल महिला महाविद्यालय, बरवाटोली परिसर में एक दिवसीय 51 कुंडीय विश्व कल्याण वैदिक महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिज़वी मुख्य यजमान रहे। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालु, आर्य समाज के पदाधिकारी, गुरुकुल के छात्र-छात्राएं और समाजसेवी मौजूद रहे। यज्ञ का उद्देश्य विश्व शांति, सामाजिक सौहार्द, पर्यावरण संरक्षण और वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार को प्रोत्साहित करना था। वेद मंत्रों के उच्चारण और यज्ञ अग्नि की आभा से वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा व्याप्त हो गई। महायज्ञ में झारखंड राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान आचार्य कौटिल्य, कोषाध्यक्ष जीवन गोप, मंत्री पूर्णचंद्र आर्य, आर्य समाज लोहरदगा के प्रधान नीरज प्रसाद आर्य, मंत्री डॉ. आचार्य अशोक, मीडिया प्रभारी हिमांशु कुमार, संगठन मंत्री लोकेश भूषण समेत हजारीबाग व लोहरदगा के कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

मुख्य यजमान एसपी सादिक अनवर रिज़वी ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मकता और शांति का संदेश देते हैं तथा वैदिक परंपरा हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूती प्रदान करती है। आचार्य कौटिल्य ने कहा कि वैदिक यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पर्यावरण और सामाजिक चेतना का वैज्ञानिक आधार है। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ। आयोजन को सफल बनाने में आर्य समाज लोहरदगा के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संगठन सृजन मंथन वर्ष में मण्डल अध्यक्षों की होगी महत्वपूर्ण भूमिका : निश्चय वर्मा

- सभी प्रखंड अध्यक्ष को पुन: मनोनीत होने पर कांग्रेस नेता ने दिया बधाई

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के पत्रांक 405, 30 मई 2025 को दिए गए निर्देश के अलोक में संगठन का सृजन वर्ष के कारण पूर्व के सभी प्रखंड अध्यक्ष यथावत बने रहने देने का आदेश दिए जाने से कांग्रेस नेता निश्चय वर्मा ने सभी प्रखण्ड अध्यक्षों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तथा झारखण्ड प्रदेश प्रभारी सह केन्द्रीय सचिव के राजु एवं लोहरदगा जिला कांग्रेस नेता पार्टी के अभिभावक धीरज प्रसाद साहू को साधुवाद दिया है। कांग्रेस नेता निश्चय वर्मा ने कहा की संगठन का सृजन वर्ष मनाया जा रहा है। संगठन को मजबूती देने का प्रयास किया जा रहा है और जिला के सभी प्रखंड अध्यक्ष संगठन को मजबूती प्रदान कर रहे है, इनके पूर्व के कार्यकाल में संसदीय चुनाव और विधानसभा चुनाव में लोहरदगा कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन किया था। जिसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है लोहरदगा कांग्रेस को जड़ से मजबूत करने में सभी प्रखंड अध्यक्षों का सहयोग निरंतर पार्टी को मिलता रहा है और मेरा विश्वास है कि उनके सहयोग से आने वाले वक्त में भी कांग्रेस पार्टी का परचम इसी प्रकार लहराता रहेगा पूर्व में भी देखा गया है हमारे पार्टी के प्रखंड अध्यक्षों का जनता से सीधा संपर्क रहता है जिससे लोगों की किसी भी प्रकार की समस्या का निपटारा इनके माध्यम से कराया जाता है मैं लोहरदगा कांग्रेस कमिटी के सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि आप सभी के नेतृत्व में जिला के सभी प्रखंड में कांग्रेस पार्टी एक नई ऊंचाई को प्राप्त करेगी।

कदलेटा सरना में पारंपरिक पूजा-अर्चना

बैगा-पहान व ग्रामीणों ने समृद्ध फसल का आशीर्वाद मांगा

नवीन मेल संवाददाता

गुमला (रायडीह)। ग्राम देवी-देवताओं की कृपा और अच्छी वर्षा की कामना को लेकर गुमला जिला के रायडीह प्रखंड अंतर्गत कोब्जा पंचायत के राजस्व ग्राम रमजा स्थित कदलेटा सरना स्थल पर पारंपरिक पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बैगा-पहानों और ग्रामीणों ने मिलकर सनातन परंपरा के अनुसार धान, उड़द, दलहन और तिलहन की बुआई से पहले ग्राम देवताओं और इन्द्र देव की पूजा की। मान्यता है कि देवी-देवताओं के आशीर्वाद से समय पर वर्षा होती है और फसलें अच्छी होती हैं।

पूजन के पश्चात परंपरानुसार मुर्गा और बकरा की बलि दी गई। इस अवसर पर बैगा विजय बैगा, धनुर्जय बैगा और परशुराम बैगा ने विधिवत पूजा संपन्न करवाई। पूजा महोत्सव में ग्रामीण पुजार बिहारी उरांव, अशोक सिंह, गुलाब उरांव, फलिन्द्र सिंह, सत्यनारायण सिंह, भीम सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण श्रद्धालु उपस्थित रहे।

यह आयोजन आदिवासी परंपरा और प्रकृति के प्रति आस्था का जीवंत उदाहरण रहा, जो पीढ़ियों से वनवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान को अक्षुण्ण बनाए हुए है।

मालवाहक व बाइक की सीधी टक्कर, युवक-युवती घायल

घाघरा। घाघरा थाना क्षेत्र के नवडीहा पुल के समीप चार चक्के मालवाहक वाहन और मोटरसाइकिल के सीधी टक्कर में मोटरसाइकिल सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में लातेहार होटवार निवासी अभिमन्यु कुमार पासवान और मनीता कुमारी के नाम शामिल है। दोनों घायलों को ग्रामीणों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा लाया गया जांच चिकित्सा द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु दोनों को गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बाबत मिली जानकारी के अनुसार अभिमन्यु और मनीता मोटरसाइकिल पर सवार होकर नेतरहाट घूमने गए थे और लौटने के क्रम में नवडीहा पुल के समीप विपरीत दिशा से आ रहे चार चक्के मालवाहक वाहन से सीधी टक्कर हो गई जिससे मोटरसाइकिल सवार दोनों घायल हो गए घटना की सूचना मिलने पर पुलिस दल बल के साथ घटनास्थल पहुंच मामले की छांव में जुट गई है।

'फिट इंडिया साइक्लिंग ऑन संडे' रैली का आयोजन

गुमला में दिया गया फिटनेस व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। कल विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में गुमला जिले में 'फिट इंडिया मिशन' के तहत 'फिट इंडिया साइक्लिंग ऑन संडे' अभियान के अंतर्गत तिरंगा साइक्लिंग रैली का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन 01 जून (रविवार) को "साइकिल पर रविवार" विशेष संस्करण के तहत किया गया, जिसमें जिले के आवासीय, डे बोर्डिंग, क्रीड़ा किसलय और खेलो इंडिया प्रशिक्षण केंद्रों के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल प्रेमियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली का उद्देश्य लोगों को सप्ताह में कम से कम एक दिन साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करना था, ताकि वे स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर जिलेवासियों को फिटनेस, मोटापा मुक्ति, तनाव प्रबंधन और हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। साइक्लिंग को केवल एक व्यायाम ही नहीं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी लाभकारी बताते हुए यह संदेश दिया गया कि साइकिलिंग प्रदूषण कम करने और पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम है।

बरसलोया गांव में चोरी व बाइक जलाने की कोशिश, गांव में दहशत

नवीन मेल संवाददाता

● बक्सा से 2-3 हजार रुपये चोरी कर 50 मीटर दूर फेंका

कोलेबिरा। कोलेबिरा थाना क्षेत्र के बरसलोया गांव में बीती रात अज्ञात चोरों के द्वारा एक मोटरसाइकिल एवं एक दुकान से पैसे की चोरी कर ली गई ।इसके अलावा चोरों ने घर के बाहर खड़े एक मोटरसाइकिल में आग लगाने की कोशिश भी किया। चोरों के द्वारा स्थानीय होटल के संचालक अजय गुप्ता का मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई है,शिव गुप्ता के मोटरसाइकिल को आग लगाने का प्रयास किया गया है। वहीं मनोज चौरसिया के घर स्थित दुकान से पैसा की चोरी करके पैसा रखने वाले बक्सा को घर से 50 मीटर की दूरी पर फेंक दिया गया। चोरी के संबंध में मनोज चौरसिया ने बताया कि बक्सा में 2-3 हजार रुपए नगद राशि थी जिसे चोरों ने चोरी कर ली ।इस घटना के बाद गांव के लोगों में भय का माहौल है. चोरी की घटना की जानकारी मिलने पर कोलेबिरा पुलिस दलबल के साथ गांव पहुंची तथा घटना के संबंध में भुक्त भोगी ग्रामीण से चोरी के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त किया और इस घटना में सम्मिलित चोरों के संभावित ठिकाने में छापामारी कर रही है वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने यह भी बतलाया कि कुछ दिन पूर्व लचरागढ़ में भी बाइक चोरी की घटना हो चुकी है।

प्रसिद्ध हॉकी कोच प्रतिमा बरवा का निधन खेल जगत में शोक की लहर

सिमडेगा। राज्य की प्रसिद्ध हॉकी कोच प्रतिमा बरवा के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन पर सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। विधायक ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है। शोक व्यक्त करते हुए विधायक ने कहा कि खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों और समाज के लिए यह बहुत ही दुखद क्षण है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा बरवा सिर्फ एक कोच नहीं, बल्कि हजारों बेटियों की प्रेरणा थीं।

चार जून को झारखंड बंद का आह्वान

गुमला में सरना स्थल बचाओ व आदिवासी अधिकारों के समर्थन में तेज हुआ आंदोलन

● तीन जून को राज्यव्यापी पुतला दहन

● बढ़ रही नशा, तस्करी और जमीन लूट की घटनाएं

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। सिरम टोली सरना स्थल बचाओ सह आदिवासी अधिकार संघर्ष मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को गुमला में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की, आदिवासी नेत्री निशा भगत, देवेंद्र लाल उरांव समेत कई प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान आगामी 4 जून को झारखंड बंद को लेकर रणनीति साझा की गई और गुमला में भी बंद को सफल बनाने का संकल्प लिया गया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि सिरम टोली सरना स्थल पर कथित रूप से रैम उतारने जैसी घटनाएं आदिवासी समाज की आस्था और भावना के साथ खुला खिलवाड़ है। साथ ही उन्होंने सरना धर्म कोड लागू करने, पेसा कानून को प्रभावी रूप से लागू करने, जल-जंगल-जमीन की लूट रोकने, सरकार की शराब नीति को वापस लेने, और बालू एवं खनिज तस्करी पर रोक लगाने जैसी मांगों को दोहराया।

वक्ताओं ने जानकारी दी कि बंद से पहले 3 जून को राज्य सरकार का पुतला दहन एवं मसाल जुलूस निकाला जाएगा, जिसमें गुमला जिले से बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग भाग लेंगे।

देवेंद्र लाल उरांव ने कहा कि 4 जून को गुमला बंद पूरी तरह सफल और ऐतिहासिक होगा। उन्होंने आम जनता और युवाओं से अपील की कि वे इस संघर्ष में साथ दें और अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर खड़े हों।

प्रेस वार्ता में वक्ताओं ने यह भी कहा कि राज्य में नशा, ड्रग्स, लकड़ी, पत्थर और बालू तस्करी चरम पर है। वहीं, आदिवासी धार्मिक स्थलों, मसना-सरना स्थलों पर अतिक्रमण जैसी घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे समाज में गहरा आक्रोश है। इस प्रेस वार्ता में मौजूद नेताओं ने स्पष्ट कर दिया कि यह आंदोलन केवल एक बंद नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा का संघर्ष है। उन्होंने पूरे राज्यवासियों से 4 जून को झारखंड बंद में सहयोग की अपील की है।

सरना स्थल पर हो रहा भावनाओं का अपमान फूलचंद तिर्की

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि, "हेमंत सोरेन आदिवासियों के वोट से सत्ता में आए, लेकिन अब उन्हीं के अधिकारों को कुचल रहे हैं। पेसा कानून को राज्य में लागू नहीं किया गया, उल्टे आदिवासी क्षेत्रों में शराब की दुकानें खोलकर समाज को कमजोर करने की साजिश रची जा रही है।"

रांची में आदिवासी नाबालिग से दुष्कर्म पर भी उठाए सवाल

आदिवासी नेत्री निशा भगत ने हाल ही में रांची जिले के नगड़ी जंगल में गुमला की आदिवासी लड़की के साथ हुए दुष्कर्म की घटना को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा और रोजगार देने में विफल रही है और आदिवासी अस्मिता को मिटाने के लिए नशे और तस्करी को बढ़ावा दे रही है।

साहुबेड़ा आर.सी. चर्च में 46 बच्चों ने पहला परम प्रसाद ग्रहण किया

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो प्रखंड के साहुबेड़ा स्थित आर.सी. काथोलिक चर्च में रविवार को पहला परम प्रसाद समारोह पूरे धार्मिक उल्लास और भक्ति भाव से संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर चर्च परिसर में भव्य मिस्सा अनुष्ठान का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया ।धर्मविधि अनुष्ठान का नेतृत्व फादर बिमल जोजो ने किया। उन्होंने विधिवत रूप से 46 बच्चों को पहला परम प्रसाद संस्कार ग्रहण कराया। यह बच्चों के ईसाई धार्मिक जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है, जिसमें वे पहली बार प्रभु यीशु के शरीर और रक्त (रोटी और दाखरस) के रूप में परम प्रसाद प्राप्त करते हैं ।समारोह के उपरांत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न महिला मंडलियों की ओर से गीत और नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पारंपरिक परिधानों और लोकगीतों की झलक ने समारोह में भव्यता और उत्साह भर दिया ।बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए अभिभावकों ने माला और बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। इस पावन अवसर पर चर्च परिसर पूरी तरह से सुसज्जित था और समुदाय में आनंद का माहौल व्याप्त था ।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में दोमनिक किड़ो, मरसेल भेंगरा, कामिल डांग, अलविसिया भेंगरा, प्रचारक बिजय कंडुलना और साहुबेड़ा पंचायत की मुखिया सुसाना जड़िया उपस्थित थीं। सभी ने बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल धार्मिक जीवन की कामना की। समारोह के सफल आयोजन में चर्च समिति, अभिभावकों और गांववासियों का सक्रिय सहयोग रहा। यह आयोजन ईसाई समुदाय के लिए आध्यात्मिक रूप से समर्पण और एकता का प्रतीक बन गया।

भरनो में राशन डीलरों की समीक्षा बैठक

मृत के नाम हटाने का निर्देश

● राशन वितरण में पारदर्शिता पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। प्रखंड कार्यालय के सभागार में अंचल अधिकारी सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश कुजूर की अध्यक्षता में प्रखंड के सभी राशन डीलरों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जून, जुलाई और अगस्त महीने के राशन का उठाव 7 जून तक हर हाल में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, राशन कार्ड की सूची में शामिल मृत एवं विवाह उपरांत स्थानांतरित हो चुके लाभुकों के नाम अविलंब हटाने के निर्देश डीलरों को दिए गए। पदाधिकारी ने केपीएल पोर्टल के अंतर्गत ऐसे लाभुकों की सूची भी प्रस्तुत करने को कहा, जिन्होंने पिछले 6 से 12 महीनों के भीतर राशन नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई आवश्यक है ताकि अपात्र व्यक्तियों को हटाकर वास्तविक लाभुकों को सरकारी योजनाओं का पूर्ण लाभ मिल सके। बैठक का मुख्य उद्देश्य राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाना और गड़बड़ियों को समाप्त करना रहा।

कुएं से मिला अज्ञात युवक का शव

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। घाघरा थाना क्षेत्र के कोतरी गांव स्थित एक कुएं से पुलिस ने अज्ञात युवक का शव बरामद किया है। शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, कोतरी गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित कुएं के पास ग्रामीण पानी भरने गए थे। इसी दौरान उन्होंने कुएं में एक शव को तैरते हुए देखा। इसके बाद तुरंत इसकी सूचना घाघरा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थानेदार पुनीत मिंज के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकालकर थाने ले आई। पुलिस ने जब शव की जांच की तो पाया कि मृतक के पैरों में बोरी में भरा हुआ पत्थर बांधा गया था। इससे स्पष्ट रूप से आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर शव को कुएं में फेंका गया है ताकि वह ऊपर न आ सके। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्टों की भी छानबीन की जा रही है। पुलिस का कहना है कि शव की पहचान और हत्या के कारणों का जल्द खुलासा किया जाएगा।

तेलगांव में पैसा व मोबाइल छीनकर भाग रहे युवक को ग्रामीणों ने पकड़ा, किया पुलिस के हवाले

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र अंतर्गत तेलगांव में सतपारा घट्टा निवासी 19 वर्षीय भूपेंद्र भगत एक व्यक्ति का बटुआ छीनकर भागने का प्रयास किया इसके बाद ग्रामीण उसे गांव में पकड़ लिए और जमकर धुनाई की जिसके बाद गुमला पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक तेलगांव निवासी सुरेश प्रधान गुमला शहर के जीतपाहन चौक के पास ठेला लगाकर चना बेचने का काम करता है कार्य समाप्त कर अपने घर लौट रहा था तभी बाघमारा मोड़ के पास एक युवकों उसे मिला और दोनों बातचीत करते हुए गांव की ओर आने लगे। जैसे ही सुरेश अपने घर के पास पहुंचा और अपनी बेटी को सामान अंदर करने के लिए बोला इसके बाद अपने गले से बटुआ निकाल कर बेटी को देने लगा तभी मौका पाकर युवक बटुआ छीनकर भागने लगा। इसके बाद सुरेश चोर चोर चिल्लाने लगे। आसपास मौजूद युवकों ने खदेड़कर कर आरोपी को पकड़ा इसके बाद उसकी जमकर धुनाई की गई और पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं आरोपी युवक ने बताया वह अपने पिता का बाइक लेकर घर से निकला था डांट और मार खाने के डर से वह बाइक घर में रखकर घर से भाग गया। उसने बताया कि उसे भूख लगी थी और उसके पास पैसे भी नहीं थे जिसके कारण उसने चोरी की। बटुआ में करीब 1500 रुपया और मोबाइल था।

बाइक अनियंत्रित होकर दीवार से टकराई, युवक गंभीर रूप से घायल

भरनो (गुमला)। भरनो थाना क्षेत्र के लालटोली गांव के पास शनिवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में भरनो टेटगाटोली गांव निवासी 22 वर्षीय मनोज उरांव गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरनो लाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मनोज उरांव जतरगढ़ी बाजार से बाइक पर सवार होकर लौट रहा था। बाइक की रफ्तार काफी तेज थी, जिस कारण वह नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे बने एक अर्धनिर्मित मकान की दीवार से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और युवक सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। हादसे के वक्त मौके पर मौजूद एक बच्चा भी दुर्घटना की चपेट में आ गया, जिसे हल्की चोटें आई हैं। फिलहाल घायल युवक की हालत गंभीर बनी हुई है और डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है।

गुमला में किसानों को डीएसआर तकनीक अपनाने का आह्वान

1230 किसानों ने लिया प्रशिक्षण में भाग

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत आज कृषि विज्ञान केंद्र और आत्मा (एटीएमए) गुमला के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गुमला प्रखंड के 9 पंचायतों से आए किसानों, कृषि मित्रों और पंचायत प्रतिनिधियों की भागीदारी से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को जलवायु अनुकूल और टिकाऊ कृषि तकनीकों से अवगत कराना था, जिसमें प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, डीएसआर विधि, और केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी शामिल थी।

कार्यक्रम में लगभग 1230 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें सहायक तकनीकी प्रबंधक, ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक, किसान मित्र, महिला एवं पुरुष किसान, प्रगतिशील कृषक, और पंचायती राज संस्थानों के सदस्य शामिल थे। सभी ने कृषि क्षेत्र की नवीन तकनीकों पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डॉ. संजय कुमार का डीएसआर (सीधी बुआई वाला चावल) विषय पर व्याख्यान रहा। उन्होंने कहा कि पारंपरिक धान रोपाई में जहां अत्यधिक पानी, समय और श्रम की आवश्यकता होती है, वहीं डीएसआर विधि में 30-40% पानी की बचत होती है, श्रम लागत कम आती है और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल खेती संभव होती है। विशेष रूप से वर्षा पर निर्भर क्षेत्रों जैसे गुमला के लिए यह तकनीक उपयुक्त है। उन्होंने बीज उपचार, खरपतवार प्रबंधन, और उर्वरक के संतुलित प्रयोग पर भी विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख डॉ. संजय कुमार के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि "यदि गांव, किसान और खेत उन्नत होंगे, तभी भारत विकसित बनेगा।" उन्होंने किसानों से टिकाऊ और वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने की अपील की।

अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर वैज्ञानिकों के व्याख्यान

- **मृदा स्वास्थ्य कार्ड :** वैज्ञानिकों ने बताया कि मिट्टी की जांच और संतुलित उर्वरक उपयोग से उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग कर उपयुक्त पोषक तत्वों के चयन की सलाह दी गई।
- **समेकित कीट प्रबंधन :** कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से बचने के लिए जैविक और यांत्रिक उपायों की जानकारी दी गई। जैविक कीटनाशक, फेरोमोन ट्रैप, और प्रतिरोधी बीज किस्मों के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया।
- **प्राकृतिक खेती :** बीजामृत, जीवामृत, नीमास्त्र और वर्मी कम्पोस्ट जैसे प्राकृतिक उपायों से खेती को पर्यावरण के अनुकूल और कम लागत वाला बताया गया।
- **जलवायु अनुकूल कृषि :** सूखा-सहनशील किस्मों, फसल विविधिकरण, माइक्रो इरीगेशन, जल संचयन, और जैविक मल्चिंग जैसी तकनीकों को किसानों के सामने रखा गया।
- **सरकारी योजनाएं :** कृषि विभाग और आत्मा के अधिकारियों ने किसानों को पीएम-किसान, पीएमकेएसवाई, पीएमएफबीवाई, आत्मा योजनाएं और कृषि यंत्रीकरण योजना जैसी योजनाओं की जानकारी दी और आवेदन की प्रक्रिया बताई।
- **संवाद और सहभागिता :** कार्यक्रम में किसानों ने अपने अनुभव साझा किए और वैज्ञानिकों से खेती संबंधी प्रश्न पूछे। महिला किसानों ने पोषण वाटिका, मशरूम उत्पादन, वर्मी कम्पोस्ट जैसे विषयों में विशेष रुचि दिखाई। यह संवादात्मक सत्र किसानों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा।
- **समापन और प्रमाण पत्र वितरण :** कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया गया और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही यह अपील की गई कि किसान प्राप्त ज्ञान को अपने खेतों में लागू करें और अन्य किसानों को भी प्रेरित करें, ताकि गुमला जिले में कृषि विकास की नई दिशा स्थापित हो सके।

तेली समाज की बैठक में अधिवेशन को धूमधाम से मनाने का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। छोटा नागपुरिया तेली समाज लोहरदगा के कोर कमिटी की बैठक तेली धर्मशाला में संपन हुई। जिसकी अध्यक्षता कोर कमिटी के संयोजक प्रो शिव दयाल साहू द्वारा किया गया। जिसमे मुख्य रूप से तेली समाज के तत्वाधान में दिनांक 15 जून 2025 दिन रविवार को तेली धर्मशाला में तेली अधिवेशन धूमधाम से मनाने एवं जिला समिति के नए पदाधिकारियों का चुनाव करने का निर्णय लिया गया।

अधिवेशन में झारखंड प्रदेश तेली समाज के प्रदेश अध्यक्ष अरूण साहू को और छोटा नागपुरिया तेली समाज के केंद्रीय अध्यक्ष उदासन नाग को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ साथ लोहरदगा जिले के सभी प्रखंडों में कोर कमिटी के संयोजक और माननीय सदस्यों के द्वारा जाकर समाज के सभी लोगो को अधिवेशन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का अपील किया जाएगा। बैठक में लखपति साहू द्वारा धर्मशाला से संबंधित विषयों और समस्यायों को लिखित आवेदन दिया गया। जिसमे उपस्थित कोर कमेटी के सदस्यों द्वारा विचार विमर्श किया गया। कोर कमेटी के सभी सदस्यों ने अवयश्यक कार्य अविलंब करने का निर्देश धर्मशाला बुकिंग इंचार्ज लखपति साहू को दिया। समाज के पूर्व के कोर कमेटी के बैठक में लिए गए निर्णय यथावत रहेगी। कोर कमेटी के सदस्यों द्वारा विचार विमर्श कर निर्णय लिया कि समाज को संगठित करने के लिए जिला समिति के पदाधिकारियों का चुनाव योग्य अनुभवी लोगो का ही चुनाव किया जाएगा। यह भी निर्णय लिया गया की जिला समिति के चुनाव के बाद धर्मशाला संचालन समिति का गठन किया जाएगा। बैठक मे लखपति साहू, सत्यनारायण साहू, मुन्ना साहू, मुकेश प्रसाद साहू, रामबिलास साहू, बजरंग साहू, सोहन साहु, विदेशी साहू समेत कई लोग उपस्थित थे।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

मेरे मन का राज्य अज्ञान से मलिन है। प्रभु! मुझे आशीर्वाद दें कि आत्मानुशासन के सतत प्रयासों की निरंतर वर्षा द्वारा मैं अपनी आध्यात्मिक लापरवाही के नगरों से, अज्ञान के प्राचीन मलबे को हटाने में समर्थ बन सकूँ। **- श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

राजनीति से अनजान अभिनेता की भाषा राजनीति

पर्दे पर लेखकों की स्क्रिप्ट और निर्देशकों के इशारों पर नाचने वाले कथित हीरो जब नेता बनकर राजनीतिक बयान देते हैं तो विवाद करने वालों को इनकी समझ की समीक्षा करनी चाहिए। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन एक बार फिर गलत वजहों से चर्चा में आ गए हैं। चेन्नई में अपनी नई फिल्म के प्रचार के दौरान कन्नड़ भाषा पर उनकी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर कन्नड़ लोगों में गुस्सा है। विवाद तब हुआ, जब उन्होंने कहा कि कन्नड़ भाषा तमिल से ही पैदा हुई है। इससे भी बदतर बात यह रही कि कमल हासन ने यह बयान मशहूर कन्नड़ अभिनेता शिवा राजकुमार की मौजूदगी में दिया। विडंबना यह है कि शिवा राजकुमार मशहूर कन्नड़ सुपरस्टार दिवंगत डॉ. राजकुमार के पुत्र हैं, जिन्होंने 1980 के दशक में गोकक आंदोलन का नेतृत्व किया था। गोकक आंदोलन कर्नाटक के इतिहास के बेहद चर्चित भाषा अधिकार आंदोलनों में से एक है, जो कन्नड़ को पहली भाषा का दर्जा दिलाने के लिए लड़ा गया था। कमल हासन के बयान के बाद यह मुद्दा राजनीतिक रूप से गर्म हो गया है और कर्नाटक के विपक्षी व सत्तारूढ़ दोनों दलों के नेताओं ने इस मुद्दे को कन्नड़ लोगों के स्वाभिमान से जोड़ते हुए इसकी निंदा की है। अच्छा होता कि कावेरी नदी जल बंटवारे और भाषा संबंधी विवादों को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों के मद्देनजर दिग्गज अभिनेता अपनी सार्वजनिक हैसियत को देखते हुए इस तरह के बयान को देने से पहले थोड़ी सावधानी बरतते। खासकर तब, जब दोनों ही राज्य भाषा के मामले में बेहद संवेदनशील हैं और एक छोटी-सी चिंगारी भी बड़ी आग लगा सकती है। बेलगावी, मैसूर, हुबली और बंगलूरू जैसी कई जगहों पर पहले ही विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। दूसरी तरफ, डीएमके, पीएमके, वीसीके, एनटीके जैसे तमिलनाडु के मुख्यधारा के राजनीतिक दलों ने कमल हासन का यह कहते हुए खुलकर समर्थन किया कि अभिनेता ने केवल ऐतिहासिक तथ्यों का हवाला दिया है और कुछ पार्टियों ने तो दो कदम और आगे बढ़ते हुए यह दावा भी कर दिया कि 'तमिल सभी द्रविड़ भाषाओं की जननी है।' इसने आग में और घी डालने का काम किया है। इस संदर्भ में यह समझने के लिए कि क्या कमल हासन के बयान का कोई महत्व है या नहीं, इसे इतिहास की कसौटी पर परखना होगा। दशकों तक चले कठिन शोध के बाद भाषाविदों ने पांच द्रविड़ भाषाओं की पहचान की है, जिनमें तमिल, तेलुगू, तुलू, मलयालम और कन्नड़ शामिल हैं। इन्हें 'पंच द्रविड़' कहा जाता है। भाषाविदों के बीच एक बड़ी सहमति है कि लगभग चार हजार वर्ष पूर्व, ये पांच द्रविड़ भाषाएं एक ही भाषा थी, जिसे प्रोटो-द्रविड़ कहा जाता था। हालांकि, इस प्रोटो-द्रविड़ भाषा ने समय के साथ अपना महत्व खो दिया और विलुप्त हो गई। इसकी वजह यह थी कि इस भाषा के बोलने वाले अलग-अलग क्षेत्रों में चले गए और वहां अपनी व्यक्तिगत पहचान स्थापित की। इसी प्रक्रिया में कन्नड़ और तमिल जैसी भाषाएं, जो द्रविड़ परिवार की प्रमुख भाषाएं हैं, एक मूल पूर्वज, यानी प्रोटो-द्रविड़ से अलग शाखाओं के रूप में विकसित हुईं।

चेन्नई में अपनी नई फिल्म के प्रचार के दौरान कन्नड़ भाषा पर उनकी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर कन्नड़ लोगों में गुस्सा है।

जिससे प्रेम हो जाए उससे द्वेष नहीं होता!

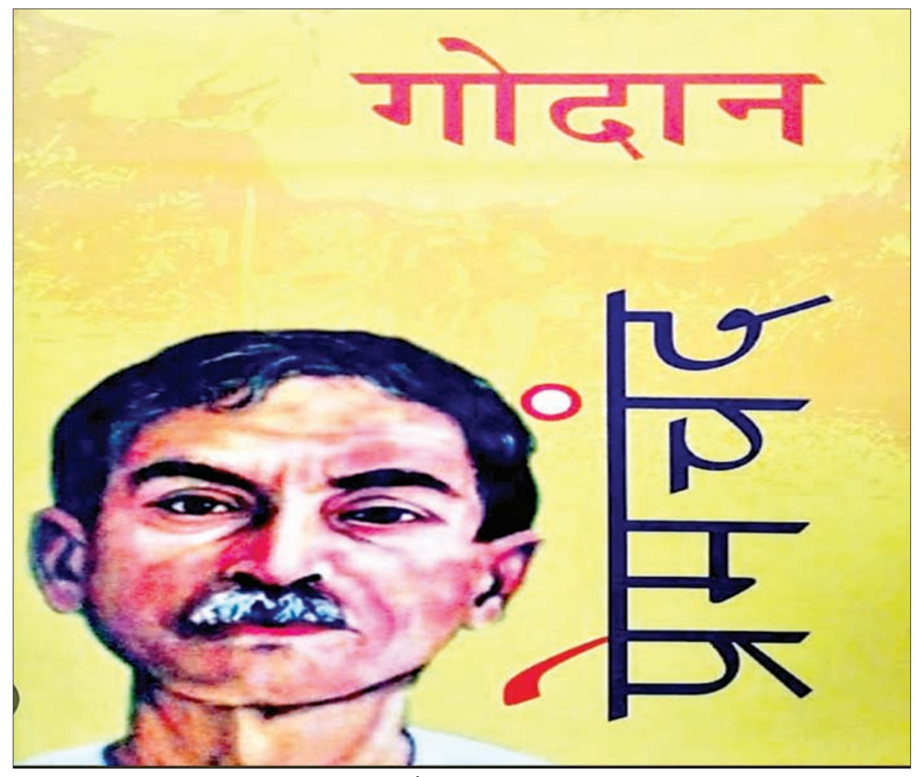

जिससे एक बार प्रेम हो जाए, उससे द्वेष नहीं होता। चाहे वह हमारे साथ कितना ही "अन्याय" क्यों न करें। अस्तित्व में प्रेम एक-दूसरे में खो जाना है। वहां न घटना होती है, न संघर्ष। वह घटना की मृत्यु है और संघर्ष विराम है। प्रेम भी मृत्यु है, एक आनंदपूर्ण मृत्यु। कदाचित इसी कारण प्रेम को अमर माना गया है। सुकरात इस स्थिति के लिए कहता है-नो दाइसेल्फ। भारतीय साहित्य में प्रेमचंद्र का सृजन संसार भी प्रेम की तरह अनूठा और कालजयी है। सुकरात का मानना था कि ज्ञान साक्षात अनुभव से होता है और प्रेमचंद्र का उपन्यास उसी साक्षात अनुभव का जीवंत चित्रण है। एक महान सूक्ति है कि- नदी में दो बार पैर नहीं रखा जा सकता है। वहीं बात प्रेम के लिए है और वही सत्य प्रेमचंद्र के लेखन के लिए है। आप पैर रख दिए, तो प्रेम और सृजन के एक अमिट संसार में चले गये, जहां से वापस आना असंभव नहीं तो कठिन जरूर होता है। यह इसलिए हो सका कि प्रेमचंद के लेखन में यथार्थवाद प्रमुखता से शामिल था। इस यथार्थ में कोई वैचारिक मिलावट नहीं होता है। उनका उपन्यास "गोदान" एक अनूठे प्रेम की गाथा है, जिसमें होरी अपने जीवन की इच्छा को पूरा करने के लिए वह सब कुछ करता है जो वह कर सकता है। यह एक ऐसी पुस्तक है जिसमें कोई इच्छा नहीं है, एक जीवन अनुभव है जिसे आप नहीं जीते हैं। बाद में आप खुद को छोटा और अनुभवी और छोटा और जिम्मेदार महसूस करते हैं। यहां एक दिलचस्प प्रेम की दुनिया है जहां मानव मन कुछ चाहने लगता है तो उसको पाने के लिए हर संभव प्रयास करता है। गाँव की पृष्ठभूमि पर आधारित और ऐसे लोगों के जीवन पर आधारित उपन्यास मेरे लिए पूरी तरह से अपनापन का बोध हैं। गोदान प्रेमचंद का सबसे प्रसिद्ध उपन्यास है। यह एक गरीब किसान और उसके परिवार के अस्तित्व और आत्मसम्मान के संघर्ष की कहानी है। कहानी होरी और उसके परिवार की है। यह उसके पड़ोसियों, नियोक्ताओं, पुजारियों और उसके आस-पास के अन्य लोगों की भी कहानी है। गोदान स्वतंत्रता-पूर्व हिंदी पट्टी का एक जीवंत चित्रण करता है। यह किताब 1936 में प्रकाशित हुई थी, लेकिन आश्चर्यजनक है कि यह आज भी प्रासंगिक है। विगत 90 साल के वही मुद्दे आज भी बहुत गंभीर रूप से मौजूद हैं। कहानी पूरी तरह से गाय की इच्छा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे धन माना जाता है। होरी साहूकारों के भारी कर्ज में है, जो बहुत ऊंची दर पर ब्याज लेते हैं। उसकी सारी कमाई ब्याज चुकाने में चली जाती है और वह कभी भी मूलधन वापस नहीं कर पाता, इस तरह वह कभी भी कर्ज से बाहर नहीं निकल पाता। अमीर और अमीर होते जाते हैं और गरीब और गरीब होते जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों में गाय पाना असंभव लगता है। लेकिन हालात होरी को गाय दिलाने की साजिश करते हैं। लेकिन गाय आशीर्वाद से ज्यादा विपत्ति लेकर आती है। इस किताब में दिलचस्प बात यह है कि होरी और उसकी पत्नी धनिया खुद अपराधी और पीड़ित दोनों हैं। वे प्रतिष्ठा और सम्मान की निरर्थक अवधारणाओं से इतने बंधे हुए हैं कि वे कर्ज चुकाने या पैसे का इस तरह से इस्तेमाल करने के बजाय बेमतलब की चीजों पर पैसा बरबाद कर देते हैं जिससे वे दुष्चक्र से बाहर नहीं निकल सकें। यहां तक कि जब उसका बेटा गोबर बैंकों द्वारा ली जाने वाली दर पर पैसे वापस करने की पेशकश करता है, तो होरी ब्राह्मणों के डर को अपने सामान्य ज्ञान पर हावी होने देता है और प्रस्ताव को अस्वीकार कर देता है। इसी तरह, धनिया अपनी बेटी की शादी के लिए दहेज देने पर जोर देती है, भले ही इसकी जरूरत न हो। जब लोगों को गड्ढे से बाहर निकलने की कोशिश करनी होती है तो सामाजिक कंडीशनिंग प्रत्यक्ष उत्पीड़न जितनी ही मजबूत लगती है।

आज की बात

डॉ मयंक मुरारी

गोदान के माध्यम से प्रेम को पुनर्परिभाषित किया गया है। गांव जब घर बन जाए, पड़ोसी जब अपना लगने लगे और उसकी समस्या हमारी समस्या हो जाए। जब कोई भूखे रहे, तो हमको भूख महसूस हो जाए, ठंड की अनुभूति तब हो जब किसी के पास तन ढ़कने का कपड़ा न हो। उस पल में हम अपना गर्म कपड़ा देने को सोचे। यह प्यार ऐसा है, जिसमें हम दूसरे को अपना समझने लगते हैं। प्रेमचंद्र की कहानी हो, उपन्यास हो या अन्य सृजन संसार। उन्होंने समाज को अपनी यथार्थ लेखनी के माध्यम से एक कटु परंतु सार्थक दुनिया से अवगत कराया। क्या इसके पीछे महात्मा गांधी की जीवन प्रेरणा थी ! उनकी लेखनी से यह दिखता है। 1920 के दशक में महात्मा गांधी असहयोग आंदोलन और सामाजिक सुधार के लिए संघर्ष के कार्यक्रम चलाए हुए थे। इस अवधि के दौरान, उनकी रचनाएँ गरीबी, जमींदारी शोषण (प्रेमाश्रम, 1922), दहेज प्रथा (निर्मला ,1925), शैक्षिक सुधार और राजनीतिक उत्पीड़न (कर्मभूमि, 1931) जैसे सामाजिक मुद्दों से निपटती थीं। अपने अंतिम दिनों में, उन्होंने जटिल नाटक के मंच के रूप में ग्राम जीवन पर ध्यान केंद्रित किया, जैसा कि उनके सबसे प्रसिद्ध कार्य गोदान के साथ-साथ लघु-कथा संग्रह कफन (1936) में देखा गया है। उनके साहित्य को केवल ग्राम्य मान लेना ठीक नहीं, क्योंकि जब देश की 90 फीसदी आबादी ग्रामीण थी, तो सृजन का संसार तो ग्रामीण पृष्ठभूमि से रहेगा। गोदान इस बात को अच्छी तरह से दर्शाता है कि प्रेमचंद ने अपने सभी पात्रों के साथ आशा और निराशा, खुशी और दुख, महत्वाकांक्षा और लालच तथा हर संभव मानवीय भावना को बखूबी चित्रित किया है। प्रेमचंदजी ने मनुष्य की आशाओं और चाहतों का जो विवरण दिया, उसमें गोदान रची गई है, वह बिरला भी है। पूरे उपन्यास में एक बार भी ऐसा नहीं लगा कि किसी भी सिद्धांत, नियम, स्थिति, धारणा या सिद्धांत को किसी भी पहलू से देख या बता रहे हैं। भारतीय हिंदी साहित्य में यह बात प्रेमचंद्र को महान और उनके रचना संसार को विराट बनाता है। हिंदी साहित्य की विडंबना यही रही कि हम साहित्य सृजन करते समय यह भूल जाते है कि रचनाकार का कोई विचार नहीं होता है। अगर होता है, तो वह पात्र के माध्यम से भी दृष्टिगोचर नहीं होना चाहिए। प्रेमचंद अपने साहित्य के माध्यम से समय और समाज के चित्र को रखते हैं। जैसा उसका विवरण है वैसा ही उसका आदर्श भी है। हर हिंदी भाषी को यह जरूर जानना चाहिए कि प्रेमचंद हिंदी साहित्य की उत्तम रचना क्यों कर सके। इसके लिए यह किताब एक दस्तावेज है। यह किताब साहित्य का एक शानदार उपहार है। इसके किरदार इतने जीवंत लगते हैं कि हम भूल जाते हैं कि वे किसी किताब से हैं। हम किरदारों के दर्द को महसूस करते हैं, हम उनके साथ आनंद लेते हैं, संक्षेप में आप वही महसूस करते हैं जो वे महसूस करते हैं। एक बेहतरीन दार्शनिक स्पर्श के साथ एक पूरी तरह से ज्ञानवर्द्धक उपन्यास।

(महान साहित्यकार प्रेमचंद्र की कालजयी रचना गोदान पर विचार मीमांसा)

फेसबुक पर फेम का फंदा

लालबाबू का फेसबुक प्रोफ़ाइल देखिए, तो लगेगा जैसे साहित्य अकादमी पुरस्कार उनके ही नाम लिखा हो और गूगल भी इनके स्टेटस अपडेट देखकर हिंदी में सोचने लगा हो। सुबह की शुरुआत ब्रह्ममुहूर्त में नहीं, ब्राउज़मुहूर्त में होती है। आँख खुलते ही स्क्रीन पर अंगुली फिरा कर स्क्रॉल-वंदना करते हैं, जैसे कोई सच्चा भक्त रामचरितमानस खोलकर रामनाम का जप करता हो। हर कमेंट पर "धन्यवाद मित्र" लिखते हैं, जैसे कमेंट नहीं, आशीर्वाद आ रहे हों। और अगर किसी ने 'वाह' के आगे दो एक्सक्लेमेशन लगा दिए, तो समझिए, उस पर तो लालबाबू अगली कविता ही समर्पित कर देंगे। "भाई साहब, साहित्य क्या है?" एक नासमझ ने कभी उनसे पूछ लिया था। लालबाबू ने सीना फुलाते हुए कहा, "साहित्य वही है जो फेसबुक पर 100 लाइक ला सके।" "बाक़ी सब?" "बाक़ी सब खड़िया मिट्टी है। रंग तो बस मेरी पोस्टों में है।" एक दिन किसी ई-पेपर के वार्षिक विशेषांक में छपी उनकी रचना ने तो सोशल मीडिया पर ऐसा धमाका किया, मानो उनकी कविता नहीं, कोई चुनावी घोषणा-पत्र प्रकाशित हुआ हो। हर पोस्ट में, हर जगह, हर कोने में 'बकलोल टाइम्स' का नाम चिपकाया गया। जैसे कोई सास, अपनी बहू को मिस वर्ल्ड जीतने पर पड़ोसियों को बार-बार याद दिलाती है—"हमारी बहू है ये!" वैसे ही लालबाबू भी कहते—"मेरी रचना है ये!" यहाँ तक कि चायवाले को भी उन्होंने स्क्रीनशॉट दिखा दिया—"देख, यही है आज की राष्ट्रीय उपलब्धि!" उनका मानना है कि साहित्य में वही विधा श्रेष्ठ है जिसमें उन्होंने सृजन किया है। बाक़ी सब—"वो सब तो व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के छात्र हैं!" जब शहर में कोई साहित्यिक कार्यक्रम होता है और मंच पर उन्हें जगह नहीं मिलती, तो वह इतना तिलमिला जाते हैं जैसे कोई ताजपोशी उनके सिर की बजाय पड़ोसी की छत पर कर दी गई हो। "हम न बुलाए गए? अच्छा! अब देखिएगा!" और फिर उनके चेले वहाँ जाते हैं, हंगामा करते हैं, मंच गिराते हैं, माइक खड़खड़ाते हैं। इधर मंच गिरता है, उधर लालबाबू पोस्ट करते हैं—"मंचीय भ्रष्टाचार के विरोध में चेलों ने किया विरोध।" पंच लाइन के पिटारे से जब भी कुछ फुरसत मिलती, वह किसी बड़े साहित्यकार के पोस्ट पर जाकर "लाजवाब, उत्कृष्ट" टाइप टिप्पणी कर आते। मतलब—"तेल तो लगा दिया, अब देखो कब हमारी भी बारी आए।" कभी-कभी वह अपनी पुरानी पोस्टों पर खुद ही कमेंट कर देते—"वाह! क्या लिखा है!" फेसबुक को शायद कभी समझ में न आए कि ये कमेंट लेखक का है या पाठक का। लेकिन उन्हें क्या? वो तो स्वयं ही रचयिता, स्वयं ही आलोचक।

आपकी बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सिंदूर सुहाग नहीं बल्कि सुंदरता, सौभाग्य सुख व काम के रंग को भी सुर्ख बनाता है

पहलगाम की घटना के बाद हमारा सिंदूर इन दिनों कहीं अधिक लाल हो गया है। भारतीय संस्कृति के लिए सिंदूर की लाली का कमाल कोई नई बात नहीं है। यह इसी सुर्ख रंग का कमाल है कि इसकी आभा से विश्व का कोना कोना आज लाल होकर रह गया है। इस चर्चा के मूल में भारतीय सैन्य शौर्य की कोख से निकला "ऑपरेशन सिंदूर" जरूर है परन्तु "सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम्। सुखदं कामदं चैव सीमन्ते धारयाम्यहम्।" के आलोक में यह ललाट के मध्य भाग को सुशोभित करने की क्षमता के साथ साथ रक्त वर्ण वाला हमारा सिंदूर सुंदरता, सौभाग्य, सुख और काम को बढ़ाने वाला भी बना हुआ है। निसंदेह सुहाग से जुड़ा होने के कारण यह एक पवित्र और महत्वपूर्ण सनातनी प्रतीक है परन्तु भारतीय संस्कृति की खुबी देखिए, यह वही सिंदूर है जिसके बूते हम उस पुरूषार्थ की कामना करते हैं जो खुद में सुख, काम व सौभाग्य की ओर ले जाने की भरपूर क्षमता का रखता है। संदर्भवश दर्शन की दृष्टि से देखें तो सिंदूर की यह लाली केवल श्रृंगार की बस्तु भर नहीं है क्योंकि यदि इतनी सी बात होती तो इसे धर्म (कर्तव्य), अर्थ (समृद्धि), काम (आनंद) व मोक्ष (मुक्ति) प्राप्ति का माध्यम नहीं माना जाता। इसके इस महत्त्व के बावजूद "ऑपरेशन सिंदूर" के आलेक में आजकल मजे से उस सिंदूर को लेकर दुर्भाग्यपूर्ण व उपहास की बातें दर्ज की जा रही हैं जिसे हमने सदैव धर्म व संस्कृति के साथ जोड़कर देखा है। इसे ही तुच्छ राजनीति कहा जाता है और ऐसी गंदी राजनीति के कारण विवाह व परिवार के प्रति समर्पण के इस प्रतीक को आज कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इधर देश के सत्ताधारी दल ने भी घर घर सिंदूर जैसे एक कार्यक्रम की घोषणा की है। इस कार्यक्रम की आलोचना हो सकती है और विपक्ष को इसके विरोध का पूरा अधिकार भी है परन्तु किसी भी दल या नेता को इस बात की इजाजत कतई नहीं दी जा सकती कि वह हमारे धर्म व संस्कृति के महत्वपूर्ण धरोहर के तौर पर स्थापित सिंदूर का माखौल उड़ाने लगे। इस बात की इजाजत इसलिए भी नहीं दी जा सकती क्योंकि हमारे सैन्य बलों के शौर्य का धर्म सिंदूर की उसी लाली के साथ जुड़ा हुआ है जो शौर्य, पुरूषार्थ, धन और समृद्धि के प्रतीक के रूप में सदियों से स्थापित रहा है। हमारा दुर्भाग्य देखिए, बिना समझे बूझे सोशल मीडिया भी बहुत मुखर बना हुआ है और इसे लेकर प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति पर भी व्यक्तिगत हमले किए जा रहे हैं।

देश की बात

केदारनाथ दास

इन हमलों में आपत्ति इस तर्क के साथ किया जा रहा है कि सिंदूर सिर्फ सुहाग का प्रतीक है और इसका उपयोग अपने पति की लंबी उम्र और सुखी जीवन की कामना के लिए किया जाता है। निसंदेह सिंदूर में सुहाग का श्रृंगार भी समायोजित है परन्तु हमारे लिए तो यह मोक्ष का माध्यम भी है और सांसारिक सुख का कारक भी है। इतना ही नहीं, एक चुटकी सिंदूर को अपने कुतर्कों से मलिन करनेवाले तत्वों को यह भी पता नहीं है कि भारतीय संस्कृति में सात जन्मों तक साथ निभाने वाले पति का स्वरूप परमेश्वर का होता है। ऐसे में पीड़ा इस बात को लेकर होती है कि इस तिरस्कार के साथ हम परमेश्वर की पूरी अवधारणा में से प्यार, आनंद, स्नेह, पुरूषार्थ आदि को भी नकाराते चले जा रहे हैं। इन हमलों का उद्देश्य अभी अस्पष्ट है परन्तु इसमें से भारतीय परंपराओं और समग्र सनातनी इतिहास को कठघरे में खड़ा करने की बू जरूर आ रही है। संदर्भवश सैकड़ों उदाहरण गिनाए जा सकते हैं जबकि पुरूषार्थ को समर्पित हमारे इस धरोहर का सुर्ख लाल रंग शुभ है, सौभाग्य का प्रतीक है व देवी देवताओं की आराधना सहित विभिन्न शुभ अवसरों पर पूरे मनोयोग के साथ उपयोगी है। बहरहाल भारतीय सेना का आभार कि उन्होंने आतंकवाद उन्मूलन के अपने संकल्प की मिसाइल के लिए इस पवित्र सिंदूर की लाली वाले लॉंचिंग पैड का चयन किया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

सोचा था, हम वक्त से , खेलेंगे इस बार।
वक्त हमीं से खेलकर, चला गया हर बार।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

व्यक्त करना आभार

एक ही शहर के हम तीन हिंदी साहित्यसेवी एक संध्या संयोग से रामु की पान दूकान पर इकट्ठे मिल गए। मैं तो नियमित रूप से जाने वाला था और वर्षों हुए, आँधी -पानी भी इसमें व्यवधान डालने में सफल नहीं हुए। लेकिन लेखक, आलोचक और स्तम्भकार (तीनों एक के बाद एक कहलाने वाले) एच एस विद्रोही (एच एस का अर्थ वे हिंदी साहित्यकार बताते हैं , इधर से होकर अपने ससुराल जाते समय अचानक पान खाने रुक गए थे। कवि धुरंधर जी अपनी कुँवारी साली साहिबा से मिलने जा रहे थे , क्योंकि उनकी पत्नी किसी सहेली के घर किट्टी पार्टी में गयी थी। कविवर अपनी साली महोदया के लिए अचानक ही मीठा पान बंधवाने के लिए आए थे। इन दोनों के अलग-अलग गुट हैं और दोनों एक दूसरे के घोर विरोधी भी हैं। अगर मैं नहीं होता तो अश्यम्भावी था कि दोनों एक -दूसरे पर पिल पड़ते। लेकिन मेरी उपस्थिति में वे परस्पर सौहार्द प्रकट करने में असमर्थ हो रहे थे। अपना न कोई गुट है और न राजनैतिक विचारधारा। एकदम सपाट शब्दों में तटस्थ ।इसलिए विवश हो रहे थे एक -दूसरे से बचने के लिए । तभी रामु ने उपस्थित होने के समय के नियम का पालन कर मुझे पहले पान का बीड़ा बढ़ाया। मैंने पान का बीड़ा लिया और सावधानी से दोनों के बीच में अपना हाथ बढ़ाया । दोनों सकुचा गए। मुझे आनंद आने लगा। जान बूझकर मैंने दोनों के मध्य देखकर कहा - पहले आप लीजिए । ताकि दोनों यह समझें कि उन्हें ही विनम्र अनुरोध किया है । दोनों एकसाथ बोल उठे- पहले आप । मैंने पान का बीड़ा अपने मुँह में रखा और धीरे से उसे अंदर गाल के दायीं तरफ जिह्वा से खिसका दिया , जिससे वार्तालाप में व्यवधान न हो । मैंने रामु को संकेत कर दिया कि बाकी दोनों एक साथ । अब दोनों ने एक साथ पान उठाया। अभी तक संतुलन बना हुआ देखकर मैंने बात प्रारम्भ की। मैं - सुना है कि डाक्टर त्रिशंकु जी अपने शहर में आए हुए हैं। पास में ही ठहरे हैं। आप दोनों जानते होंगे उनको । अरे वे वही हैं जो इस वर्ष राजभाषा विभाग द्वारा दिल्ली में सम्मानित हुए हैं। सुना है, बड़े विद्वान् हैं । लोग बताते हैं कि उनके दर्शन मात्र से साहित्य में लोग बहुत कुछ सीख लेते हैं। क्यों न हम तीनों अभी उनसे मिल लें। दोनों मेरे इस अकस्मात दिए गए प्रस्ताव पर सोचने लगे। सोचने में हुए विलम्ब का लाभ मैंने ले लिया। मैं - मौनं सम्मति लक्षणम। चलिए चलते हैं। मैंने उन्हें न कहने का अवसर तक न दिया और इससे पहले वे दोनों विपरीत दिशाओं में फूट लें , मैंने दोनों को अपने दोनों हाथों से पकड़ लिया और फिर मैं दोनों को खींचते हुए बढ़ चला। बचने का कोई विकल्प न देख दोनों साथ चलने लगे। मार्ग में मैंने कहा- देखिए, घनघोर नामी साहित्यकार हैं, तटस्थ हैं। लेकिन अगर विनम्रता दिखाएँगे और वे इससे प्रसन्न हो गए तो किसी राज्य से कोई बड़ा सम्मान दिलवा सकते हैं। इतना सुनकर दोनों के कसे हुए हाथ ढीले हुए। हमलोग डॉ त्रिशंकु के पास आ चुके थे। हमें देखते ही त्रिशंकु जी ने तीव्रता से अपने झोले से पाँच पुस्तकें निकाली और उसे सामने इस प्रकार रखा जिससे हमें लेखक के नाम पढ़ने में कठिनाई न हो। हमलोगों ने डॉ त्रिशंकु को नमस्कार किया। डॉ त्रिशंकु ने प्रणाम करने की मुद्रा बनाई और उनके मुखमंडल को देखकर यह विश्वास हो गया कि वे अभिवादन स्वीकार कर हमलोगों पर असीम कृपा कर रहे हैं। उनका भाव अब तटस्थ हो गया था। परिचय के बाद कवि धुरंधर जी ने नमस्कार की मुद्रा में हाथ जोड़े झुककर कहा- आपके दर्शन से धन्य हुआ। तुरंत ही डॉ विद्रोही जी ने उनके चरण छू लिए और कहा- आपकी चरणधूलि अपने मस्तक धरता हूँ। डॉ त्रिशंकु इस आक्रमण से स्तब्ध दिखे। मैं चुप रहा।अब अकारण ही दोनों के बीच विनम्रता और डॉ त्रिशंकु की प्रशंसा करने की आपसी प्रतिस्पर्धा प्रारम्भ हो गयी । तभी जजमान , जिनके घर डॉ त्रिशंकु ठहरे थे, चाय नाश्ता लेकर स्वयं उपस्थित होने प्रकट हुए। अब दोनों के आभार का गंगाजल जजमान पर भी छिड़क दिया। डॉ त्रिशंकु की प्रशंसा रुकी नहीं। एक से बढ़कर एक शब्दावली चलने लगी और प्रशंसा करनी की आपसी प्रतिस्पर्धा कल्पना के संसार का विचरण कराने लगी। तभी डॉ त्रिशंकु उठकर बिना कुछ बोले अंदर चले गए और जाते-जाते मुझे अंदर आने का संकेत कर गए। मैं उनके पीछे अंदर चला आया। वे धीरे से बोले- किन बौड़मों को ले आए हो। प्रशंसा ही भी कोई सीमा होती है जी। झूठ बोलने की भी एक कला होती है। बौड़म हैं। मैंने हाथ जोड़ दिए। वे बोले- अब इन दोनों को ले जाइए। रात में अकेले आइए। मैं बाहर आ गया और दोनों को साथ लेकर उनके ठहरने के स्थान से निकल गया। बाहर आते ही दोनों एक साथ बोल पड़े- उन्होंने हमारे बारे में क्या कहा? मैं - आप दोनों के प्रति उन्होंने आभार व्यक्त किया है । फिर दोनों विपरीत दिशाओं में चले गए। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

अलग बात

डॉ प्रशान्त करण

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

अयोध्या जाना चाहती हैं मिस वर्ल्ड ओपल सुचाता

ओपल सुचाता ने राम मंदिर के दर्शन की जाहिर की इच्छा

एजेंसी। मुंबई

मिस वर्ल्ड 2025 का खिताब जीतने वाली थाईलैंड की ओपल सुचाता चुआंगसरी ने आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भारत के कई मंदिरों के दर्शन करने की इच्छा जाहिर की। उनकी इस सूची में अयोध्या का राम मंदिर भी शामिल है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए भारत और थाईलैंड के बीच सांस्कृतिक रिश्तों के बारे में खुलकर बताया। उन्होंने कहा, "मैं भारत के बहुत से मंदिरों को देखना चाहती हूं। मुझे ये जगहें बहुत सुंदर और खास लगती हैं।

जैसे मैंने कहा, भारत और थाईलैंड की संस्कृति और परंपराएं एक-दूसरे से काफी मिलती-जुलती हैं। इसलिए इन जगहों को देखना और जानना बहुत अच्छा अनुभव होगा। मिस वर्ल्ड 2025 में दुनियाभर से करीब 108 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था। भारत की ओर से मॉडल नंदिनी गुप्ता ने इसमें हिस्सा लिया। हालांकि, वे मिस वर्ल्ड 2025 के खिताब की दौड़ में टॉप-20 तक ही जगह बना सकीं। चेक गणराज्य की मौजूदा मिस वर्ल्ड क्रिस्टीना पिस्ज़कोवा ने अपना ताज नई मिस वर्ल्ड चुआंगसरी को सौंपा। यह थाईलैंड की पहली बड़ी ब्यूटी पेजेंट जीत है। अपनी इस जीत पर आईएएनएस से बात करते हुए चुआंगसरी ने कहा, "यह मेरे लिए बहुत बड़ी सफलता है।

तेलंगाना की महिलाओं से प्रेरित हुईं चुआंगसरी

गौरतलब है कि भारत और थाईलैंड के बीच सांस्कृतिक और व्यापारिक रिश्ता काफी पुराना है। थाईलैंड में भारत के प्रसिद्ध ग्रंथ 'रामायण' को 'रामकियेन' कहा जाता है। यह कहानी थाईलैंड की किताबों, कला और राजा-महाराजाओं की परंपराओं पर गहरा असर डालती है। 'रामकियेन' में हनुमान जी को खास जगह दी गई है। उनके चंचल व्यवहार को चित्रित किया गया है। चुआंगसरी ने तेलंगाना की महिलाओं के लिए एक खास संदेश दिया।

भाजपा-टीएमसी हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करती है : अधीर रंजन चौधरी

मुर्शिदाबाद (आईएएनएस)

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को यहां की आम जनता के विकास से कुछ भी लेना-देना नहीं है। दोनों पार्टियां सिर्फ सत्ता पाने के लिए हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करती हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बंगाल दौरे को लेकर रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पीएम मोदी का चुनाव प्रचार शुरू हो गया है। जहां पीएम मोदी जाएंगे, वहां जाने से अमित शाह पीछे कैसे रह सकते हैं।

चौधरी ने कहा कि मकसद साफ है कि बंगाल में चुनाव को लेकर जंग शुरू हो गई है। केंद्र और राज्य सरकार में तनातनी शुरू हो गई है। पीएम मोदी के संबोधन का लगातार ममता बनर्जी की ओर से विरोध किया जा रहा है। ऐसा लगता है कि पीएम मोदी किन-किन मुद्दों पर भाषण देंगे, दीदी को पहले से ही पता चल जाता है। इसीलिए, मीडिया के सामने वह पीएम मोदी के भाषणों में उठाए गए मुद्दों का विरोध जताती हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल में आम लोगों की बात नहीं होती है। बंगाल में रोजगार, कारोबार पर चर्चा नहीं होती है।

तेजप्रताप यादव के राजद से आधिकारिक निष्कासन का कार्यालय आदेश जारी

राजद ने तेजप्रताप यादव पर की बड़ी कार्रवाई

पटना (आईएएनएस)

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रविवार को तेजप्रताप यादव को आधिकारिक रूप से पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने इस संबंध में एक कार्यालय आदेश जारी कर इसकी जानकारी दी है। दरअसल, तेजप्रताप यादव को पार्टी से निष्कासित करने का यह आदेश राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी की ओर से जारी किया गया है। आदेश में कहा गया, "राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश के आलोक में तेजप्रताप यादव को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्षों के लिए निष्कासित किया जाता है।" इससे पहले, राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के माध्यम से तेजप्रताप यादव को पार्टी से निकाले जाने के बारे में जानकारी दी थी।

लालू प्रसाद ने 25 मई को अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा था, "निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की

अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया जाता है।" उन्होंने आगे कहा था, "अपने निजी जीवन का भला-बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सार्वजनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव पहले से शादीशुदा हैं। तेजप्रताप यादव की शादी ऐश्वर्या राय से हुई थी। हालांकि, दोनों के बीच तलाक का मामला अभी कोर्ट में चल रहा है। ऐसे में अचानक एक महिला के साथ तेजप्रताप की तस्वीर वायरल होने के बाद खलबली मच गई थी और उसके बाद लालू ने उन्हें पार्टी और परिवार से बेदखल कर दिया।

नैतिक मूल्यों की अवहेलना का आरोप

- लालू ने कहा कि तेजप्रताप का व्यवहार और लोक आचरण पारिवारिक मूल्यों के खिलाफ है।
- उनके गैर जिम्मेदाराना रवैये से सामाजिक न्याय की लड़ाई कमजोर होती है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला

ईओडब्ल्यू और ईसीबी की बड़ी कार्रवाई कारोबारी विजय भाटिया गिरफ्तार

दुर्ग (आईएएनएस)

छत्तीसगढ़ के शराब घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू और ईसीबी ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की। ईओडब्ल्यू और ईसीबी के अधिकारियों ने दुर्ग में भिलाई के कारोबारी विजय भाटिया के नेहरू नगर स्थित घर में छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान ईओडब्ल्यू और ईसीबी ने कारोबारी विजय भाटिया को दिल्ली से गिरफ्तार किया। दरअसल, छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित आबकारी घोटाले के मामले में ईओडब्ल्यू और ईसीबी ने रविवार सुबह कारोबारी विजय भाटिया के नेहरू नगर स्थित घर पर छापा मारा। इसके अलावा, विजय भाटिया के मैनेजर संतोष रामटेके के घर में भी छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में कई अधिकारी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि ईओडब्ल्यू और ईसीबी ने छत्तीसगढ़ में हुए कथित आबकारी घोटाले से जुड़े मामले में ये कार्रवाई की है।

सख्ती : सीबीआई ने रिश्वत मामले में आईआरएस अधिकारी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक वरिष्ठ भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी और एक व्यक्ति को 25 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आईआरएस अधिकारी वर्तमान में करदाता सेवा निदेशालय में अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर तैनात हैं। सीबीआई ने रविवार को मामले में एक बयान जारी कर बताया कि सीबीआई ने 2007 बैच के एक वरिष्ठ भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी और एक व्यक्ति को 25 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह अधिकारी वर्तमान में नई दिल्ली में करदाता सेवा निदेशालय के अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यरत है।

आज का राशिफल

मेष : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा।

वृष : अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी।

मिथुन : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

कर्क : समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा।

सिंह : पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

कन्या : जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे।

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

वृश्चिक : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगें। संतान की उन्नति के योग हैं।

धनु : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें।

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा।

मीन : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। "आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

कोलकाता में अमित शाह ने भरी हुंकार

ममता पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप, मुर्शिदाबाद दंगों पर सवाल

नई दिल्ली । एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर ममता पर तीखा हमला

- शाह ने कहा कि पाक-प्रेरित आतंकियों को सजा देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया गया।
- ममता बनर्जी ने इसका राजनीतिक बयानबाज़ी के जरिए विरोध किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में विजय संकल्प सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर और वक्फ संशोधन अधिनियम का 'विरोध' कर रही हैं। इसके अलावा, गृह मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुए दंगे 'राज्य प्रायोजित' थे। बनर्जी पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा, 'वोट बैंक के लिए ममता दीदी ने पतन की सीमा पार कर दी है।

कुछ दिन पहले, पाक-प्रेरित आतंकियों ने हमारे निर्दोष नागरिकों को धर्म पूछकर उनके परिजनों के सामने मार दिया। इन आतंकियों को सजा देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया गया। पाक के अंदर घुसकर आतंकियों के हेडक्वार्टर्स को तबाह कर दिया गया। आतंकियों की मौत पर दीदी को दर्द होता है। ममता बनर्जी ने घटिया सा राजनीतिक बयान देकर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया।'

शाह ने कहा कि आपने (ममता बनर्जी) ऑपरेशन सिंदूर का विरोध नहीं किया है, आपने इस देश की करोड़ों माताओं–बहनों के साथ खिलवाड़ किया है।

असम में बाढ़ संकट के बीच अमित शाह ने दिया हरसंभव मदद का भरोसा

गुवाहाटी। असम में मूसलधार बारिश से उत्पन्न बाढ़ और भूस्खलन की गंभीर स्थिति के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को बताया कि गृह मंत्री ने उन्हें फोन कर हालात की जानकारी ली और सभी जरूरी मदद देने का वादा किया। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "गृह मंत्री अमित शाह ने थोड़ी देर पहले मुझे फोन कर असम में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मैंने उन्हें अब तक की गई तैयारियों से अवगत कराया। हम उनके संवेदनशील रवैये और सहयोग के लिए आभारी हैं।" राज्य के 12 जिलों में बाढ़ और भूस्खलन से हालात बेहद खराब हैं। अब तक 58,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।

01 जून को ब्रह्मपुत्र नद डिब्रूगढ़ में खतरे के निशान को पार कर गई, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है।

1 जून को ब्रह्मपुत्र नद डिब्रूगढ़ में खतरे के निशान को पार कर गई, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, अबतक आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 175 गांव प्रभावित हुए हैं। जिनमें 3 की मौत बाढ़ में और 5 की भूस्खलन में हुई है। ये मौतें गोलाघाट, लखीमपुर और कामरूप (मेट्रो) जिलों में हुई हैं। गोलाघाट और गुवाहाटी में बच्चों की भी जान गई हैं। सात हजार से अधिक लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। धेमाजी, दक्षिण सालमारा, लखीमपुर, डिब्रूगढ़, गोलाघाट और कार्बी आंगलोंग के 175 गांव प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने 16 राहत शिविर और वितरण केंद्र स्थापित किए हैं, जहां 7000 से अधिक लोग शरण लिए हुए हैं।

पूर्वोत्तर भारत में मानसूनी बारिश का कहर

25 से अधिक लोगों की मौत असम सबसे ज्यादा प्रभावित

असम । एजेंसी

रविवार को अधिकारियों ने पुष्टि की कि पूर्वोत्तर भारत में लगातार कई दिनों से हो रही मूसलाधार मानसूनी बारिश के कारण व्यापक भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई है।

वहीं, असम की राजधानी गुवाहाटी में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। यहां हुए भूस्खलन के कारण कई घर मलबे में दब गए, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह त्रासदी तब हुई जब भारी बारिश ने शहर को पूरी तरह से जलमग्न कर दिया, जिससे पहाड़ियां और ढलानें अत्यधिक कमज़ोर पड़ गईं। स्थानीय अधिकारियों ने नागरिकों को फिर से चेतावनी जारी की है और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

वहीं, भूस्खलन के अलावा, राज्य के अन्य हिस्सों में बाढ़ ने भी तीन और लोगों की जान ले ली। इनमें गोलाघाट जिले में दो और लखीमपुर जिले में एक व्यक्ति की मौत शामिल है। यह प्राकृतिक आपदा पूर्वोत्तर भारत में मानसून के शुरुआती चरणों में ही एक गंभीर चुनौती बन गई है, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। बचाव कार्य जारी हैं और प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाई जा रही है।

अरुणाचल प्रदेश में सात की मौत : अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ के कारण सात लोगों की मौत हो गई, जब एक वाहन बाढ़ के पानी में बह गया। इसके अलावा, दो लोग डूब गए, जिससे राज्य में मरने वालों की संख्या नौ हो गई। मिजोरम, त्रिपुरा और मेघालय में भी आठ लोगों की मौत हुई है।

1. **मणिपुर में दैनिक जीवन ठप्प :** मणिपुर में तीन दिनों से हो रही बारिश ने राजधानी इंफाल में दैनिक जीवन को ठप्प कर दिया है। शहर के कई हिस्सों में जलभराव की खबरें हैं, जिसके कारण अधिकारियों ने बाढ़ की चेतावनी जारी की है और निवासियों को निकालने का आग्रह किया है।
2. **उत्तर सिक्किम में फंसे 1000 से ज्यादा पर्यटक :** उत्तर सिक्किम में लगभग 1,500 पर्यटक फंसे हुए हैं, क्योंकि भूस्खलन के कारण मुख्य सड़क अवरुद्ध हो गई है। इसके अलावा, मंगन जिले में तीस्ता नदी में एक वाहन गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ अन्य लापता हो गए।
3. **भारतीय मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी जारी की :** भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारी बारिश जारी रहने की चेतावनी दी है। असम के कुछ हिस्सों के लिए लाल और नारंगी अलर्ट जारी किए गए हैं, जबकि बाकी पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए नारंगी और पीले अलर्ट जारी किए गए हैं।

पाक जासूसी रैकेट

एनआईए की 8 राज्यों में बड़ी कार्रवाई, 15 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में देश भर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान देश के आठ राज्यों में 15 स्थानों पर बड़े पैमाने पर तलाशी ली गई। दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल राज्यों में पाकिस्तान खुफिया संचालकों (पीआईओ) से जुड़े संदिग्धों के परिसरों की तलाशी ली गई।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सीएनजी सिलेंडर में विस्फोट, तीन बच्चों समेत चार लोग घायल

सुंदर नगरी । एजेंसी

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सुंदर नगरी इलाके में शनिवार दोपहर एक गोदाम में सीएनजी सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण तीन नाबालिग भाइयों सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विस्फोट शाम करीब साढ़े चार बजे एक भंडारण एवं मरम्मत इकाई में हुआ, जहां मरम्मत कार्य के दौरान कथित तौर पर सिलेंडर फट गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारी ने बताया कि घायलों की पहचान तीन भाइयों

साकिब (7), अब्बास (9) और राजा (3) के अलावा अरशद (22) के रूप में हुई। तीनों बच्चे अफसार नामक व्यक्ति के पुत्र हैं। उन्होंने बताया कि साकिब 90 प्रतिशत, अब्बास और राजा 85 प्रतिशत तथा अरशद 70 प्रतिशत तक झुलस गया है। अधिकारी ने बताया कि घटना के समय अरशद गोदाम के अंदर काम कर रहा था। विस्फोट की सूचना मिलने पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। उन्होंने बताया, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चार मंजिला आवासीय इमारत के भूतल पर एक दुकान में सीएनजी सिलेंडर रखे जा रहे थे और उनकी मरम्मत की जा रही थी। मरम्मत कार्य के दौरान एक सिलेंडर कथित तौर पर फट गया, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। पुलिस ने बताया कि विस्फोट इतना जोरदार था कि गोदाम का लोहे का गेट टूट गया और इसका मलबा नजदीक में खेल रहे तीन बच्चों पर जा गिरा।

महाराष्ट्र : वीडियो पत्रकार के साथ मारपीट, 4 लोग गिरफ्तार

मुंबई । महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के प्रभादेवी इलाके में एक राष्ट्रीय समाचार चैनल के वीडियो पत्रकार पर हमला करने के सिलसिले में शनिवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पत्रकार अनिल शिंदे दोपहर में लोअर परेल स्थित अपने कार्यालय जा रहे थे, तभी यह घटना हुई। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''जब अनिल पैदल जा रहे थे, तभी एक मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्ति ने एक डंडे से शिंदे के सिर पर वार किया। इसके बाद, आरोपी अपने तीन साथियों के साथ वापस आया और शिंदे की पिटाई की।

सैकड़ों कश्मीरी पंडित खीर भवानी मेले के लिए रवाना

कश्मीर । जम्मू से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कश्मीरी पंडितों सहित सैकड़ों लोग खीर भवानी मेले में शामिल होने के लिए रविवार सुबह 60 बसों के काफिले में घाटी के लिए रवाना हुए। खीर भवानी मेला मंगलवार को गांदरबल के तुलमुल्ला, कुलगाम के मंजगाम और देवसर, अनंतनाग के लोगरीपुरा और कुपवाड़ा के टिक्कर में पांच रागन्या भगवती मंदिरों में आयोजित किया जाएगा। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और उसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई के कारण इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या कम रही है। राहत आयुक्त (प्रवासी) अरविंद करवानी ने जम्मू के उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर आज सुबह जम्मू के बाहरी इलाके नगरोटा से सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) की बसों के काफिले को संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

असम में बाल विवाह के खिलाफ एक्शन मोड

अब तक 4 हजार से अधिक लोग हुए गिरफ्तार

2026 तक बाल विवाह खत्म करने का लक्ष्य: सीएम सरमा

गुवाहाटी (आईएएनएस)

असम पुलिस ने बाल विवाह के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत बड़ी कार्रवाई की है। असम पुलिस ने तीन विशेष अभियानों के तहत 5,000 से अधिक मामले दर्ज किए हैं और 4,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है।

असम के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बाल विवाह के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। असम के सीएम ऑफिस ने एक्स पोस्ट करके बताया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बाल विवाह के खिलाफ कड़ा अभियान शुरू किया है।

इस अभियान के तहत असम पुलिस ने अब तक 5,523 मामले दर्ज किए और 4,954 लोगों को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि असम के मुख्यमंत्री सरमा ने पिछले साल दिसंबर में दावा किया था कि 2026 तक राज्य से बाल विवाह खत्म हो जाएगा। उन्होंने एक बयान में कहा था, "मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद मैंने राज्य से बाल विवाह की बुराई को खत्म करने का संकल्प लिया था। शुरुआत में हमने बाल विवाह में शामिल होने के आरोप में करीब 5,000 लोगों को गिरफ्तार किया था। बाद में पुलिस की सख्त कार्रवाई के बाद गिरफ्तारियों की संख्या घटकर 2,000 हो गई थी। बता दें कि असम में बाल विवाह से लड़ने के लिए 'संतुष्ट मोइना योजना' शुरू की गई है। राज्य सरकार की 'संतुष्ट मोइना' पहल का लक्ष्य 1,500 करोड़ रुपए के खर्च के साथ 10 लाख छात्राओं को कवर करना है।

कर्ज वसूली में चीन सबसे बड़ा देश

बीआरए के कर्ज जाल में 150 देश, गरीब देशों पर 94 लाख करोड़ बकाया

बीजिंग । चीन दुनिया में सबसे बड़ा ऋण वसूलने वाला देश बन गया है। ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट के मुताबिक 2025 में विकासशील देशों से चीन रिकॉर्ड 3 लाख करोड़ रु. वसूलेगा। 1.9 लाख करोड़ तो 75 सबसे गरीब देश देंगे। विकासशील देशों पर चीन के कुल 94 लाख करोड़ रु. बकाया हैं। ये कर्ज एक दशक पहले बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत दिए थे। चीनी दबाव के चलते इन देशों में स्वास्थ्य और शिक्षा बजट पर खतरा मंडरा रहा है। 46 गरीब देशों ने 2023 में अपने टैक्स का 20% हिस्सा कर्ज चुकाने पर खर्च किया। विकासशील देश चीन को कर्ज अदायगी और ब्याज भुगतान की लहर से जूझ रहे हैं।

फ्रांस में जश्न के दौरान भीड़ बेकाबू, 2 की मौत, पुलिस ने 559 लोगों को हिरासत में लिया

पेरिस । फ्रांस में शनिवार को पेरिस सेंट-जर्मेन की पहली बार चैंपियंस लीग जीतने की खुशी में पूरे जमकर जश्न मनाया गया। इस दौरान कई जगहों पर भीड़ बेकाबू हो गई जिसमें कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई। वहीं, सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। फ्रांस 24 के मुताबिक पुलिस ने पेरिस में 491 लोगों को गिरफ्तार किया गया और पूरे फ्रांस में कुल 559 लोगों को हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में से ज्यादातर पर पटाखे रखने और गड़बड़ी फैलाने का आरोप है। पुलिस ने कहा कि 2 लोगों की मौत सड़क हादसे में हुई है। दूसरी घटना डैक्स शहर में हुई, जहां 17 साल के एक लड़के को चाकू मार दिया गया। यह हत्या मैच के तुरंत बाद और जश्न के दौरान हुई, लेकिन अधिकारियों को नहीं पता कि इसका सीधा संबंध पीएसजी की जीत से है या नहीं। हमलावर अभी फरार है।इसके अलावा, नॉरमैंडी में एक पुलिसकर्मी को आतिशबाजी लगने से गंभीर चोट आई और उसे कोमा में रखा गया है।

यूक्रेन का दावा

रूस के 40 एयरक्राफ्ट तबाह किए 4 एयरबेस को निशाना बनाया, 17 हजार करोड़ रुपए का नुकसान

कीव । यूक्रेन ने रूस के 40 लड़ाकू विमानों को तबाह करने का दावा किया है। यूक्रेनी वेबसाइट कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूस के मरमंस्क में ओलेन्या एयर बेस, इरकुत्स्क में बेलाया एयर बेस, इवानोवो में इवानोवो एयर बेस और डायगिलेवो एयर बेस को निशाना बनाया है। रूस का बेलाया एयरबेस यूक्रेनी सीमा से लगभग 4 हजार किमी और ओलेन्या एयरबेस करीब 1800 किमी दूर हैं। इस हमले में A-50, TU-95 और TU-22 जैसे स्ट्रैटजिक बॉम्बर्स तबाह हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी (SBU) ने इस हमले को अंजाम दिया, जिसमें FPV (फर्स्ट-पर्सन-व्यू) ड्रोन्स का इस्तेमाल किया गया। SBU के एक अधिकारी ने कहा कि यह हमला उन्होंने खुद के बचाव में किया है, क्योंकि ये रूसी विमान अक्सर यूक्रेनी शहरों को निशाना बनाते हैं।

पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जाए : डेनमार्क के पूर्व राजदूत

कोपेनहेगन/नई दिल्ली (आईएएनएस)

डेनमार्क के एक अनुभवी राजनयिक ने रविवार को भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' और कूटनीतिक प्रयासों की सराहना की है। इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की वकालत की। इसके तहत आतंकवाद के वित्तपोषण और वैश्विक आतंकी संगठनों का सपोर्ट करने में लगातार भूमिका के लिए पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की 'ग्रे लिस्ट' में वापस डालना भी शामिल है। भारत में डेनमार्क के पूर्व राजदूत फ्रेडी स्वेन ने 'आईएएनएस' से खास बातचीत की, जिसमें उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए यह मानने का सही समय है कि पाकिस्तान इस क्षेत्र में आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। स्वेन ने आईएएनएस से कहा, "आतंकवाद अपने आप पैदा नहीं होता।

इसके पीछे पैसा, ढांचा और एक लंबी सोची-समझी योजना होती है। इसलिए आपको वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर भी जो हर संभव प्रयास करने की जरूरत है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऐसा कोई फंडिंग सोर्स न हो जो आतंकियों के पोषण में काम आ सके। हमें इसे रोकना होगा। पाकिस्तान को उस जगह रखा जाना चाहिए, जहां वह वास्तव में मौजूद है। इसलिए पाकिस्तान को उसी लिस्ट में रखा जाना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं है। फ्रेडी स्वेन एक बहुत ही अनुभवी राजनयिक हैं। उन्होंने भारत, भूटान, श्रीलंका और मालदीव में दो बार राजदूत के रूप में काम किया है। उनका पहला कार्यकाल 2010 से 2015 तक रहा और दूसरा कार्यकाल दिसंबर 2024 में समाप्त हुआ। भारत में इतना समय बिताने के बाद उन्होंने कई मौकों पर पाकिस्तान को भारत की जमीन पर आतंक फैलाते देखा। उन्होंने कहा, "जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मैं दो अवधियों में 10 साल तक भारत में रहा हूं। हम आतंक को देखते रहे और उसका असर महसूस किया। जाहिर है, हम सभी जानते थे कि पाकिस्तान किसी न किसी तरह से आतंक के पीछे था। आप तर्क दे सकते हैं कि पाकिस्तान में अलग-अलग चेहरे हैं, राजनीतिक और सैन्य भी। लेकिन, जब बात आतंक की आती है, तो दो चेहरे नहीं हो सकते।

भारत ने दिखाया वैश्विक नेतृत्व, आतंक के खिलाफ खड़ा हुआ : स्वेन

स्वेन ने कहा, "तथ्य ये है कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में 'ऑपरेशन सिंदूर' और आतंक के बारे में बात करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजे गए हैं। यह साबित करता है कि आतंकवाद के खिलाफ खड़े होने का समय आ गया है। जिस तरह से पाकिस्तान ने हमेशा ही आतंकवादी हमलों को उकसाया है, उसके खिलाफ आवाज उठाई जाए। भारत ने दिखाया है कि वह ग्लोबल प्लेयर के तौर पर आगे बढ़ चुका है। पूर्व राजनयिक ने रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात की। ये प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ भारत के अडिग रुख और इसके हर रूप को मिटाने के उसके संकल्प को व्यक्त करने के लिए 29-31 मई तक कोपेनहेगन में था।

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक नेतृत्व के लिए ठाना संकल्प

हम सभी को वास्तव में शब्दों से हटकर काम करने की जरूरत है। इसलिए भारत सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दुनिया भर में सांसदों के एक ग्रुप को इस बारे में बात करने के लिए भेजने का फैसला बहुत महत्वपूर्ण है। इसे डेनमार्क में भी बहुत अच्छी तरह से स्वीकार किया गया है। मैंने कुछ भारतीय सांसदों से पूछा कि क्या यह कोई नई बात है? क्योंकि मैंने अपने जीवन में कभी यह अनुभव नहीं किया था कि भारत आतंकवाद और आतंकवाद के प्रभाव के बारे में अपनी चिंताओं को जाहिर करने के लिए दुनिया भर में ऐसे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजेगा। स्वेन ने कहा, "मुझे बताया गया कि दशकों पहले भी कुछ ऐसा ही किया गया था। लेकिन सच यह है कि भारत अब इस पर डटा है। ये महत्वपूर्ण है।

चार प्रवृत्तियां तय करेंगी भविष्य के युद्ध की रणनीति : सीडीएस

हाइपरसोनिक और सटीक हथियार प्रणालियां बढ़ेंगी प्रभावशाली

नई दिल्ली (आईएएनएस)

1. **प्रौद्योगिकी लोकतंत्रीकरण :** गैर-राज्य तत्वों (नॉन-स्टेट एक्टर्स) को सशक्त बना कर प्रॉक्सी युद्ध और अस्थिरता बढ़ी।
2. **क्षमताओं का विकास :** अनुकूलनशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को मूलमंत्र बताया गया।
3. **रक्षा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र :** भारत ने निजी उद्योगों के साथ सहयोग कर एक संयुक्त प्रणाली विकसित की।
4. **रणनीति-प्रेरित आधुनिकीकरण:** युद्धक प्रणालियां स्थानीय और परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार विकसित।

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कहना है कि भविष्य के युद्ध चार प्रमुख प्रवृत्तियों द्वारा आकार लेंगे। इनमें से एक है सभी क्षेत्रों में सेंसर्स का प्रसार। दूसरा- लंबी दूरी तक मार करने वाली हाइपरसोनिक और सटीक हथियार प्रणालियां। तीसरा, स्वायत्त प्रणालियों के साथ मानव-मानव रहित टीमिंग। चौथा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और क्वांटम तकनीक द्वारा संचालित युद्धक्षेत्र की बुद्धिमत्ता। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने यह जानकारी रविवार को सिंगापुर में दी। वह यहां आयोजित प्रतिष्ठित 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' में 'भविष्य की चुनौतियों के लिए रक्षा नवाचार समाधान' विषय पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में जनरल अनिल चौहान ने बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और तेजी से हो रहे तकनीकी परिवर्तनों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण ने गैर-राज्य तत्वों (नॉन स्टेट एक्टर्स) को सशक्त किया है, जिससे प्रॉक्सी युद्धों और अस्थिरता को बढ़ावा मिला है। उन्होंने क्षमताओं के विकास के लिए अनुकूलनशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को मूलमंत्र बताया। भारत ने निजी उद्योगों के साथ सहयोग करते हुए एक संयुक्त रक्षा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है। उन्होंने बताया कि भारत ने 'रणनीति-प्रेरित आधुनिकीकरण' को अपनाया है। इससे युद्धक प्रणालियां परिचालन आवश्यकताओं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित की जा सकें। जनरल चौहान ने कहा कि वर्तमान में चल रहा परिवर्तन सिर्फ हथियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सिद्धांत, संगठनात्मक संस्कृति और मानव संसाधन का भी कायाकल्प शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत की अनूठी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और आकांक्षाएं इसके रक्षा दृष्टिकोण को आकार देती हैं। अपने संबोधन के अंत में, जनरल अनिल चौहान ने वैश्विक शांति और उत्तरदायी नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' को वैश्विक स्थिरता हेतु संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच बताया। 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' के दौरान भारत और फिलीपींस के रक्षा प्रमुखों के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और फिलीपींस के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रोमियो एस ब्रावनर जूनियर के बीच यह महत्वपूर्ण बातचीत हुई। इस दौरान सैन्य सहयोग बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा और रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी विचार-विमर्श हुआ। दोनों देशों के सैन्य प्रमुखों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग और क्षमता संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

डच सांसद गीर्ट वाइल्डर्स ने शर्मिष्ठा पनोली के लिए पीएम से अपील की

कोलकाता । एजेंसी

कोलकाता पुलिस द्वारा सांप्रदायिक रूप से आरोपित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए गिरफ्तार की गई 22 वर्षीय प्रभावशाली शर्मिष्ठा पनोली को लगभग 7,000 किलोमीटर दूर से समर्थन मिला है। डच संसद के सदस्य और दक्षिणपंथी पार्टी फॉर फ्रीडम के नेता गीर्ट वाइल्डर्स ने शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा कि यह 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए अपमान' है। वाइल्डर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शर्मिष्ठा को रिहा करने का आग्रह किया है। वाइल्डर्स ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'बहादुर शर्मिष्ठा पनोली को रिहा करो! यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए अपमान की बात है। पाकिस्तान और मुहम्मद के बारे में सच बोलने के लिए उसे दंडित न करें। उसकी मदद करें @ narendramodi।' पोस्ट के साथ फोटो में लिखा है, 'सभी की निगाहें शर्मिष्ठा पर हैं। कोलकाता पुलिस ने कल 22 वर्षीय लॉ छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को सोशल मीडिया वीडियो के लिए गिरफ्तार किया, जिसमें उसने अपमानजनक और सांप्रदायिक भाषा का इस्तेमाल किया था।

बंगाल को उत्तर कोरिया न बनाएं, शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर कंगना रनौत

कोलकाता । कोलकाता पुलिस द्वारा गुरुग्राम से इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद, भाजपा सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने इस कदम की कड़ी निंदा की है। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार से आग्रह किया है कि वे राज्य को उत्तर कोरिया बनाने की कोशिश न करें। पनोली की गिरफ्तारी के संबंध में मीडिया से बात करते हुए, रनौत ने कहा कि कानून और व्यवस्था के नाम पर किसी को परेशान करना सही नहीं है, क्योंकि सभी के पास लोकतांत्रिक अधिकार हैं। रनौत ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'कानून-व्यवस्था के नाम पर किसी को परेशान करना ठीक नहीं है। जब कोई माफी मांग लेता है और पोस्ट डिलीट कर देता है, लेकिन उसे जेल में डालना, उसे प्रताड़ित करना, उसका करियर खत्म करना और उसके चरित्र पर सवाल उठाना बहुत गलत है। किसी भी बेटी के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए।

पाकिस्तान को मिलेगा सख्त जवाब: बृजलाल

कुआलालंपुर (आईएएनएस)

इंडोनेशिया की सफल यात्रा के बाद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल मलेशिया के कुआलालंपुर पहुंच चुका है। इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भाजपा सांसद बृजलाल ने कहा कि पाकिस्तान ने नापाक हरकत की तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि हमने प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की है और यहां हमें जो मुख्य बात कहनी है, वह यह है कि हमें आतंकवाद से लड़ना है। जब तक आतंकवाद है, कोई भी देश विकास नहीं कर सकता। विकास बहुत जरूरी है इसके लिए शांति जरूरी है। भारत में शांति है और विकास हो रहा है। 2014 में 11वीं अर्थव्यवस्था थे, आज हम चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। पीएम मोदी का संकल्प 2047 तक विकसित भारत का है।

गाजा में खाना बांटते समय फिर गोलीबारी, 32 मौतें, 232 लोग घायल, अस्पतालों में जगह कम पड़ी

गाजा । एजेंसी

दक्षिणी गाजा में रविवार को खाना बांटने के दौरान फिर से गोलीबारी हुई जिसमें 32 फिलिस्तीनी लोगों की मौत हो गई है। गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने कहा है कि दक्षिणी गाजा के राफा शहर में रविवार को एक सहायता वितरण केंद्र के पास इजराइली सेना ने गोलीबारी की। इसमें 31 लोगों की मौत हो गई वहीं, 200 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा मध्य गाजा के नेत्जारिम कॉरिडोर में भी एक सहायता केंद्र पर गोलीबारी की गई। इसमें 1 फिलिस्तीनी शख्स की मौत हो गई है, जबकि 32 लोग घायल हैं। गाजा में खाना बांटने का काम एक अमेरिकी एजेंसी जीएचएफ चला रही है। हालांकि इजराइली सेना ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि सहायता वितरण केंद्र के पास उनके सैनिकों की गोलीबारी से कोई घायल हुआ हो। सेना ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। वहीं, अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में 27 मई से 1 जून तक खाना बांटने के दौरान हुई गोलीबारी में 49 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

आर माधवन फिल्मी करियर में अब तक कई हिट फिल्में दी हैं। वहीं अभिनेता की जिंदगी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। 8वीं फेल और 10वीं में सप्लीमेंट्री लेने वाले आर माधवन विदेशों में भी नौकरी कर चुके हैं। इसके अलावा वह इंग्लैंड की रॉयल आर्मी का भी हिस्सा रहे हैं। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर अभिनेता आर माधवन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

8वीं में फेल और 10वीं सप्लीमेंट्री, आज एक्टिंग में बादशाह है आर माधवन

झारखंड में 01 जून 1970 को रंगनाथन माधवन का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम आर अयंगर और उनकी मां का नाम आर सरोजा था। वह एक तमिल परिवार से ताल्लुक रखते थे। वहीं 18 साल की उम्र में आर माधवन के कॉलेज ने उनको कनाडा में सांस्कृतिक राजदूत के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी सौंपी। वहीं एक साल बाद माधवन और उनके कॉलेज के तीन अन्य लोगों को सेना के कैडेट के तौर पर ब्रिटेन भेजा गया। जहां पर उन्होंने नौसेना, शाही सेना और वायु सेना में प्रशिक्षण प्राप्त किया था। वहीं सार्वजनिक भाषण पर उनकी मुलाकात एयर होस्टेस सरिता से मुलाकात हुई। जिसके बाद दोनों में दोस्ती हुई और फिर यह दोस्ती प्यार में बदल गई। वहीं करीब 7 साल बाद माधवन और सरिता ने शादी कर ली। कपल का एक बेटा वेदांत है। आर माधवन ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साल 1997 में की थी। इसके बाद वह कई टीवी शो में नजर आए थे। फिर साल 1998 में माधवन ने फिल्मी डेब्यू किया था। वह एक इंग्लिश फिल्म इन्फर्नो में इंडियन पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आए थे। हालांकि इस फिल्म से अभिनेता को कोई खास पहचान नहीं मिली थी। बॉलीवुड फिल्मों के अलावा अभिनेता ने कई साउथ फिल्मों में भी काम किया है। इसके लिए आर माधवन को साउथ फिल्म फेयर अवॉर्ड से नवाजा गया था। अभिनेता ने फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' से हिंदी फिल्मों में एंट्री की थी। इस फिल्म में अभिनेता का किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया था। इस फिल्म में अभिनेता के अपोजिट दिया मिर्जा थीं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। इसके बाद उन्होंने अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय स्टारर फिल्म गुरु में भी काम किया। साल 2010 में आई फिल्म थ्री इडियट्स में माधवन ने फरहान का किरदार निभाया था। यह किरदार काफी ज्यादा फेमस हुआ था और यह फिल्म भी सुपरहिट साबित हुई थी।

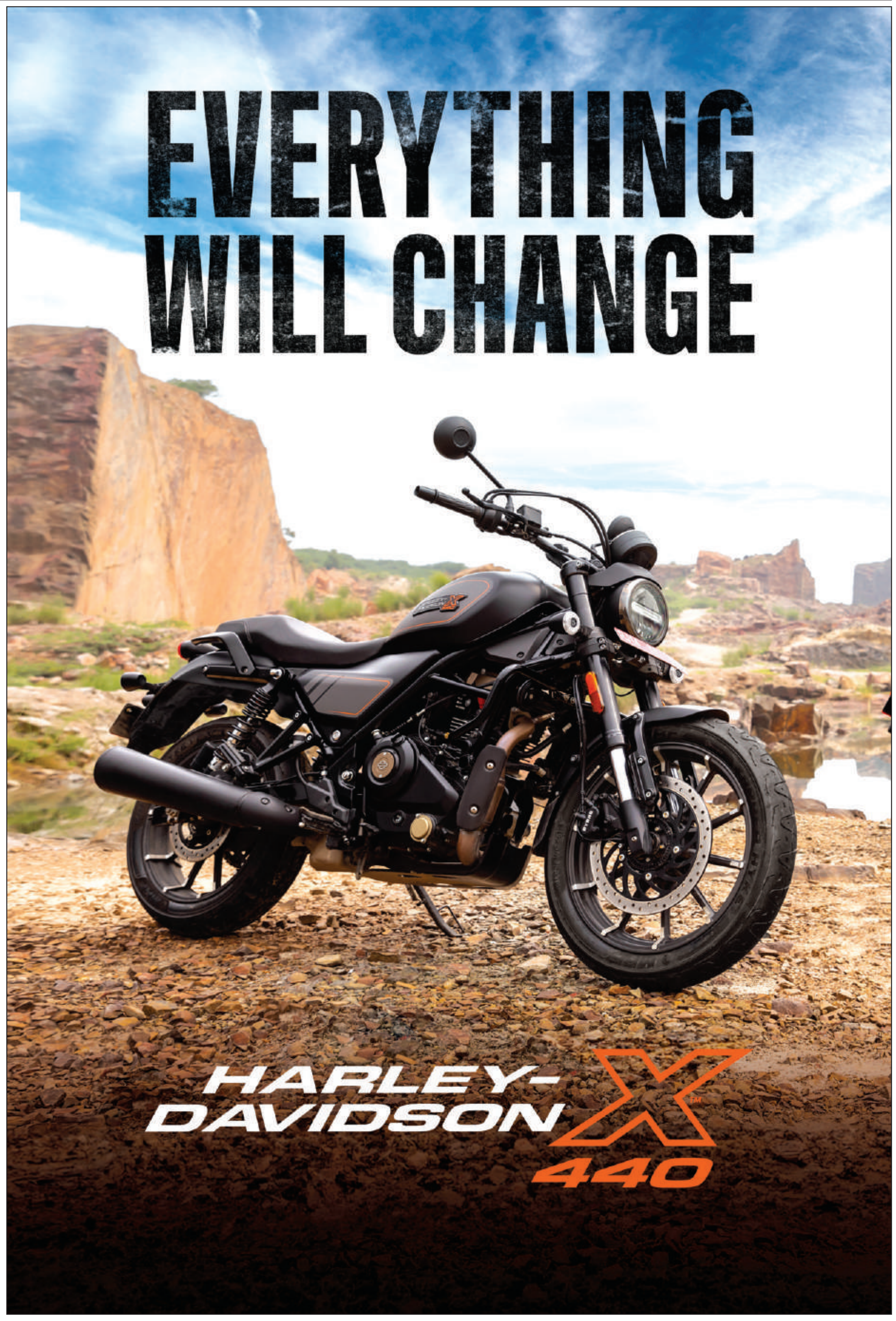

शिल्पी नेहा ने रेखा तिर्की को उच्च शिक्षा के लिए दिया एक लाख का चेक, कहा

कड़ी मेहनत और अनुशासन से ही सफलता को हासिल किया जा सकता है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रदेश की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रविवार को झारखंड अधिविध परिषद (जैक) 12वीं की परीक्षा के कॉमर्स संकाय में राज्य भर में छठा स्थान पाने वाली रेखा तिर्की से मुलाकात की। मांडर के मेसाल स्थित रेखा तिर्की के पिता महादेव उरांव के आवास पर पहुंच कर मंत्री ने रेखा को सम्मानित किया। मंत्री ने रेखा तिर्की की मां सीता उरांव के नाम एक लाख रुपये का चेक भी दिया। ये राशि रेखा की उच्च शिक्षा में आर्थिक बाधा को दूर करने में मददगार साबित होगी। मंत्री को अपने आवास और परिवार के बीच पाकर महादेव उरांव का परिवार काफी खुश दिखा।

मंत्री ने इस मौके पर कहा कि कड़ी मेहनत , अनुशासन और अपनेलक्ष्य को पाने के प्रति समर्पण से सफलता को हासिल किया जा सकता है। आज रेखा तिर्की ने अभाव को मात देकर अपने लक्ष्य को भेदने में सफलता पाई है। माता-पिता ने दिहाड़ी मजदूरी कर रेखा के सपनों को साकार करने में एक जिम्मेदार अभिभावक की भूमिका निभायी है।

उन्होंने कहा कि रेखा ने पूरे आदिवासी समाज को गौरवान्वित किया है। रेखा ने उस राजनीतिक उद्देश्य की भी पूर्ति कर दी जिसमें हम हर मंच से ये कहते है कि आदिवासी समाज तभी आगे बढ़ेगा , जब वो पढ़ेगा और लिखेगा। मांडर की बेटी ने ये कर दिखाया है। रेखा ने आने वाली पीढ़ी के लिए ये साबित कर दिया है कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हो अगर मन में लगन और इच्छा शक्ति हो , तो सफलता जरूर कदम चूमेगी।

मंत्री ने कहा है कि रेखा के उज्ज्वल भविष्य के लिए करियर काउंसलिंग की जरूरत होगी। रेखा की उच्च शिक्षा के लिए हर संभव मदद की जाएगी। वो अपने जीवन में बड़ा अफसर बने उसके इस सपने को साकार करने में सहयोग करेंगे।

इस मौके पर रेखा तिर्की ने कहा कि पहले तो कई बार माता-पिता से शिक्षा के लिए पैसा मांगने में बहुत खराब लगता था। अब जबकि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के जरिये एक लाख का सहयोग किया गया है तो ये मेरे लिए बहुत मददगार साबित होगा। रेखा ने बताया कि वो भविष्य में अकाउंट्स ऑनर्स की शिक्षा ग्रहण करना चाहती है।

विधायक जयराम को जेड श्रेणी की सुरक्षा की मांग

रांची। डुमरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के अध्यक्ष जयराम कुमार महतो को जेड श्रेणी की सुरक्षा दिए जाने की मांग तेजी से जोर पकड़ रही है। इस मांग को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिला और उन्हें एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विधायक को जेड श्रेणी की सुरक्षा की मांग की गई है। पार्टी के केंद्रीय सचिव राजदेश रतन ने जानकारी दी कि विधायक जयराम महतो के साथ हाल के दिनों में कई आपत्तिजनक और संदिग्ध घटनाएं घट चुकी हैं। जिनसे उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन पर इन घटनाओं को देखते हुए पार्टी ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों से हस्तक्षेप की अपील की है। राजदेश रतन ने कहा कि 'विधायक जयराम महतो जनता के मुद्दों को निर्भीकता से उठाते रहे हैं, चाहे वह भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज हो या आदिवासी, किसान और मजदूरों के अधिकार की बात।

झारखंड में महिला सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक : राफिया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक और भयावह होती जा रही है। हाल ही में गुमला की एक आदिवासी किशोरी के साथ राजधानी रांची में जो घटना हुई, वह मानवता को शर्मसार करने वाली है। एक मासूम को दिनदहाड़े बहला-फुसलाकर अगवा किया गया, फिर जंगल में ले जाकर उसके साथ सामूहिक बलात्कार हुआ। यह कोई अकेली घटना नहीं है यह उस व्यवस्था का नमूना है जो राज्य की बहन-बेटियों को सुरक्षा देने में पूरी तरह असफल हो चुकी है। उक्त बातें भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने कही। उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाएं आज भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं। झारखंड सरकार की नीतियां और घोषणाएं केवल दिखावे की रह गई हैं। उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना जैसी योजनाएं सिर्फ पोस्टर और बैनर तक सीमित हैं। जमीनी हकीकत यह है कि महिलाएं न तो सुरक्षित हैं, न ही उन्हें न्याय की कोई गारंटी है। राफिया ने कहा महिला आयोग का न होना सबसे बड़ा सवाल है। झारखंड राज्य महिला आयोग सितंबर 2020 से निष्क्रिय है। पिछले चार वर्षों से राज्य में महिला आयोग का कोई अध्यक्ष नहीं है, न ही कोई सदस्य। जब एक संवैधानिक संस्था जो महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए बनाई गई हो, वह खुद निष्क्रिय हो तो सरकार की प्राथमिकताएँ स्पष्ट हो जाती हैं। वर्तमान में महिला आयोग में 3,137 से अधिक मामले लंबित हैं। हजारों पीड़िताएं दर-दर भटक रही हैं लेकिन सुनवाई का कोई मंच ही मौजूद नहीं है।

रातू रोड फ्लाइओवर के नीचे लगे साइन बोर्ड की विसंगतियों को दूर करने की मांग

- सुखदेव नगर का साइन बोर्ड कहीं नहीं है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रातू रोड फ्लाइओवर के नीचे बने साइन बोर्ड में गली व मोहल्ले के नामों में विसंगतियां हैं। इसको लेकर रविवार को रांची शहर नागरिक मंच ने पिस्का मोड़ स्थित विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में बैठक की। अध्यक्षता समाजसेवी शैलेश्वर दयाल सिंह ने की। उन्होंने कहा कि पिस्का मोड़ के सामने वाली गली को दयाल नगर लेन के बजाय मनेर गली लिखा गया है, जो गलत है। लोगों ने इसमें सुधार की मांग की। संदीप कुंवर एवं नवीन कुमार वर्मा ने बताया कि सुखदेव नगर मोहल्ला का साइन बोर्ड कहीं नहीं लगा हुआ है। सत्यप्रकाश मिश्र ने कहा कि गया प्रसाद चौधरी के नाम से जो गली है, उसे फिर से मेट्रो गली नाम दे दिया गया है। मंच के अध्यक्ष अमृतेश पाठक ने कहा कि यह कोई बहुत गंभीर या विवाद का विषय नहीं है। सिर्फ त्रुटियों को सुधार करने की जरूरत है। इसको लेकर सोमवार को रांची के सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, विधायक सीपी सिंह और रांची के उपायुक्त तथा नगर निगम को एक सुझाव पत्र दिया जायेगा। बैठक में मनमोहन पांडेय, नंदकिशोर चंदेल, सत्यप्रकाश मिश्र, किशोर महापात्रा, संदीप कुंवर, रणजीत यादव, राजीव राज, नवीन कुमार वर्मा, सुमन उरांव, नीतू सिंह, रवि मेहता, सीमा मिश्रा आदि उपस्थित थे।

अत्यंत पिछड़ों के अधिकार के लिए संकल्प यात्रा निकालेंगे

रांची। अत्यंत पिछड़ा वर्ग चेतना मंच की बैठक में सर्वसम्मति से राजकुमार राज को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। राज ने कहा कि झारखंड में बिहार की तरह अत्यंत पिछड़ों की संपूर्ण भागीदारी की व्यवस्था होनी चाहिए। बिहार के सभी दलों में अत्यंत पिछड़ों को महत्व दिया जा रहा है। लेकिन, झारखंड में अत्यंत पिछड़ों के राजनीतिक कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हो रही है। मंच इस मांग को लेकर आंदोलन के साथ भविष्य में एक विराट रैली निकालेगा। झारखंड में सामाजिक परिवर्तन के व्यापक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्यव्यापी कर्पूरी संकल्प यात्रा निकाली जाएगी।

शहीद विश्वनाथ शाहदेव को दी गई श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। देशव्यापी कार्यक्रम की कड़ी में अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव चौक सेक्टर तीन गोलचक्कर एचईसी, धुर्वा रांची स्थित प्रतिमा स्थल पर देश के आजादी के अमर शहीदों और सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव की प्रतिमा के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह आयोजन अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को किया गया। इस अवसर पर अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के उतराधिकारी वंशज और झारखंड सेनानी कोष, गृह मंत्रालय के सदस्य लाल प्रवीर नाथ शाहदेव ने कहा कि भारत सरकार के आपरेशन सिन्दूर की सफलता मनोबल को ऊंचा करने वाला है। उन्होंने कहा कि अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव चौक सेक्टर तीन गोलचक्कर, एचईसी पार्क के गेट को आपसी सहयोग से एक जुलाई तक निर्माण करा दिया जाएगा।

मौके पर उन्होंने बताया कि पप्पू चक्रवर्ती की ओर से गेट के निर्माण के लिए संबंधित व्यक्ति को आदेश दे दिया गया है। अगला कार्यक्रम एक जुलाई को इसी स्थल पर किया जाएगा और श्रमदान के तहत पार्क को सुंदर बनाया जाएगा। इसी कड़ी में गुमला के तेलंगा खड़िया के गांव नागफेणी घाघरा में भी तेलंगा खड़िया के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर रवी दत्त, पप्पु चक्रवर्ती,सजल बनर्जी, राजेश कुमार, शहीद अहमद,जिकरनल्ला अंसारी सुरेश कुमार राहुल कुमार,अजय नायक,गणेश प्रसाद सहित अन्य उपस्थित थे।

चाय पर चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए रक्षा राज्य मंत्री

वन नेशन-वन इलेक्शन पर लोगों से किया विमर्श

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को मोरहाबादी स्थित संकल्प शुक्ला पार्क और ऑक्सीजन पार्क में मॉर्निंग वॉक के साथ चाय पर चर्चा की। उन्होंने खुद भी चाय पी और वहां मौजूद स्थानीय लोगों को भी चाय पिलवायी। इस दौरान प्रमुख रूप से वन नेशन-वन इलेक्शन पर प्रबुद्धजनों के साथ संवाद हुआ। इस संवाद में रक्षा राज्य मंत्री ने वन नेशन-वन इलेक्शन के लागू होने से देश में होने वाले लाभ से प्रबुद्धजनों को अवगत कराया। प्रबुद्धजनों ने रक्षा राज्य मंत्री के समक्ष इस व्यवस्था के लागू होने को लेकर अपनी सहमति जताई।

संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश कई बड़े सुधारों का गवाह बन रहा है। उसमें एक सुधार चुनावी व्यवस्था को लेकर भी है। उन्होंने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन एक ऐसा प्रस्ताव है, जिसमें भारत में सभी चुनाव, चाहे वह लोकसभा के लिए हों या राज्य विधानसभाओं के लिए, एक ही समय पर करवाये जाएंगे। एक ही समय पर चुनाव होने से खर्च में कमी आ आएगी। उस धन का उपयोग विकास कार्यों में हो सकेगा। सरकारी कामकाज में बार-बार चुनावों के कारण होने वाले व्यवधान कम हो सकेंगे। सरकारें बिना चुनावी दबाव के लंबी अवधि के लिए नीतियां बना सकेंगी। यह समाज और राष्ट्र के हित में लिया जाने वाला कदम है।

संजय सेठ ने किया योजनाओं का शिलान्यास, कहा

विकास मेरी पहली प्राथमिकता

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को हेहल तालाब के सुंदरीकरण का शिलान्यास किया । इस तालाब का सुंदरीकरण सीएसआर के मध्य से किया जाना है। कुल 30 लाख की लागत से इस तालाब का सुंदरीकरण होना है। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा हेहल तालाब के सुंदरीकरण हो जाने से यहां के लोगों को छठ में काफी सुविधा मिलेगी। सुबह में यहां के लोगों को मॉर्निंग वॉक की भी सुविधा प्राप्त होगी जो बूढ़े-बुजुर्ग लोग हैं यहां पर आसानी से सुबह में मॉर्निंग वॉक कर सकेंगे। विकास मेरी पहली प्राथमिकता है। प्राथमिकता के आधार पर सारे क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से हम सभी विकास के कार्यों को गति देने में लगे हैं। वहीं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने सांसद मद से पाबा टोली में 14 लाख की लागत से पीसीसी पथ का शिलान्यास किया। इस पथ का निर्माण सांसद कोष से किया गया है। इसके निर्माण से यहां पर निवास करने वाले लोगों को जो कठिनाई होती थी उससे अब मुक्ति मिलेगी। इस रोड के निर्माण पर यहां के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया और संसद को धन्यवाद किया। मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश सिंह, मंडल के अध्यक्ष सूबेश पांडे, सुधीर सिंह, अशोक यादव पूर्व पार्षद, बंदी उरांव, सुभाष सिंह, सतीश सिंह,अशोक मुंडा,रंजन सिंह, विजय यादव,अरुण साहू, सोना लाल महतो, एतवा उरांव, सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित थे।

झारखंड सचिवालय सेवा संघ के नए अध्यक्ष बने रितेश कुमार

रांची। झारखंड सचिवालय सेवा संघ के नए अध्यक्ष रितेश कुमार बने हैं। उन्हें कुल 261 वोट मिले। रितेश कुमार ने मुख्य प्रतिद्वंद्वी विवेक आनंद बास्के (कुल मत 246) को 15 वोटों के अंतर से हराया है। रितेश कुमार वर्तमान में गृह विभाग में प्रशाखा पदाधिकारी हैं। महासचिव पद पर राजेश कुमार सिंह निर्वाचित हुए हैं। उन्हें कुल 343 वोट मिले। वे वर्तमान में विधि विभाग में प्रशाखा पदाधिकारी हैं। उन्होंने अपने निकटतम मुख्य प्रतिद्वंद्वी अमित कुमार (कुल वोट 332 वोट मिले) को 11 वोटों से हराया। इससे पहले हटिया के सिंह मोड़ स्थित पशुपालन भवन में रविवार को सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक मतदान हुआ। चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, संगठन सचिव, कोषाध्यक्ष पदों पर कुल 33 उम्मीवार मैदान में थे। संघ के कुल 882 मतदाताओं ने नए उम्मीदवारों का चयन किया। इसमें अध्यक्ष - रितेश कुमार, महासचिव - राजेश कुमार, उपाध्यक्ष - प्रदीप कुमार पासवान, धर्मेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, शशिकांत गोप, अनिल सरदार, सचिव - चंद्रदीप एक्का, धर्मवीर कुमार, संयुक्त सचिव - सोनी कुमारी, अमिता लकड़ा, पप्पू कुमार, आनंद कुमार, हेम नारायण सिंह, संगठन सचिव - अष्टमी बानरा, विनोद कुमार नायक, बैद्यनाथ मुर्मू, रजनीश कुमार शुक्ला, रविन्द्र प्रसाद बरनवाल,कोषाध्यक्ष अवध किशोर भगत शामिल हैं।

आदिवासियों पर गोलियां चलवानेवाले बाबूलाल मांगें माफी : सुप्रियो भट्टाचार्य

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी का आदिवासियों से प्रेम महज छलावा है।

उन्होंने कहा कि प्रथम मुख्यमंत्री रहते बाबूलाल मरांडी ने अपने कार्यकाल में कोयलकारो परियोजना और नेतरहाट के फील्ड फायर रेंज के विरोध में उतरे आदिवासियो पर गोलियां चलवाई। वहीं विपक्ष में रहने पर वे आदिवासियों की जमीन नहीं लुटने देने की खोखली बातें करते हैं।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने यह बातें रविवार को पार्टी के हरमू स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि एकीकृत बिहार में झारखंड आंदोलन में पलीता लगाने काम बाबूलाल मरांडी ने किया था। उनके प्रयास से ही झारखंड में बिहार राज्य सरकार कार्यान्वयन नियमावली को आत्मसात किया गया था। उस समय झामुमो के नेता स्टीफ़न मरांडी विपक्ष के नेता हुआ करते थे। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में 104 एमओयू साइन हुए थे। उस समय वे शोषण का प्रतिनिधित्व करते थे।

बाबूलाल मरांडी रिम्स टू का निर्माण नहीं होने देना चाहते हैं, जबकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री को स्वास्थ्य को सुधारने को कहा था। इन्हें इनके नेता ही नहीं पूछ रहे हैं। इसलिए खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचेवाली बात चरितार्थ होती है।

सुप्रियो ने कहा कि बाबूलाल तपकरा और नेतरहाट फील्ड फायर रेंज के लिए कब राज्यवासियों से माफी मांगेंगे।

आंदोलनकारी के रूप में आलोक दुबे और डॉ राजेश हुए सम्मानित

रांची। झारखंड की अस्मिता, संघर्ष और स्वाभिमान की पहचान रहे झारखंड आंदोलनकारियों को एक बार फिर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी में आयोजित समारोह में रविवार को विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों ने झारखंड आंदोलनकारी कांग्रेस नेता आलोक कुमार दूबे औरई डॉ राजेश गुप्ता को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थिति लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से दोनों आंदोलनकारियों का अभिनंदन किया। उल्लेखनीय है कि झारखंड के अलग राज्य की लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाले आलोक कुमार दूबे और डॉ राजेश गुप्ता ने आंदोलन के दौरान कई बार लाठियां खाईं, गिरफ्तारी दी और जेल यात्रा भी की। वे सर्वदलीय अलग राज्य निर्माण समिति के गठन में एक केंद्रीय स्तंभ के रूप में सक्रिय रहे। आंदोलन के उस कठिन दौर की यादें साझा करते हुए आलोक दूबे ने कहा की यह सम्मान न केवल मेरे लिए है, बल्कि उन हजारों साथियों के संघर्ष का प्रतीक है जिन्होंने झारखंड के सपने को साकार करने के लिए अपने जीवन का प्रत्येक क्षण समर्पित कर दिया।

पृष्ठ एक के शेष

स्वास्थ्य विभाग तैयार...

जानकारी के अनुसार, राज्य के अस्पतालों में आने वाले पांच प्रतिशत इन्फ्लुएंजा और शत-प्रतिशत गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी से संबंधित मरीजों की कोरोना जांच कराने का निर्देश दिया गया है। यह रिपोर्ट भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) को भेजी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने राज्य की जनता से कहा है कि यदि किसी को सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द आदि जैसे लक्षण महसूस होते हैं, तो निकटतम स्वास्थ्य केंद्रों में रिपोर्ट करें।

स्थिति पर रखी जा रही है नजर : डॉ इरफान अंसारी

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा है कि राज्य में फिलहाल पैनिक जैसी स्थिति नहीं है। लेकिन, एहतियाती तौर पर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। हर स्थान की निगरानी की जा रही है। कोविड-19 के पहले-दूसरे दौर के दौरान राज्य भर में लगाए गए पीएसए ऑक्सीजन प्लांटों का परीक्षण किया जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन की सप्लाई में बाधा नहीं हो।

कोरोना के 4 नए वैरिएंट मिले : भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, दक्षिण और पश्चिम भारत में कोरोना के चार नए वैरिएंट की पहचान हुई है। इनमें एलएफ.7, एक्सेफजी, जेएन 1 और एंबी.1.8.1 शामिल हैं। जेएन.1 भारत में सबसे आम वैरिएंट है, जो टेस्टिंग में 50 प्रतिशत से ज्यादा सैंपल में मिला है। यह ओमिक्रॉन के बीए.2.86 का स्ट्रेन है और इम्यूनिटी को कमजोर करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालांकि इसे 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' की श्रेणी में रखा है, लेकिन इस वैरिएंट को बहुत चिंताजनक नहीं माना है।

सतर्क रहें और तैयार रहें : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के प्रमुख डॉ राजीव बहल ने कहा कि कोविड-19 के मामलों में वृद्धि दक्षिण से शुरू होकर पश्चिम और अब उत्तर भारत तक पहुंच गई है। इन सभी मामलों की निगरानी एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के माध्यम से की जा रही है। डॉ बहल ने कहा कि वर्तमान में संक्रमण की गंभीरता आम तौर पर हल्की है और चिंता की कोई बात नहीं है। डॉ बहल के अनुसार, जब भी कोरोना के मामले बढ़ते हैं, तो तीन कारकों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है- पहला वायरस की संक्रामकता, दूसरा मामले कितनी तेजी से बढ़ रहे हैं और तीसरा गंभीर मामलों का प्रतिशत। वर्तमान में मामले तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं और नए वैरिएंट पिछली प्रतिरक्षा को चकमा देने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अधिसंख्य मामलों में गंभीरता कम है और अन्य बीमारी से पीड़ित लोगों में ही गंभीरता देखी जा रही है। डॉ बहल ने सतर्क रहने और तैयार रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

भारत में कोरोना संक्रमण के...

ने दम तोड़ दिया। उन्हें पहले से अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं। केरल में 24 साल की एक युवती की कोरोना संक्रमण से मौत हुई है। भारत में इस वर्ष अब तक कोविड से संबंधित 28 मौतें दर्ज की गई हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को सुबह जारी आंकड़ों में बताया कि देश में कोविड संक्रमण की संख्या बढ़कर 3758 हो गई है। इनमें से केरल में सबसे अधिक 1400 मामले हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 485, दिल्ली में 436, गुजरात में 320, कर्नाटक में 238 और पश्चिम बंगाल में 287 सक्रिय मामले हैं। अन्य राज्यों में भी कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। झारखंड में इस समय छह सक्रिय मामले हैं। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 149 सक्रिय मामले हैं।

गुमला के भरनो में...

ग्रामवासियों के अनुसार सोनू मिलनसार और शांत स्वभाव का युवक था, जो मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। वह कुछ समय पहले ही दूसरे प्रदेश से लौटकर गांव आया था।

पुलिस प्रशासन निष्क्रिय, पंचायत में अपराधी बेखौफ : मुखिया

घटनास्थल पर पहुंचे मारासिली पंचायत के मुखिया सुकेश उरांव ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि पंचायत क्षेत्र में इन दिनों अपराधियों का आतंक बढ़ गया है और पुलिस प्रशासन पूरी तरह निष्क्रिय है। उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले गांव में हथियारबंद अपराधी खुलेआम घूमते देखे गए थे, उनके पास से देसी पिस्टल और गोली बरामद भी हुई थी। 27 मई 2025 को गांव में हवाई फायरिंग हुई थी। अब एक युवक की हत्या हो गई है। यह दर्शाता है कि क्षेत्र में गुंडों का राज कायम हो गया है। आम लोग दहशत में जी रहे हैं।

मिल्क वैन ने चार को मारी टक्कर, एक की मौत

रांची। राजधानी के नामकुम थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। जहां एक मिल्क वैन ने कार को टक्कर मारी, जिससे हादसे में कार चालक की मौत हो गई। इस घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर इसका विरोध किया। घटना की सूचना मिलते ही नामकुम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने मिल्क वैन को जब्त कर लिया और चालक की गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म पुलिस कर रही जांच

रांची। राजधानी रांची में रविवार को एक आदिवासी किशोरी को अगवा कर बेड़ो इटकी जंगल में ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। इस वारदात को दो अज्ञात अपराधियों ने अंजाम दिया। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी रातु थाना क्षेत्र में पीड़िता को छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रांची में कार्यक्रम, सेलिब्रिटी से अपील

पैसे के लिए न करें तंबाकू उत्पादों का प्रचार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रविवार को दुनिया भर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। किसी भी रूप में तंबाकू सेवन से होनेवाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करने और तंबाकू छोड़ने के प्रति लोगों को कदम बढ़ाने का आह्वान किया गया।

इसी कड़ी में झारखंड में स्वास्थ्य विभाग की ओर से राज्यस्तरीय कार्यक्रम रांची सदर अस्पताल के ऑडोटोरियम में हुआ। जिसमें चिकित्सकों, समाजसेवियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में वक्तताओं ने तंबाकू सेवन से होनेवाली हानियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि न सिर्फ राज्य और भारत बल्कि पूरी दुनिया में होनेवाली मौतों में बड़ा कारण तंबाकू सेवन से होनेवाली बीमारियां हैं।

इस कार्यशाला में वक्तताओं ने कहा कि देश के सेलिब्रेटी से उनका आग्रह है कि वह तंबाकू-सिगरेट या गुटखा का प्रचार न करें क्योंकि हमारी युवा पीढ़ी आपको रोल मॉडल समझती है। हमें अपनी नई पीढ़ी को इस योग्य बनाना है कि वह अपना अच्छा बुरा समझ सकें। जब एक बार उनकी समझ में आ जाएगा कि तंबाकू की लत खराब है तो वह कभी नशा या तंबाकू सेवन नहीं करेगा।

इस कार्यक्रम में रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, एनसीडी और टोबैको कंट्रोल की जिला नोडल अधिकारी डॉ सीमा गुप्ता, एनसीडी के स्टेट नोडल अधिकारी डॉ बीके सिंह ने अपनी बात रखी।

फोर नेशंस टूर्नामेंट : भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में उरुग्वे को हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना)(आईएएनएस)

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ के बाद उरुग्वे को शूटआउट में 3-1 से हराया। भारत की उप-कप्तान हिना (10') और लालरिनपुई (24') ने शुरुआती पलों में ही मैच भारत की पकड़ में ला दिया, जबकि गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर जीत सुनिश्चित की। भारत ने मजबूत शुरुआत की। हिना ने 10वें मिनट में गोल किया, इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफटाइम तक भारत के पास 2-0 की बढ़त थी। हालांकि, उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में वापसी की। इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट में एक गोल दागा। इसके तीन मिनट बाद मिलाग्रोस सीगल ने गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत ने संयम बनाए रखा और गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे को केवल एक गोल करने का मौका मिला। इससे पहले, भारत की इस जूनियर टीम को अपने चौथे मैच में 2-2 से ड्रॉ के बाद चिली के खिलाफ शूटआउट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

उरुग्वे की वापसी

- **54वें मिनट:** इनेस डी पोसादास ने पहला गोल करके स्कोर 2-1 किया।
- **57वें मिनट:** मिलाग्रोस सीगल ने गोल दागा और मैच को 2-2 से बराबर कर दिया

इंटर मिलान को 5-0 से रौंदकर पीएसजी ने पहली बार जीता यूएफा चैंपियंस लीग खिताब

बर्लिन (आईएएनएस)

पेरिस सेंट-जर्मेन ने इंटर मिलान पर 5-0 की शानदार जीत के साथ अपना पहला चैंपियंस लीग खिताब जीता लिया है। म्यूनिख में पीएसजी की जीत रिकॉर्ड तोड़ अंदाज में हुई। किसी भी टीम ने इससे पहले चार गोल से अधिक के अंतर से यूरोपीय कप फाइनल नहीं जीता था। फ्रांसीसी चैंपियन ने मजबूत शुरुआत की। अचरफ हकीमी ने अपने पूर्व क्लब के खिलाफ 12वें मिनट में गोल करके शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके ठीक सात मिनट बाद 19 वर्षीय डेजायर डू ने दूसरे हाफ के बीच में एक और गोल करने से पहले संयमित फिनिश के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया। इस उपलब्धि ने उन्हें 1962 में बेनफिका के यूसेबियो के बाद चैंपियंस लीग फाइनल में दो बार गोल करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बना दिया। पीएसजी की आक्रमण शैली ने इंटर को परेशान कर दिया। मिलान मौके बनाने के लिए संघर्ष करती नजर आई। पीएसजी ने पूरे मैच में नियंत्रण बनाए रखा। ख्विचा क्वारत्सखेलिया ने 73वें मिनट में एक शानदार जवाबी हमले के बाद चौथा गोल किया और और सब्सिट्यूट सेनी मयुलु ने पांचवां गोल दागा। पीएसजी ने न केवल चैंपियंस लीग फाइनल में सबसे अधिक जीत हासिल की।

कोच लुइस एनरिक की उपलब्धि

- दूसरे कोच बने जिन्होंने दो अलग क्लबों (बार्सिलोना और पीएसजी) के साथ चैंपियंस लीग जीती। पहले कोच थे: पेप गार्डियोला।

रोलां गैरो में जोकोविच ने रचा इतिहास, 99वीं जीत के साथ किया आगे का सफर तय

पेरिस (आईएएनएस)

तीन बार के रोलां गैरो चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पेरिस क्ले पर अपने करियर की 99वीं जीत दर्ज की है। जोकोविच ने ऑस्ट्रियाई क्वालीफायर फिलिप मिसोलिक को 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। रोलां गैरो से ठीक पहले जिनेवा में अपने 100वें टूर लेवल सिंगल्स खिताब के बाद जोकोविच अब पहली बार एक ही टूर्नामेंट में 100 मैच जीतने की उपलब्धि हासिल करने से महज एक कदम दूर हैं। अगर जोकोविच सोमवार को पूर्व शीर्ष 10 खिलाड़ी कैमरन नोरी को हरा दें, तो उनके नाम ये उपलब्धि दर्ज हो जाएगी। जोकोविच 10 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुके हैं। जोकोविच ने जीत का शतक पूरा करने की संभावना पर बात करते हुए कहा, "99 अच्छा है, लेकिन 100 बेहतर है। मुझे उम्मीद है कि मैं और जीतूंगा। मैं अपने करियर, अपने जीवन के ऐसे दौर में हूं, जब मैं बहुत सौभाग्यशाली महसूस करता हूं, क्योंकि हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरता हूं, तो इतिहास की किताबों के लिए खेल रहा होता हूं। यह अविश्वसनीय है। रोलां गैरो में जोकोविच से ज्यादा जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी 14 बार के चैंपियन राफेल नडाल हैं।

जोकोविच उपलब्धि के करीब

- जिनेवा ओपन जीतकर जोकोविच ने अपने करियर का 100वां टूर लेवल सिंगल्स खिताब हासिल किया।
- जोकोविच अब किसी एक टूर्नामेंट में 100 मैच जीतने वाले खिलाड़ी बनने से महज एक जीत दूर हैं।

पीएम का सपना होगा पूरा, भारत में कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल : योगेश्वर

नई दिल्ली (आईएएनएस)

मशहूर पहलवान योगेश्वर दत्त का मानना है कि भारत में कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल होने जा रहा है। नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में रविवार को 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें खेल मंत्री मनसुख मांडविया समेत कई मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में साल 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त भी पहुंचे। योगेश्वर दत्त ने आईएएनएस से कहा, "आज फिट इंडिया मुहिम के तहत साइकिल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। मेरा मानना है कि ये यात्रा हमारे सैनिकों के सम्मान के लिए निकाली गई है। उसके लिए मैं शुभकामनाएं देता हूं। जिस तरीके से पाकिस्तान ने पहलगाम में कायराना हरकत की थी।

हमारे निर्दोष लोगों को उन्होंने मारा था और उसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हम आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने का काम करेंगे। हमारी सेना ने वो काम किया। दत्त ने आगे कहा, "नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया। 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए, उसके बाद 2-3 दिन युद्ध चला, जिसमें हमने पाकिस्तान के 11 एयरबेस ध्वस्त किए। उनके ड्रोन्स को हमने मार गिराया। उनके दो फाइटर जेट को हमने मार गिराया। ये हमारे लिए गर्व की बात है। सीमाओं पर जो हमारे जवान दिन-रात पहरा देते हैं, जिनकी वजह से हम सुख-चैन से सो पाते हैं, उनके लिए हमेशा सम्मान रहेगा। इसी साल मार्च में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से बैन हटा लिया गया था।

मेरे लिए रजत पाटीदार सबसे बड़े 'आई ओपनर' हैं : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली (आईएएनएस) । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मेंटर दिनेश कार्तिक ने टीम के कप्तान रजत पाटीदार की जमकर तारीफ की है। कार्तिक के अनुसार, पाटीदार ने कप्तान बनने के बाद भी अपना व्यवहार बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि 32 वर्षीय पाटीदार बिल्कुल वैसे ही हैं, जैसे कप्तान बनने से पहले थे। आईपीएल 2025 से पहले आरसीबी ने पाटीदार को कप्तान बनाकर सभी को चौंकाया। वह पहली बार आईपीएल टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। इससे पहले पाटीदार अपनी कप्तानी में मध्य प्रदेश को 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा चुके हैं। कार्तिक ने आरसीबी की 'जर्नी टू द फिनाले' के दूसरे एपिसोड में कहा, "रजत पाटीदार मेरे लिए जीवन के सबसे बड़े 'आई ओपनर' रहे हैं।

आईपीएल में ऑरेंज-पर्पल कैप की रेस हुई तगड़ी

किसके सिर सजेगा रन मशीन और विकेट किंग का ताज?

एजेंसी। गुवाहाटी

(इंडियन प्रीमियर लीग) 2025 अब टूर्नामेंट के फाइनल की ओर आगे बढ़ रहा है. रविवार(1 जून) को होने वाले मुकाबले मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स की टीमें क्वालफायर-2 में आमने-सामने हैं. जो भी मुकाबला जीतेगा, वो 3 जून को होने वाले फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम से भिड़ेगा. क्वालफायर-2 और IPL फाइनल मुकाबला एक ही वेन्यू अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है।

बहरहाल, अब टूर्नामेंट के जब केवल दो ही मैच रह गए हैं, तो ऑरेन्ज कैप और पर्पल कैप की रेस भी तगड़ी हो गई है. पछिले कुछ मैचों में आंकड़े बदल रहे हैं. ऐसे में सवाल यही है किसके सिर सजेगा रन मशीन और विकेट किंग का ताज? ऑरेन्ज कैप टूर्नामेंट में उस खलिाड़ी को मिलती है, जो सबसे ज्यादा रन बनाता है. वहीं पर्पल उस खलिाड़ी के सरि पर सजती है, जो सबसे ज्यादा विकेट लेता है।

ऑरेन्ज कैप के दावेदार

इस समय ऑरेन्ज कैप होल्डर साई सुदर्शन (15 मैच 759 रन) हैं. उनके फलिहाल आईपीएल के इस सीजन में सबसे ज्यादा रन हैं. लेकिन एलमिनिटर में उनकी टीम 30 मई को मुंबई से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है. दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव (15 मैच 673 रन हैं). इसके बाद शुभमन गिल (15 मैच 650 रन), मचिल मार्श (15 मैच 627 रन), वरिाट कोहली (14 मैच 614) हैं।

पर्पल कैप के दावेदार

पर्पल कैप होल्डर यानी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला आईपीएल के इस सीजन में लेने वाले खलिाड़ी गुजरात टाइटन्स के प्रसद्धि कृष्णा हैं. उन्होंने 15 मैचों में 25 विकेट लिए हैं. दूसरे नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स नूर अहमद (14 मैच 24 विकेट) हैं. इसके बाद RCB के जोश हेजलवुड (11 मैच 21 विकेट), MI के ट्रेंट बोल्ट (15 मैच 21 विकेट), आर साई किशोर (15 मैच 19 विकेट) हैं।

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन गुवाहाटी में खोलेंगी बॉक्सिंग अकादमी

एजेंसी। गुवाहाटी

भारत को ओलंपिक में गौरव दिलाने वाली बॉक्सिंग स्टार लवलीना बोरगोहेन अब खेल के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करने जा रही हैं। टोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने असम की राजधानी गुवाहाटी में 'लवलीना बॉक्सिंग अकादमी' की स्थापना की है, जिसका उद्घाटन 03 जून को होगा। इस भव्य उद्घाटन समारोह में असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंता बिस्वा सरमा और स्वयं लवलीना बोरगोहेन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। अपने विजन को साझा करते हुए लवलीना ने कहा, "यह अकादमी केवल एक प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि मेरा सपना है जिसे मैंने वर्षों से संजोया है। असम के उन अनगिनत बच्चों के लिए यह एक अवसर है जो बॉक्सिंग में करियर बनाना चाहते हैं।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम पर लगाया धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

दुबई (आईएएनएस)

आईसीसी ने बर्मिंघम के एजबेस्टन में गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले वनडे में स्लो ओवर रेट के लिए वेस्टइंडीज पर जुर्माना लगाया है। मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना और मार्टिन सैगर्स, थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और फोर्थ अंपायर ग्राहम लॉयड ने ये आरोप तय किए थे। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने अपराध के लिए सजा स्वीकार कर ली। ऐसे में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।आईसीसी ने एक बयान में कहा, "आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जेफ क्रो ने प्रत्येक खिलाड़ी पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया है। होप की टीम पारी के अंत में जरूरी टारगेट से एक ओवर पीछे रह गई थी, जिसमें समय की छूट को ध्यान में रखा गया था।

यह जुर्माना आईसीसी खिलाड़ी और खिलाड़ी सहायक कर्मचारी आचार संहिता के आर्टिकल 2.22 के अनुरूप है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से जुड़ा है। आईसीसी नियमों के अनुसार, खिलाड़ियों पर उनकी टीम द्वारा तय समय के अंदर गेंदबाजी न कर पाने वाले प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

सगाई समारोह : क्रिकेटर रिंकू सिंह-सपा सांसद प्रिया की सगाई 8 जून को

लखनऊ । जौनपुर की मछलीशहर से सपा सांसद प्रिया सरोज और क्रिकेटर रिंकू सिंह जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। 8 जून को लखनऊ के सेवन स्टार होटल में रिंग सेरेमनी होगी। शादी करीब 6 महीने बाद 18 नवंबर को वाराणसी के होटल ताज में होगी। यह जानकारी प्रिया के विधायक पिता तूफानी सरोज ने दी। उन्होंने बताया- रिंग सेरेमनी में रिंकू और मेरे परिवार के करीबी लोग मौजूद रहेंगे। जबकि शादी में राजनेता, फिल्म स्टार और उद्योगपतियों को निमंत्रण भेजा जाएगा। शादी पारंपरिक तरीके से होगी। जनवरी, 2025 में रिंकू सिंह और प्रिया सरोज के रोके की खबर सामने आई थी। पिता तूफानी सरोज ने कहा था- बेटी की शादी रिंकू सिंह से तय हुई है और जल्द ही रिंग सेरेमनी की जाएगी।

व्यापार/लाइफ व साइंस

अदाणी का खावड़ा प्रोजेक्ट देख दंग रह गए डेनमार्क के पूर्व राजदूत

कोपेनहेगन/नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत में डेनमार्क के पूर्व राजदूत फ्रेडी स्वेन ने रविवार को कहा कि वह गुजरात के खावड़ा में अदाणी समूह के मेगा रिन्यूएबल एनर्जी (आरई) पार्क की विशालता से 'हैरान' हैं। अनुभवी राजनयिक में से एक फ्रेडी स्वेन ने पिछले साल नवंबर में यूरोपीय संघ (ईयू), बेल्जियम और जर्मनी के राजदूतों के साथ, दुनिया के सबसे बड़े खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क का दौरा किया था। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए स्वेन ने कहा, "मैं इसके पीछे की रणनीति और इसकी विशालता से बहुत हैरान था। यह एक आंख खोलने वाला अनुभव था और दिखाता है कि ग्रीन ट्रांजिशन, ग्रीन स्ट्रेटेजिक कॉरपोरेशन कितना महत्वपूर्ण है। स्वेन ने आगे कहा कि इस तरह के ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए अच्छे हैं, बल्कि मानवता के लिए भी आवश्यक हैं, क्योंकि "हमें एक बेहतर और अधिक सस्टेनेबल वर्ल्ड की आवश्यकता है। आईएएनएस से पूर्व राजदूत ने कहा, "अगर हम इस जलवायु संकट का समाधान नहीं करेंगे तो हमारी अगली पीढ़ियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। राजदूतों की खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क यात्रा पर अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा कि उनकी मेजबानी करना सौभाग्य की बात है।

आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए पीयूष गोयल ने फ्रांस, इटली की आधिकारिक यात्रा शुरू की

नई दिल्ली (आईएएनएस)

1. **प्रमुख कंपनियों से मुलाकात :** विकैट, टोटल एनर्जीज, लोरियल, रेनो, वेलियो, ईडीएफ और एटीआर जैसी फ्रांसीसी कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व से मिलेंगे।
2. **बिजनेस मीटिंग्स में भागीदारी :** 'भारत-फ्रांस बिजनेस राउंड टेबल' और 'भारत-फ्रांस सीईओ फोरम' में शामिल होंगे।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को फ्रांस और इटली की अपनी आधिकारिक यात्रा शुरू की, जो प्रमुख यूरोपीय भागीदारों के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को गहरा करने और लचीले तथा समावेशी वैश्विक विकास के लिए साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, फ्रांस में अपने तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्विपक्षीय बैठकें करेंगे, जिनमें अर्थव्यवस्था मंत्री एरिक लोम्बार्ड और फ्रांसीसी व्यापार मंत्री लॉरेंट सेंट-मार्टिन के साथ बैठकें शामिल हैं। चर्चा में भारत-फ्रांस आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने तथा व्यापार एवं निवेश सहयोग बढ़ाने के लिए नए रास्ते तलाशने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस यात्रा के दौरान पीयूष गोयल विकैट, टोटल एनर्जीज, लोरियल, रेनो, वेलियो, ईडीएफ और एटीआर जैसी प्रमुख फ्रांसीसी कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, इस यात्रा के दौरान वह 'भारत-फ्रांस बिजनेस राउंड टेबल' और 'भारत-फ्रांस सीईओ फोरम' में शामिल होंगे, जिससे दोनों देशों के प्रमुख उद्योग हितधारकों के बीच संवाद को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ओईसीडी मंत्रिस्तरीय परिषद की बैठक के दौरान डब्ल्यूटीओ मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक में भी भाग लेंगे। इस महत्वपूर्ण मंच पर वह प्रमुख बहुपक्षीय व्यापार मुद्दों पर वैश्विक समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे और देश के दृष्टिकोण तथा प्राथमिकताओं को स्पष्ट करेंगे। इस फोरम में वाणिज्य मंत्री प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ कई उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इनमें ब्रिटेन के कारोबार एवं व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स, सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री और व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग और सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री डॉ. माजिद बिन अब्दुल्ला अल-कसाबी शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि वह इजरायल के व्यापार एवं निवेश मंत्री नीर बरकत, नाइजीरिया के व्यापार, उद्योग एवं निवेश मंत्री डॉ. जुमोके ओडुवोले ओओएन तथा ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो लुइस इकेर विएरा के साथ भी बातचीत करेंगे। मंत्रालय ने कहा, "इन वार्ताओं का उद्देश्य रणनीतिक आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाना और विभिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी को बढ़ावा देना है। इनसे भारत-यूरोपीय संघ एफटीए वार्ता को भी महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिलेगा।

शीर्ष 10 में से 4 कंपनियों की मार्केटकैप 1 लाख करोड़ रुपए बढ़ी, एलआईसी को हुआ सबसे अधिक फायदा

मुंबई (आईएएनएस)

देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से 4 का बाजार पूंजीकरण बीते हफ्ते 1,01,370 करोड़ रुपए बढ़ा है। इस दौरान लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) के मार्केटकैप में सबसे अधिक इजाफा हुआ है। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक के मार्केटकैप में इजाफा हुआ है। वहीं, टीसीएस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एचयूएल और इन्फोसिस के मार्केटकैप में गिरावट हुई है। एलआईसी का मार्केटकैप सबसे अधिक 59,223.61 करोड़ रुपए बढ़कर 6,03,120.16 करोड़ रुपए हो गया है। एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 19,589.54 करोड़ रुपए बढ़कर 7,25,036.13 करोड़ रुपए हो गया है। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 14,084.20 करोड़ रुपए बढ़कर 10,58,766.92 करोड़ रुपए हो गया है। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण

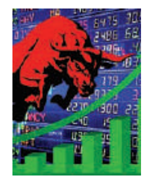

एडीबी ने भारत को दिया 10 अरब डॉलर का इंफ्रा बूस्ट

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से अपने आधिकारिक निवास पर मुलाकात की। इस बैठक में भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर में 10 अरब डॉलर के निवेश को लेकर बातचीत की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एडीबी अध्यक्ष की पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, "मसातो कांडा के साथ एक शानदार बैठक हुई।

क्रेडिट कार्ड से लेकर एलपीजी में होंगे ये बदलाव

एक जून से बदल गया नियम, आम आदमी की जेब पर होगा असर

नई दिल्ली । एजेंसी

हर महीने की पहली तारीख को जनता एलपीजी सिलेंडर की कीमत में होने वाले बदलाव पर चर्चा करती है। महीने की पहली तारीख को इसमें बदलाव होता है। जून की शुरुआत में एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव हो सकता है। इससे पहले ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने मई के महीने में 14 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव नहीं किया था। मई का महीना शनिवार को खत्म हो जाएगा। अब एक दिन के बाद जून का महीना शुरू हो जाएगा।

जून की शुरुआत होते ही हर महीने की तरह अलगा महीना भी कई तरह के बदलाव के साथ शुरू होगा। इन बदलावों का असर घर और आम जनता की जेब पर देखने को मिलेगा। एक तरफ घर की रसोई में उपयोग होने वाला एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव हो सकता है। क्रेडिट कार्ज से संबंधित नियमों में भी बदलाव होगा। जून के महीने में कई बदलाव होने वाले है।

एलपीजी सिलेंडर के दाम : हर महीने की पहली तारीख को जनता एलपीजी सिलेंडर की कीमत में होने वाले बदलाव पर चर्चा करती है। महीने की पहली तारीख को इसमें बदलाव होता है। जून की शुरुआत में एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव हो सकता है।

इससे पहले ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने मई के महीने में 14 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव नहीं किया था। वहीं 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर में 17 रुपये प्रति सिलेंडर तक कटौती की थी।

सीएनजी-पीएनजी-एटीएफ ईंधन की कीमत

वहीं हवाई यात्रियों के लिए भी एक जून 2025 को ऑयल मार्केटिंग कंपनियां एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव कर सकती है। एयर टर्बाइन फ्यूल के दाम में भी बदलाव हो सकता है। मई के महीने में इसकी कीमत में कटौती हुई है। जून की शुरुआत में बदलाव होगा। सीएनजी और पीएनजी की कीमत भी बदल सकती है।